THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 269 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष शु.6 2080 सोमवार, 18 दिसंबर-2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

सेवक के रूप में आया हूं : मोदी

पीएम के काफिले ने एंबुलेंस को दिया रास्ता * काशी तमिल संगमम् का इनॉगरेशन किया

वाराणसी, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी काशी में हैं। रविवार दोपहर 3 बजकर 15 मिनट पर पीएम का विशेष विमान बाबतपुर एयरपोर्ट पर लैंड हुआ। यहां सीएम योगी ने उनका स्वागत किया। इसके बाद पीएम का काफिला रोड शो की शक्ल में एयरपोर्ट से 24 किलोमीटर दूर छोटा कटिंग मेमोरियल मैदान पहुंचा। पीएम नरेंद्र मोदी ने इस दौरान पीएम ने कहा- देश के सभी लोग विकसित भारत संकल्प यात्रा को सफल बनाने के लिए समय दे रहे हैं। यहां (वाराणसी) के सांसद के नाते मेरा भी दायित्व बनता था कि मुझे भी उस कार्यक्रम में समय देना चाहिए। आज मैं सांसद और आपके सेवक के रूप में इस यात्रा में हिस्सा लेने आया हूं।

जब उनका काफिला व्यस्त रास्ते से गुजर रहा था तो उसी दौरान पीएम के काफिले ने एंबुलेंस को रास्ता भी दिया। दरअसल, काफिले के पीछे-पीछे एंबुलेंस चल रही थी, तभी टेल कार (काफिले के पीछे की सबसे बड़ी गाड़ी) ने मैसेज पास किया। इसके बाद एंबुलेंस को पास दिया गया।

एयरपोर्ट से छोटा कटिंग मेमोरियल तक रास्ते में हजारों लोग खड़े रहे। जगह-जगह फूल बरसाकर वेलकम किया। भीड़ ने जयश्री राम और हर-हर महादेव के नारे लगाए। इसके बाद, पीएम ने छोटा कटिंग मेमोरियल मैदान में आयुष्मान योजना के लाभार्थियों से मुलाकात की। योजना को लेकर महिलाओं से बात की।

इस दौरान पीएम मोदी ने कहा, ''जब बैंक सामने से पैसा देता है, तब लोगों का विश्वास बढ़ जाता है कि ये बैंक मेरा है। मैं चाहता हूं कि हिंदुस्तान के हर व्यक्ति को लगना चाहिए कि ये रेलवे मेरा है, अस्पताल मेरा है, ये ऑफिस अब मेरा है, ये देश मेरा है। ये भाव जब जगता है, तब देश के लिए कुछ करने की इच्छा भी जग जाती है।

गरीबी हटाओ नारा देना एक बात है, जब गरीब कहता है कि मेरे घर से गरीबी हट गई, जो बड़ी बात है। अगर हम इस समय, 140 करोड़ देशवासी, इस मिजाज से भर जाएं कि अब हमें देश को आगे ले जाना है, हर किसी की जिंदगी बदलनी है, हर किसी के शक्ति का सम्मान होना चाहिए। अगर हमने आज ये बीज बो लिया तो 2047 में 'विकसित भारत' बन जाएगा। जब भारत विकसित हो जाएगा, तब हम हर मुसीबत से मुक्त हो जाएंगे। मुसीबतों से मुक्ति का ये मार्ग है विकसित भारत के संकल्प को पूरा करना।

>14

संसद में घुसपैठ को मोदी ने चिंताजनक बताया

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद की सुरक्षा में चूक की घटना को चिंताजनक बताया है। एक अखबार को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि इस घटना पर विवाद करना सही नहीं है। हमें इसकी गहराई में जाना चाहिए और ऐसा हल निकालना चाहिए जिससे इस तरीके की घटना फिर कभी न हो। इस इंटरव्यू में पीएम ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने, पांच राज्यों के विधानसभा नतीजों, मोदी की गारंटी, राम मंदिर के उद्घाटन के बारे में बात की।

पीएम ने कहा कि संसद में हुई घटना की गंभीरता को कम नहीं आंकना चाहिए। इसके लिए लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला जरूरी कार्रवाई कर रहे हैं। जांच एजेंसियां पता लगा रही हैं कि इसके पीछे कौन से लोग हैं और इसके पीछे उनकी मंशा क्या है।

एक्सप्लोसिव कंपनी में धमाका

9 की मौत:3 घायल, सेना के लिए बनते हैं हथियार

गोला-बारूद होने से बिल्डिंग भी ध्वस्त

नागपुर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। नागपुर के बाजारगांव में एक्सप्लोसिव कंपनी सोलर इंडस्ट्रीज इंडिया लिमिटेड में रविवार को धमाका हो गया। इससे इमारत में आग लग गई। 12 लोग इसकी चपेट में आ गए। 9 की मौत हो गई और तीन घायल हैं।

मरने वालों में 6 महिलाएं और 3 पुरुष हैं। नागपुर ग्रामीण एसपी हर्ष पोद्दार ने बताया, यह ब्लास्ट कास्ट बूस्टर प्लांट में पैकिंग के वक्त हुआ। धमाका इतना तेज था कि, सी बी एच 2 प्लांट की इमारत भी ध्वस्त हो गई। इस फैक्ट्री में सेना के लिए हथियारों का निर्माण होता है। जिसके चलते भारी मात्रा में गोला-बारूद मौजूद था। वहीं ब्लास्ट के बाद जहरीला केमिकल पूरी प्लांट में फैल गया। इससे मौतों की संख्या बढ़ सकती है।

यह कंपनी नागपुर अमरावती रोड पर बाजार गांव में स्थित है। यह विस्फोट सुबह करीब नौ बजे हुआ। बताया जा रहा है कि विस्फोट उस वक्त हुआ जब विस्फोटकों को पैक करने का काम चल रहा था। देवेंद्र फडणवीस ने हादसे पर सोशल मीडिया एक्स पर दुख जताते हुए पोस्ट किया, कि हादसे में जान गंवाने वाले परिवारों को राज्य सरकार 5 लाख रुपये की सहायता देगी।

इसी साल अगस्त में भी इस कंपनी में आग लगी थी। उस वक्त कचरे में धमाका हुआ था जिसमें दो कर्मचारियों में से एक की मौत हो गई थी। दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया था। उस घटना को अभी पांच महीने भी नहीं बीते थे कि रविवार को ये बड़ा विस्फोट हो गया।

>14

खुद को पीएमओ अफसर बताने वाला कश्मीरी युवक गिरफ्तार

भुवनेश्वर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। ओडिशा पुलिस के स्पेशल टास्क फोर्स ने जाजपुर जिले से एक कश्मीरी युवक (37) को गिरफ्तार किया है। वह खुद को कभी पीएमओ का अफसर, आर्मी डॉक्टर, न्यूरो सर्जन और कभी एनआईए के अधिकारियों का करीबी बताकर लोगों के साथ ठगी करता था। युवक की पहचान सैयद ईशान बुखारी उर्फ ईशान बुखारी उर्फ डॉक्टर ईशान बुखारी के रूप में की गई है। वह कश्मीर के कुपवाड़ा का निवासी है। ओडिशा में 2018 से रह रहा है।

उसने अपनी पहचान बदलकर कश्मीर, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और ओडिशा सहित भारत के कई राज्यों में करीब छह-सात लड़कियों से शादी की है। वह कई डेटिंग ऐप्स और वेबसाइटों पर भी एक्टिव था। पुलिस ने बताया कि आरोपी कई लड़कियों के साथ रिलेशनशिप में भी था। पाकिस्तान के कई संदिग्ध लोगों से उसके संपर्क हैं, जिससे उसके पाकिस्तानी जासूस होने का शक है। उसके खिलाफ कई और सबूत भी मिले हैं।

इंटरनेशनल डिग्रियों की मदद से ठगी करता था

ओडिशा एसटीएफ के आईजी जय नारायण पंकज ने बताया कि कश्मीरी युवक के पास कई इंटरनेशनल यूनिवर्सिटीज की मेडिकल डिग्रियां हैं, जिनकी मदद से वह लोगों को ठगता था।

उसके पास अमेरिका की कॉर्नेल यूनिवर्सिटी, कैनेडियन हेल्थ सर्विसेज इंस्टीट्यूट और अन्य यूनिवर्सिटीज की जारी की गई मेडिकल डिग्रियां जब्त की गई हैं।

>14

चिदंबरम बोले- भाजपा चुनाव ऐसे लड़ती है, जैसे आखिरी हो

2024 की हवा बीजेपी की तरफ, कांग्रेस नेतृत्व अपनी कमजोरी दूर करे

कोलकाता, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद और पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने कहा- 2024 लोकसभा चुनाव की हवा का रुख भाजपा की तरफ है। वह कभी भी चुनाव को हल्के में नहीं लेती। भाजपा चुनाव ऐसे लड़ती है, जैसे कि वह आखिरी लड़ाई हो। हालांकि हवाएं दिशा बदल सकती हैं, लेकिन विपक्षी दलों को भाजपा की काबिलियत का एहसास होना चाहिए।

चिदंबरम ने एक इंटरव्यू में कहा- छत्तीसगढ़, राजस्थान और मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में जीत से भाजपा को हिम्मत मिली है। छत्तीसगढ़ और राजस्थान में कांग्रेस की हार की उम्मीद नहीं थी। नतीजे चिंताजनक हैं। मुझे विश्वास है कि पार्टी नेतृत्व कमजोरियों को दूर करेगा।

विपक्ष का पहला काम लोकसभा चुनाव जीतना

लोकसभा चुनावों के लिए गठबंधन की तैयारियों पर चिदंबरम ने कहा कि इंडिया गठबंधन के नेताओं को ऐसे उम्मीदवारों की पहचान करनी होगी, जो कम से कम 400-425 सीटों पर भाजपा का मुकाबला कर सकें।

>14

13 सांसदों के निलंबन पर स्पीकर की सांसदों को चिट्ठी

इसे संसद की सुरक्षा चूक से ना जोड़ें; खराब व्यवहार की वजह से कार्रवाई की

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। 13 दिसंबर को संसद में घुसपैठ मामले के बाद 13 विपक्षी सांसदों के निलंबन पर लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला ने शनिवार को सफाई दी। बिड़ला ने सांसदों के नाम एक चिट्ठी लिखी। जिसमें उन्होंने सस्पेंशन की असल वजह बताई। लोकसभा स्पीकर ने चिट्ठी में लिखा, सांसदों का निलंबन सदन की पवित्रता बनाए रखने के लिए किया गया है। इसे संसद की सुरक्षा चूक से न जोड़ें। ओम बिड़ला ने आगे लिखा- देश सदन की कार्यवाही के दौरान ऐसे आचरण की उम्मीद नहीं करता।

इसलिए सांसदों को निलंबित करने का फैसला लेना पड़ा।

बिड़ला ने लिखा- सुरक्षा पहलुओं की समीक्षा और ऐसी घटनाएं दोबारा न हों, इसकी प्लानिंग करने के लिए हाई लेवल कमेटी बनाई है। जो सीआरपीएफ महानिदेशक के पैनल से अलग है। कमेटी जो रिपोर्ट देगी, उसे सदन में शेयर किया जाएगा।

ओम बिड़ला की चिट्ठी की बड़ी बातें

पिस्तौल लेकर आने, नारे लगाने, गैलरी से कूदने और पर्चे फेंकने जैसी घटनाएं पहले भी हुई हैं। सांसदों ने पहले भी सदन में कई बार एकजुटता और संकल्प का प्रदर्शन किया है। यह वाकई दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ सदस्य और राजनीतिक दल कुछ सांसदों के निलंबन के फैसले को 13 दिसंबर को हुई घटना से जोड़ रहे हैं। यह गलत है। सदस्यों के निलंबन और सुरक्षा चूक की घटना के बीच कोई संबंध नहीं है।

कांग्रेस अध्यक्ष खडगे ने महंगाई को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने मोदी सरकार के कार्यकाल के दौरान आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि को लेकर रविवार को केंद्र पर निशाना साधा और आश्चर्य जताते हुए कहा कि यह किस तरह का 'विकसित भारत' है। खरगे ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में एक वीडियो साझा किया जिसमें दूध, प्याज, टमाटर और चीनी जैसी आवश्यक वस्तुओं की वर्ष 2014 की कीमतों की तुलना मौजूदा कीमतों के साथ की गई है। कांग्रेस प्रमुख ने वीडियो के साथ लिखा,''महंगाई-नॉमिक्स, यह किस तरह का विकसित भारत है? जहां भारतीय जनता पार्टी ने लूटने में महारत हासिल की है।'' कांग्रेस पार्टी अर्थव्यवस्था को लेकर केंद्र सरकार को घेर रही है और बढ़ती बेरोजगारी तथा महंगाई को लेकर चिंता जता रही है।

बेलगावी कांड

कर्नाटक हाई कोर्ट ने पीड़ित महिला से आगंतुकों के मिलने पर लगाई रोक

बेंगलूरू, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक हाई कोर्ट ने बेलगावी हमले की पीड़िता से आगंतुकों के मिलने पर रोक लगा दी है। हाई कोर्ट ने कहा है कि महिला जिस आघात से गुजर रही है कि उसको ध्यान में रखते हुए लोगों के उससे मिलने पर रोक लगाई जानी चाहिए। इन परिस्थितियों में पीड़िता से मिलने के लिए लोगों का अस्पताल जाना असामान्य नहीं है।

हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश प्रसन्ना बी वारले ने अपने आदेश में कहा कि इन परिस्थितियों में पीड़िता से मिलने के लिए लोगों का अस्पताल जाना असामान्य नहीं है। यह अदालत आमतौर पर किसी भी व्यक्ति की आवाजाही की स्वतंत्रता को प्रतिबंधित नहीं करना चाहेगा। कोर्ट ने आगे कहा, हालांकि, इस तथ्य पर विचार करते हुए कि पीड़ित को

असहनीय आघात का सामना करना पड़ा है, हमारी राय है कि आगंतुकों के आने से पीड़िता की स्वास्थ्य स्थिति प्रभावित हो सकती है और इलाज में बाधा उत्पन्न हो सकती है। इसलिए पीड़िता से आगंतुकों के मिलने पर रोक लगाई जाती है।

निर्वस्त्र कर घुमाया

बता दें कि 11 दिसंबर को बेलगावी के वंतामुरी गांव में बेटे की ओर से आदिवासी समुदाय की लड़की को लेकर भाग जाने के बाद कुछ लोगों द्वारा उसकी मां को एक खंभे से बांधने और निर्वस्त्र करके घुमाने की घटना सामने आई थी। पुलिस ने इस मामले में 13 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है।

बीजेपी ने गठित की पांच सदस्यी समिति

घटना के बाद बीजेपी ने पांच सदस्यी समिति का गठन किया है। इस समिति में पार्टी की महिला सांसद अपराजिता सारंगी, सुनीता दुग्गल, लॉकेट चटर्जी व अन्य शामिल हैं। समिति की सदस्य मामले से जुड़ी जानकारी हासिल करने के लिए कर्नाटक के बेलगावी पहुंचीं थीं।

जम्मू-कश्मीर में पुलिसकर्मी पर हमले में शामिल तीन 'हाइब्रिड'' आतंकवादियों को गिरफ्तार किया

श्रीनगर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। श्रीनगर शहर के बेमिना इलाके में पिछले सप्ताह एक पुलिसकर्मी पर हुए हमले में शामिल तीन 'हाइब्रिड' आतंकवादियों को गिरफ्तार किया गया है। जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक(डीजीपी) आर। आर। स्वैन ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि 'हाइब्रिड' आतंकवादी वे होते हैं जो हमले करते हैं और फिर वापस नियमित जीवन जीने लगते हैं। उन्होंने बताया कि कॉन्स्टेबल मोहम्मद हाफिज चक पर नौ दिसंबर को उस समय हमला हुआ था जब वह अपनी ड्यूटी करने के बाद घर लौट रहे थे। डीजीपी ने बताया कि हमले की साजिश पाकिस्तान स्थित आतंकवादी अर्जुमंद उर्फ हमजा बुरहान ने रची थी जो एक स्थानीय आतंकवादी दानिश अहमद मल्ला के संपर्क में आया था।

'कमजोर वर्ग का भी रखें ध्यान

सशक्त बनाने में करें सहयोग', आरएसएस प्रमुख ने दी राय

ठाणे, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के कल्याण क्षेत्र में कल्याण जनता सहकारी बैंक के स्वर्ण जयंती समारोह का आयोजन किया गया है। इस समापन कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने शिरकत की। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने कहा कि बैंकों को कमजोर वर्गों की जरूरतों को पहचानना होगा। साथ ही उन्हें सशक्त बनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि कमजोर वर्गों की वित्तीय समृद्धि ही बैंक का आधार है। बैंकों को सभी आर्थिक मापदंडों को बनाए रखते हुए सामाजिक विकास को प्राथमिकता देनी चाहिए। कल्याण जनता सहकारी बैंक के स्वर्ण जयंती समारोह के समापन कार्यक्रम में मोहन भागवत ने कहा कि कमजोर वर्गों की जरूरतों की पहचान करना और उन्हें सशक्त करना बैंकों की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि बैंक का स्वर्ण जयंती समारोह पिछले साल केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की उपस्थिति में शुरू किया गया था। साथ ही कहा कि कल्याण जनता सहकारी बैंक की स्वर्ण जयंती का अर्थ है कि ध्यान देना होगा कि संगठन भविष्य में ज्यादा गतिशील रूप से कैसे चले और जरूरतमंद लोगों को इससे अधिक से अधिक फायदा पहुंच सकें। बीते एक सप्ताह पहले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस)प्रमुख मोहन भागवत जालंधर में अपने तीन दिवसीय दौरे पर पहुंचे थे।

इस दौरान उन्होंने संघ से जुड़े लोगों का साथ बैठक की थी। जिसमें पड़ोसी राज्य हरियाणा, हिमाचल, जम्मू-कश्मीर के प्रचारकों के साथ कई विषयों पर भी चर्चा की गई। वहीं तीन दिसंबर को नागपुर में एक धर्मार्थ ट्रस्ट सेंट्रल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने शिरकत की थी। इस दौरान उन्होंने चिकित्सा शोधकर्ताओं, डॉक्टरों, वैज्ञानिकों को संबोधित किया था। अपने संबोधन में उन्होंने कहा, देश में विकास ने अच्छी गति पकड़ ली है। यह गति सही दिशा में आगे बढ़ रही है।

लिव इन में रह रहे शादीशुदा प्रेमिका को प्रेमी ने उतारा मौत के घाट, जाँच में जुटी पुलिस

सोनीपत, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के सोनीपत से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है यहाँ एक प्रेमी ने अपनी प्रेमिका का गला दबाकर क़त्ल कर दिया। घटना कुंडली थाना इलाके की है। हत्या की इस वारदात से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। हत्या की खबर प्राप्त होने के पश्चात कुंडली थाना पुलिस मौके पर पहुंची तथा पुलिस ने महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए हॉस्पिटल भेज दिया है।

समर एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम का सफल परीक्षण, आत्मनिर्भर भारत की दिशा में बड़ा कदम

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय वायुसेना ने रविवार को समर एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम का सफल परीक्षण किया। बता दें कि समर एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम को भारत में ही विकसित किया गया है और यह स्वदेशी डिजाइन पर आधारित है। जमीन से हवा में मार करने वाला यह मिसाइल सिस्टम भारतीय वायुसेना द्वारा ही विकसित किया गया है। वायुसेना को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में यह अहम कदम है। वायुसेना ने बयान जारी कर बताया कि भारत में ही डिजाइन और विकसित किए गए समर एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम का युद्धाभ्यास अस्त्रशक्ति-2023 के दौरान सफल परीक्षण किया गया। यह परीक्षण एयर फोर्स स्टेशन सूर्यलंका में किया गया। एयर डिफेंस सिस्टम को वायुसेना की मेंटिनेंस कमांड की एक यूनिट द्वारा ही विकसित किया गया है। पहली बार इस एयर डिफेंस सिस्टम का फील्ड परीक्षण किया गया। परीक्षण के दौरान मिसाइल सिस्टम ने विभिन्न परिस्थितियों में सफलतापूर्वक अपने सभी उद्देश्य पूरे किए। वायुसेना के अधिकारियों ने बताया कि 2 से 2.5 मैक की स्पीड रेंज वाली मिसाइल को इस समर एयर डिफेंस से तबाह किया जा सकता है। इस डिफेंस सिस्टम में दो लॉन्चिंग प्लेटफॉर्म हैं और खतरे को भांपते हुए इसमें एक साथ दोनों मिसाइलों को लॉन्च किया जा सकता है। एयर फोर्स चीफ वीआर चौधरी और वाइस एयर चीफ एपी सिंह ने भी इस मिसाइल सिस्टम के परीक्षण को देखा। युद्धाभ्यास के दौरान वायुसेना ने अन्य हथियारों की क्षमता का भी प्रदर्शन देखा। बता दें कि भारतीय वायुसेना भी तेजी से आत्मनिर्भरता की तरफ कदम बढ़ा रही है। वायुसेना की मेंटिनेंस कमांड की 7 बीआरडी यूनिट ने एयर डिफेंस सिस्टम को विकसित किया है। मेंटिनेंस कमांड ने फाइटर जेट्स के कई अहम उपकरण बनाने, ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट, हेलीकॉप्टर्स और ग्राउंड बेस्ड हथियार विकसित करने में सफलता मिली है।

धड़धड़ाती आ रही थी ट्रेन, उससे टकराने के बाद भी बच गई महिला खौफनाक नजारा

जबलपुर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के जबलपुर से हैरान करने वाली खबर है. यहां एक महिला तेज गति से आती हुई ट्रेन से टकराने के बाद भी बच गई. आशंका है कि महिला आत्महत्या करने की नीयत से ट्रेन के आगे कूद गई. इस नजारे को जिसने देखा उसके होश उड़ गए. घायल महिला को देखने भारी भीड़ मौके पर जमा हो गई. महिला की हालत देख लोगों ने रेलवे पुलिस और जिला पुलिस को खबर की. इसके बाद उन्होंने महिला को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेज दिया. पुलिस मामले की जांच कर रही है. घटना भेड़ाघाट रेलवे स्टेशन पर घटी. बताया जाता है कि, घटना 17 दिसंबर की दोपहर एक बजे घटी.

चीन के साथ चल रहे सीमा विवाद के बीच बोले सेना प्रमुख

अस्थिर सीमाओं की विरासती चुनौतियां हमें परेशान करती रहेंगी

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। थल सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने कहा कि अस्थिर सीमाओं की हमारी विरासती चुनौतियां हमें परेशान करती रहेंगी। उन्होंने सेना को उभरते भू-राजनीतिक परिदृश्य और सुरक्षा चुनौतियों के बारे में जागरूक रहने की जरूरत पर जोर दिया। कहा कि, सशस्त्र बलों को ''अप्रत्याशित की उम्मीद'' कहावत पर खरा उतरने की जरूरत है।

नागपुर में भारतीय प्रबंधन संस्थान (आइआइएम) में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने यह बातें कहीं। जनरल पांडे की यह टिप्पणी पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ चल रहे सीमा विवाद के बीच आई है। विभिन्न क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए सेनाध्यक्ष ने कहा कि इंडो-पैसिफिक में पारंपरिक और गैर-पारंपरिक डोमेन में प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है। इसलिए हमें चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार रहना होगा। सेना प्रमुख ने कहा कि सुरक्षा और आर्थिक प्रगति में गहरा संबंध हैं। एक सुरक्षित वातावरण घरेलू और विदेशी निवेश के लिए आवश्यक स्थिरता प्रदान करता है और आर्थिक विकास को बढ़ावा देता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान वैश्विक घटनाक्रमों का भविष्य में असर देखने को मिलेगा। रूस-यूक्रेन और इजरायल-हमास जंग राष्ट्रों के बीच संबंध नए सिरे से परिभाषित करेंगी और आने वाले दशकों में विश्व राजनीति को एक नया रंग देंगी।

'चिंता की बात नहीं'

केरल में कोरोना का नया सब-वैरिएंट मिलने पर क्या बोलीं स्वास्थ्य मंत्री

तिरुवनंतपुरम, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। केरल में कोरोना का नया सब-वैरिएंट मिलने पर केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने कहा है कि घबराने की जरूरत नहीं है। नए सब वैरिएंट जेएन1 का पता चला है। दो या तीन महीने पहले भी जब सिंगापुर एयरपोर्ट पर भारतीयों की कोरोना जांच की गई थी, उस समय भी यह भारतीयों में पाया गया था।

देश के अन्य हिस्सों में भी इसके मामले मिले हैं। केरल का हेल्थ सिस्टम अच्छा है और हम जीनोमिक सिक्वेंसिंग से इसका पता लगा सकते हैं। ऐसे में घबराने की जरूरत नहीं है। हम स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं लेकिन हमें अलर्ट भी रहना होगा। आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले में एक छात्र समुद्र में नहाते हुए डूब गया। पुलिस द्वारा छात्र को ढूंढने की कोशिश जारी है। घटना मछलीपतनम में गोलापालेम बीच की है। जहां कुछ छात्र नहाने पहुंचे थे और इसी दौरान एक छात्र तेज लहर में बह गया।कर्नाटक के मंगलुरू इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने एक यात्री से 286 ग्राम सोना बरामद किया है। जब्त सोने की कीमत करीब 17,73,200 रुपये आंकी गई है।

दरअसल दुबई से मंगलुरू आए यात्री के पास से यह सोना बरामद हुआ। महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने रविवार को घाटकोपर के अमृत नगर इलाके में एक सफाई कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान सीएम ने पानी से सड़कों को साफ किया और लोगों को सफाई के प्रति जागरुक किया। इस सफाई अभियान को लेकर सीएम शिंदे ने कहा कि 'इस अभियान में ना सिर्फ निगमकर्मी शामिल हुए बल्कि स्कूली बच्चे और एनजीओ ने भी हिस्सा लिया। इसमें जनता की सहभागिता है, इसलिए यह क्रांतिकारी अभियान रहेगा। इस अभियान का उद्देश्य मुंबई को सुंदर, साफ और प्रदूषण मुक्त करना है।'

दिल्ली में 21 दिसंबर को होगी कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस कार्य समिति की बैठक 21 दिसंबर को दिल्ली में आयोजित होगी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने यह बैठक बुलाई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे की अध्यक्षता में होने वाली कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में मौजूदा राजनीतिक हालात पर चर्चा होगी। कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में चार राज्यों में मिली पार्टी की हार को लेकर चर्चा हो सकती है। इसके अलावा बैठक में संसद की सुरक्षा उल्लंघन का मुद्दा भी उठ सकता है। कांग्रेस नेता ने कहा कि सीडब्ल्यूसी के दौरान 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारी के लिए पार्टी की रणनीति सहित कई मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। उल्लेखनीय है कि संसद में सुरक्षा उल्लंघन का मुद्दा उठाने पर 14 सांसदों को निलंबित किया गया है। इनमें 13 लोकसभा के सांसद है और राज्यसभा सदस्य शामिल है। वहीं, 19 दिसंबर को इंडिया गठबंधन की बैठक तय है। बता दें कि हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को सिर्फ एक राज्य में जीत मिली है। राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और मिजोरम विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को करारी हार मिली है, जबकि तेलंगाना में कांग्रेस ने सरकार बनाई है।

राजनीति छोड़िए खेल के मैदान में भी चोके-छक्के लगाने में माहिर हैं सीएम एकनाथ शिंदे

मुंबई, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे डीप क्लीनिंग अभियान के तहत आज मुंबई के चेंबूर इलाके में पहुंचे। इस दौरान उन्होंने सफाई अभियान और समाजिक सारोकारों को लेकर वहां के लोगों से बात की। जनता के बीच सीएम भी बहुत ही हल्के मूड में दिखे। जब सीएम तिलक नगर इलाके से गुजर रहे थे। तभी उनकी नजर मैदान में क्रिकेट खेल रहे युवकों पर पड़ी। जिसके बाद मुख्यमंत्री खुद को रोक नहीं पाएं और लड़कों के साथ क्रिकेट खेलने पहुंच गए। सीएम शिंदे ने खेल रहे लड़को से बैटिंग करने का आग्रह किया और युवकों ने मुख्यमंत्री को बैटिंग करने दिया। इसके बाद एक युवक बॉलिंग करने लगा जिस पर मुख्यमंत्री अपनी बैटिंग की कला दिखाते हुए गेंद को सीमारेखा के पार पहुंचाते नजर आएं।

'मेरे माता-पिता सीएम थे

चाहते तो दुनियाभर की डिग्रियां घर के चौखट पर होतीं', अपनी पढ़ाई को लेकर बोले तेजस्वी यादव

पटना, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव अक्सर अपनी कम पढ़ाई-लिखाई को लेकर चर्चा में रहते हैं। भारतीय जनता पार्टी समेत कई विरोधी दलों के कई नेता उन्हें इसे लेकर ट्रोल भी करते हैं। लेकिन इस बार राष्ट्रीय जनता दल के नेता और राज्य के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने अपनी कम पढ़ाई-लिखाई को लेकर खुलकर बोला है। उन्होंने कहा कि मैं दो-दो सीएम का बच्चा हूं, लेकिन मैंने ईमानदारी से काम किया। तेजस्वी यादव ने कहा कि मेरी मां रावड़ी देवी और पिता लालू यादव मुख्यमंत्री रहे हैं। वे एक बड़े नेता हैं। हम चाहते तो हमें डिग्री मिल जाता लेकिन मैंने ईमानदारी से काम किया। उन्होंने कहा कि लोगों के पास जाली डिग्रियां हैं लेकिन मैंने नहीं ली। अगर हम चाहते तो डिग्रियां घर की चौखट पर मिलतीं, लेकिन मैंने नहीं बनवाईं। एक स्कूल के कार्यक्रम में बोलते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि मैं सभी अभिभावकों से कहना चाहूंगा कि अब पुराना वाला कहावत मत मानिए कि 'पढेंगे-लिखेंगे बनेंगे नवाब और खेलेंगे-कूदेंगे बनेंगे ख़राब'। आज के समय में खेल-कूद बेहद ही आवश्यक हो गया है। अपने बच्चों को लैपटॉप, कंप्यूटर और मोबाइल से बाहर निकालिए और उन्हें खेलने के लिए प्रेरित कीजिए। कोरोना के बाद से तो शारीरिक गतिविधि तो और भी ज्यादा आवश्यक हो गई है।

मिजोरमः सीएडीसी के अध्यक्ष पद से तोंगचांग्या ने दिया इस्तीफा

मिजोरम , 17 दिसंबर (एजेंसियां)। मिजोरम में जोरम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) ने मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) को सत्ता से बेदखल कर अपनी सरकार बना ली है। जेडपीएम के नेता लालदुहोमा मिजोरम के नए मुख्यमंत्री हैं। इस बीच, एमएनएफ पार्टी छोड़ जेडपीएम में शामिल हुए काली कुमार तोंगचांग्या ने शुक्रवार को मिजोरम के चकमा स्वायत्त जिला परिषद (सीएडीसी) के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि तोंगचांग्या ने राज्यपाल हरि बाबू कंभमपति को अपना इस्तीफा सौंप दिया। चकमा समुदाय के नेता तोंगचांग्या एमएनएफ छोड़कर 8 दिसंबर को जोरम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) में शामिल हो गए थे। उनके साथ सीएडीसी के पांच बीजेपी सदस्य भी राज्य की वर्तमान सत्तारूढ़ पार्टी जेडपीएम में शामिल हो गए थे। सूत्रों ने कहा कि तोंगचांग्या और अन्य सदस्य सीएडीसी में जेडपीएम के नेतृत्व वाली परिषद बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

हिंदुओं को साजिश के तहत खिलाया जा रहा हलाल मीट, हो रहा धर्म भ्रष्टः गिरिराज सिंह

पटना, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह अपने तीखे बयानों से हमेशा सुर्खियों में बने रहते हैं। वो अक्सर विवादित बयानबाजी करते रहते हैं, एक बार फिर से उन्होंने हलाल मामले पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि हिंदुओं को साजिश के तहत हलाल का मीट खिलाया जा रहा है, और उनकाधर्म भ्रष्ट किया जा रहा है। बेगूसराय के बीजेपी सांसद गिरिराज सिंह ने हिंदुओं से अपील की कि जो भी हिंदू मीट खाते हैं वो झटका मीट खाएं। मंत्री ने कहा कि वो खुद भी झटका मीट खाते हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इन दिनों मंदिरों में बलि प्रथा पर रोक लगाने की साजिश की जा रही है, जबकि ये बलि प्रथा हिंदू धर्म का अहम हिस्सा है। इसके साथ ही गिरिराज सिंह ने कुर्बानी पर भी सवाल उठाए।

मंत्री ने कहा कि अगर हिंदू के द्वारा दी जा रही बली अगर बली है तो फिर मुसलमान जो बकरों की कुर्बानी करते हैं, तो उस पर भी रोक लगनी चाहिए। सरकार को इस पर रोक लगानी चाहिए। उन्होंने बिहार की नीतीश सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि वोट की राजनीति करने वाली सरकार ऐसा नहीं कर सकती। गिरीरीज सिंह यहीं नहीं रुके उन्होंने ये भी कहा कि कोई भी मुसलमान हिंदुओं के घर पर बना मीट नहीं खाएगा।

राहुल गांधी क्या बोलते हैं, उन्हें खुद पता नहीं

संसद कांड पर नित्यानंद राय का पलटवार

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद की सुरक्षा में सेंध के मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा था ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि इस देश में बेरोजगारी बड़ा मुद्दा है। उन्होंने कहा कि इस घटना के पीछे बेरोजगारी और महंगाई है। वहीं अब केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। दिल्ली से पटना पहुंचे नित्यानंद राय ने कहा, राहुल गांधी क्या बोलते हैं, उन्हें खुद समझ नहीं आता है। प्रधानमंत्री की अनेक योजनाओं से इस देश का भला हो रहा है। गरीबी और बेरोजगारी मिट रही है। नौजवानों को रोजगार मिल रहा है। उन्होंने कहा कि तीन राज्यों में चुनाव जीतने के बाद बीजेपी ने अनुसूचित जाति और वंचित समाज के लोगों को मुख्यमंत्री बनाया है। वहीं बिहार

में 2024 के चुनाव को लेकर नित्यानंद राय ने कहा कि राज्य के विपक्ष में कोई दम नहीं बचा है। नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनें, देश की जनता ने कमर कस ली है। विकास के भागीरथ हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी हैं।

राहुल गांधी ने क्या कहा था?

राहुल गांधी ने इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए मोदी सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए थे। राहुल ने कहा कि संसद की सुरक्षा में चूक इसलिए हुई क्योंकि इस देश में बेरोजगारी बड़ा मुद्दा है। उन्होंने कहा कि PM मोदी की नीतियों के कारण देश के युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा है। इस घटना के पीछे का कारण बेरोजगारी और महंगाई हैं।

सदन में बयान क्यों नहीं दे रहे अमित शाहः जयराम रमेश

इससे पहले कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने भाजपा सरकार पर वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश करने का आरोप लगाया और आश्चर्य जताया था कि गृहमंत्री सदन में बयान देने को तैयार क्यों नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इसमें मैसूर के भाजपा सांसद की भूमिका थी जिन्होंने घुसपैठियों को विजिटर पास उपलब्ध कराए थे। जयराम रमेश ने सवाल उठाया था कि इस मामले में उनकी क्या भूमिका है। साथ ही कहा था कि ये संसद की अवमानना है। यह संसदीय परंपराओं की अवमानना है। जब संसद का सत्र चल रहा हो तो मंत्री कभी भी गंभीर मुद्दों पर संसद के बाहर इतने बड़े बयान नहीं देते। वे संसद को विश्वास में लेते हैं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार

समय का चक्र बहुत तेज चलता है, इसलिए न तो अपने बल का अहंकार करे, और न अपने धन का !

प्रजा सेवक के रूप में अधिकारियों को काम करने का निर्देश

मंत्री कोंडा सुरेखा ने कार्यभार संभाला

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री कोंडा सुरेखा ने रविवार को पर्यावरण, वन और बंदोबस्ती मंत्री के रूप में कार्यभार संभाला। उन्होंने अपने परिवार, विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में सुबह 8.45 बजे बीआर अंबेडकर तेलंगाना राज्य सचिवालय में अपने कक्ष में कार्यभार संभाला। कार्यभार संभालने के तुरंत बाद, मंत्री ने उन परिवारों के लिए अनुग्रह राशि बढ़ाने के लिए अपनी पहली फाइल पर हस्ताक्षर किए, जिनके सदस्य मानव पशु संघर्ष के शिकार हुए, मानव जीवन के नुकसान के लिए मुआवजा राशि 5 लाख रुपये से बढ़ाकर 10 लाख रुपये कर दी गई। उन्होंने अन्य राज्यों से विभिन्न त्योहारों और आयोजनों के लिए तेलंगाना में हाथियों को लाने से संबंधित एक फाइल पर भी हस्ताक्षर किए। वन एवं पर्यावरण मंत्री नियुक्त किये जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि वह वन विभाग की सभी विकास गतिविधियों में शत-प्रतिशत सहयोग प्रदान करेंगी। कार्यक्रम में बीसी कल्याण और परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर, कई विधायक, मंत्री के निर्वाचन क्षेत्र के विभिन्न नेता, उनके परिवार के सदस्य, अतिरिक्त मुख्य सचिव, ईएफएस एंड टी, पीसीसीएफ (एचओएफएफ) आर.एम. डोबरियाल, एम.सी. परगेन, आईएफएस, पीसीसीएफ, एलुसिंग मेरु, पीसीसीएफ, डॉ. सुवर्णा, आईएफएस, पीसीसीएफ, जी. चंद्र शेखर रेड्डी, आईएफएस, निदेशक व अपर पीसीसीएफ, टीएसएफडीसी, सुनीता एम. भागवत पीसीसीएफ सहित अन्य सभी सर्किल प्रमुखों और डीएफओ ने भाग लिया। पर्यावरण प्रदूषण पर पोस्टर जारी करते हुए, मंत्री ने अधिकारियों से प्रदूषण को नियंत्रित करने और वनों और वन्यजीवों की रक्षा के लिए प्रभावी योजनाएँ बनाने का आह्वान किया। बाद में उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की और अधिकारियों को तेलंगाना राज्य में हरियाली में सुधार लाने और तेलंगाना के मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुसार 'प्रजा सेवक' के रूप में लोगों के साथ काम करने के लिए दिशानिर्देश जारी किए। पीसीसीएफ (एचओएफएफ) आर.एम. तेलंगाना राज्य के आईएफएस डोबरियाल ने बताया कि अन्य सभी विभागों और निजी संगठनों के सहयोग से वन और वन्यजीवन में सुधार के लिए सभी विकासात्मक गतिविधियां शुरू की जा रही हैं और भविष्य के लिए प्रस्तावित हैं।

पुलिस ने 15,024 मोबाइल बरामद किए

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पुलिस ने 239 दिनों की अवधि में 15,024 खोए व चोरी हुए मोबाइल डिवाइस बरामद किए और मालिकों को सौंप दिए। कुल गैजेट्स में से 1,000 पिछले आठ दिनों में पुलिस ने एक विशेष अभियान के दौरान बरामद किए। अतिरिक्त महानिदेशक (सीआईडी) महेश मुरलीधर भागवत ने कहा कि तेलंगाना ने केंद्रीय उपकरण पहचान रजिस्टर (सीईआईआर) पोर्टल का उपयोग करके खोए व चोरी हुए मोबाइल उपकरणों की 33.%1 प्रतिशत वसूली के साथ पूरे देश में पहला स्थान हासिल किया है। राज्य के भीतर 2156 के साथ हैदराबाद कमिश्नरेट द्वारा महत्वपूर्ण योगदान दिया गया है। मोबाइल डिवाइस, साइबराबाद 1790 और राचाकोंडा 1488 मोबाइल डिवाइस सीईआईआर पोर्टल मोबाइल चोरी और नकली मोबाइल डिवाइस के खतरे को रोकने के लिए दूरसंचार विभाग (डीओटी) द्वारा विकसित किया गया था। सीईआईआर पोर्टल आधिकारिक तौर पर 17 मई को देश भर में लॉन्च किया गया था और 19 अप्रैल से तेलंगाना राज्य में पायलट आधार पर शुरू किया गया था।

एमसीईएमई के 104वें दीक्षांत समारोह में 33 बीटेक छात्र अधिकारियों का ग्रेजुएशन

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को यहां एमसीईएमई में आयोजित 104वें दीक्षांत समारोह के दौरान मिलिट्री कॉलेज ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड मैकेनिकल इंजीनियरिंग (एमसीईएमई) के पोर्टल से बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी (बीटेक) पाठ्यक्रम में 33 छात्र अधिकारियों ने स्नातक की उपाधि प्राप्त की। थल सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे ने रॉयल भूटान आर्मी और श्रीलंकाई आर्मी ऑफ डिग्री इंजीनियरिंग (डीई)-104 और टेक्निकल एंट्री स्कीम (टीईएस)-40 कोर्स के विदेशी अधिकारियों सहित 33 अधिकारियों को डिग्री प्रदान की। दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए जनरल पांडे ने युवा अधिकारियों को उन जबरदस्त जिम्मेदारियों और अनंत संभावनाओं की याद दिलाई जो उनके लिए आगे हैं। उन्होंने उनसे निरंतर सीखने का जीवन अपनाने और शारीरिक रूप से चुस्त और मानसिक रूप से मजबूत रहने का आह्वान किया। डीई-104 कोर्स के कैप्टन निर्मल सिंह को कोर्स का सर्वश्रेष्ठ सर्वांगीण अधिकारी चुने जाने के लिए डीजीईएमई ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। उन्होंने योग्यता के समग्र क्रम में प्रथम स्थान पाने के लिए डीजीईएमई स्वर्ण पदक भी जीता। टीईएस-40 कोर्स के लिए, लेफ्टिनेंट सुधीर कुमार ने कोर्स के सर्वश्रेष्ठ ऑल राउंड अधिकारी चुने जाने पर जीओसी-इन-सी, एआरटीआरएसी ट्रॉफी हासिल की। समग्र योग्यता क्रम में प्रथम स्थान पाने के लिए उन्हें डीजीईएमई स्वर्ण पदक से भी सम्मानित किया गया।

ऑटों ड्राइवरों ने बस स्टेशन के सामने धरना दिया

आदिलाबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ऑटो-रिक्शा चालकों ने शनिवार को तत्कालीन आदिलाबाद जिले के कई हिस्सों में सरकार से सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने की मांग करते हुए धरना दिया। ड्राइवरों ने तलमदुगु के खोदादा गांव, आदिलाबाद के इकोडा मंडल केंद्रों और आदिलाबाद जिले के बोथ में बस स्टेशन के सामने सड़कों पर धरना दिया।

इस बीच, ड्राइवरों ने खानापुर मंडल मुख्यालय में एनटीआर चौक से तेलंगाना चौक तक रैलियां निकालीं। इसी तरह की रैलियां निर्मल जिले के पेम्बी और कद्दामपेदुर मंडलों में देखी गईं। एटक आदिलाबाद जिले के महासचिव देवेंद्र ने कहा कि हाल ही में शुरू की गई महा लक्ष्मी योजना ने उनकी आजीविका को प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि महिलाएं अब ऑटो-रिक्शा किराये पर नहीं ले रही हैं। उन्होंने सरकार से प्रत्येक ड्राइवर को 10,000 रुपये की पेंशन और 5 लाख रुपये का जीवन बीमा कवर देने की मांग की।

पूर्व डीएसपी नलिनी ने सीएम से धार्मिक गतिविधियों में सहयोग करने का आग्रह किया

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अलग तेलंगाना राज्य आंदोलन के दौरान अपने पद से इस्तीफा देने वाली पूर्व डीसीपी नलिनी ने उन्हें अपने पद पर बहाल करने के लिए डीजीपी को दिए गए निर्देश के जवाब में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को एक पत्र लिखा है। उन्होंने सीएम द्वारा उनके प्रति दिखाए गए स्नेह के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। हालाँकि, उसने यह कहते हुए नौकरी लेने से इनकार कर दिया कि वह पहले ही दुनिया छोड़ चुकी है और एक धार्मिक व्यवस्था में शामिल हो गई है। पत्र में भावुक होकर लिखा गया है कि सीएम की गर्मजोशी ने उनके दिल को बड़ी आजादी दी है और उनकी आंखें नम हो गईं। उन्होंने सीएम से आग्रह किया कि उन्हें नौकरी देने के बजाय उनके धार्मिक अभियान में सहयोग दिया जाए। उसे याद आया कि उसका अतीत उसकी आँखों के सामने रील की तरह घूम रहा था। ऐसे समय में जब तेलंगाना आंदोलन अपने चरम पर था, तब नलिनी ने यह कहकर डीएसपी पद से इस्तीफा दे दिया था कि वह अलग तेलंगाना आंदोलनकारियों पर लाठीचार्ज का सहारा नहीं ले सकतीं। राज्य गठन को लगभग साढ़े नौ साल हो गये हैं, लेकिन अभी तक किसी भी शासक ने उनका जिक्र नहीं किया है। पिछली सरकार ने उनके बलिदान को मान्यता नहीं दी। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने हाल ही में आदेश जारी किया था कि अगर नलिनी अपनी नौकरी वापस पाने की इच्छुक है तो उसे तुरंत बहाल किया जाना चाहिए। रेवंत रेड्डी ने हाल ही में पुलिस विभाग की समीक्षा के दौरान नलिनी का विशेष उल्लेख किया। गौरतलब है कि सीएम रेवंत ने मुख्य सचिव और डीजीपी को निर्देश दिया था कि अगर वह इच्छुक हैं तो उन्हें तुरंत काम पर वापस लिया जाए और यह भी कहा था कि अगर पुलिस विभाग के नियम उन्हें वही पद देने से रोकते हैं तो उन्हें वही पद दिया जाए।

राष्ट्रपति के दौरे के मद्देनजर आज यातायात प्रतिबंध

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की सोमवार को राष्ट्रपति निलयम यात्रा के मद्देनजर ट्रैफिक पुलिस ने एक एडवाइजरी जारी की। हकीमपेट वायु सेना स्टेशन वाई जंक्शन, बोलारम चेक पोस्ट, नेवी जंक्शन, यापराल रोड, हेलीपैड वाई जंक्शन, बाइसन गेट और लोथुकुंटा टी जंक्शन रोड खंड पर शाम 5.30 से 6.45 बजे के बीच यातायात परिवर्तन रहेगा। यातायात पुलिस ने नागरिकों से इस कार्यक्रम पर ध्यान देने और अपने आंदोलन की योजना बनाने का आग्रह किया।

खाने से भरे गर्म बर्तन में गिरने से कक्षा एक की छात्रा की मौत हादसे के बाद एचएम निलंबित

निर्मल, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक दुखद घटना में, रविवार को निज़ामाबाद में ममदा मंडल के एक प्राथमिक विद्यालय की कक्षा एक की छात्रा गर्म रागी (फिंगर बाजरा) से भरे बर्तन में गलती से गिर गई। इस घटना में झुलसी बालिका की मौत हो गई। यह माल्ट मुख्यमंत्री नाश्ता योजना के हिस्से के रूप में छात्रों को परोसने के लिए था। ममाडा के कोराटिकल गांव के एक प्राथमिक विद्यालय की छात्रा प्रगना (6) शनिवार को खुले बर्तन में फिसलने से 50 प्रतिशत से अधिक जल गई। कथित तौर पर कतार में खड़े होने के दौरान बच्चों के धक्का-मुक्की के दौरान वह बर्तन में गिर गई। उसकी हालत बिगड़ने पर उसे निर्मल के एक अस्पताल और फिर निज़ामाबाद के एक अस्पताल में ले जाया गया। इलाज के दौरान उन्होंने आखिरी सांस ली। वह उर्वरक व्यापारी अशोक और शिरीषा की इकलौती बेटी थी। संयोग से, घटना के समय शिरीषा शिक्षक-अभिभावक बैठक में भाग लेने के लिए स्कूल में थी। इस बीच, प्रभारी प्रधानाध्यापिका पी रामा को निलंबित कर दिया गया, जबकि जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. ए रविंदर रेड्डी द्वारा तीन शिक्षकों के खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। जिला कलेक्टर रविंदर रेड्डी के निर्देश के अनुसार स्कूल में मध्याह्न भोजन योजना लागू करने वाली एजेंसी का लाइसेंस रद्द कर दिया गया है।

ड्रोन, हाई वॉल्यूम साउंड सिस्टम के इस्तेमाल पर प्रतिबंध

निज़ामाबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आतंकवादियों या असामाजिक तत्वों द्वारा हमले की संभावना के बारे में खुफिया एजेंसियों द्वारा प्राप्त इनपुट के मद्देनजर, निज़ामाबाद के पुलिस आयुक्त ने रिमोट कंट्रोल ड्रोन, क्वाड कॉप्टर, संचालित विमान, माइक्रोलाइट विमान, हैंड ग्लाइडर के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है। पुलिस ने रविवार को अपनी अधिसूचना में कहा कि व्यक्तियों, संगठनों, फिल्म निर्माण घरों और सरकारी एजेंसियों को इन सुविधाओं का उपयोग करने के लिए पुलिस से पूर्व अनुमति लेनी होगी। अधिसूचना में कहा गया है, "किसी भी गैर-सरकारी एजेंसियों, संगठनों और व्यक्तियों को पूर्व लिखित अनुमति के बिना निज़ामाबाद पुलिस आयुक्तालय सीमा के नागरिक हवाई क्षेत्र में मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) लॉन्च करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।"

आदेश में कहा गया है कि सरकारी एजेंसियों और संगठनों को किसी भी उद्देश्य के लिए यूएवी का उपयोग करने से पहले स्थानीय पुलिस और विमानन अधिकारियों से उचित मंजूरी लेनी होगी। इस बीच, जिला पुलिस ने सार्वजनिक स्थानों और जुलूसों में अनुमेय सीमा से अधिक डीजे सहित उच्च ध्वनि ध्वनि प्रणालियों के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है।

निज़ामाबाद के पुलिस आयुक्त ने इस संबंध में एक परिपत्र जारी किया और सभी स्टेशन हाउस अधिकारियों (एसएचओ) को नए आदेश के बारे में लोगों के बीच जागरूकता फैलाने का निर्देश दिया। नए आदेश के अनुसार आवश्यक व्यवस्था करने के लिए एसएचओ को समारोह हॉल और होटलों के प्रबंधन को नोटिस देने के लिए कहा गया था।

मेडारम आने वाले भक्तों को सुविधाएं प्रदान की जाएंगी : सीतक्का

मुलुगु , 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पंचायत राज और महिला एवं बाल कल्याण विभाग मंत्री दंसारी अनसूया उर्फ सीताक्का ने रविवार को यहां घोषणा की कि सरकार परेशानी मुक्त दर्शन सुनिश्चित करने और सम्मक्का-सरक्का द्विवार्षिक 21 से 24 फरवरी तक होने वाली मेडरम जातरा में आने वाले भक्तों के लिए सुविधाएं प्रदान करने के लिए सभी कदम उठा रही है। उन्होंने मेडारम में जातरा के लिए की जा रही तैयारियों पर जिलाधिकारी इला त्रिपाठी, आईटीडीए, पीओ अंकित और एसपी गौश आलम के साथ समीक्षा बैठक की है। बैठक में महबूबाबाद के सांसद मलोत कविता भी शामिल रही। बैठक के बाद मीडियाकर्मियों से बात करते हुए सीताक्का ने कहा कि चुनाव आचार संहिता के कारण फंड मंजूर करने में देरी हुई। हालांकि, मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने कलेक्टर द्वारा भेजे गए अनुमान के बाद जतारा के लिए तुरत 75 करोड़ रुपये मंजूर किए। हालाँकि चुनाव और सरकार बदलने के कारण देरी हो रही है, मैं भक्तों को आश्वासन देती हूँ कि हम बड़ी संख्या में भक्तों की सुविधा के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ करेंगे। जिला कलेक्टर के नेतृत्व में सभी अधिकारी एक बड़ी सफलता हासिल करने के लिए तैयार हैं, उसने कहा। मुलुगु विधायक ने यह भी कहा कि वे कार्यों में तेजी लाएंगे और गुणवत्ता से समझौता किए बिना उन्हें जल्द से जल्द पूरा करेंगे। कुछ कार्य नामांकन के आधार पर किए जाएंगे। लेकिन इन कार्यों का आवंटन पूरी तरह से सरकारी मानदंडों का पालन करते हुए किया जाएगा। मेडारम द्विवार्षिक जतारा को राष्ट्रीय त्योहार का दर्जा देने की आवश्यकता पर जोर देते हुए, कांग्रेस मंत्री ने केंद्र से इसे राष्ट्रीय त्योहार घोषित करने के लिए कदम उठाने और धन भी उपलब्ध कराने का आग्रह किया क्योंकि प्रस्ताव भी केंद्र को सौंपे गए हैं। इससे पहले, मुलुगु शहर के पास गट्टम्मा मंदिर में उनके अनुयायियों और कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया क्योंकि वह मंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के बाद जिले में आई थीं।

विकासशील भारत संकल्प यात्रा पहुंची निज़ामाबाद

निज़ामाबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्र की प्रमुख योजनाओं के बारे में नागरिकों को सूचित करने और उन्हें सशक्त बनाने के उद्देश्य से एक राष्ट्रव्यापी आउटरीच पहल, विकासशील भारत संकल्प यात्रा रविवार को जिले के मुगपाल मंडल के कंजारा गांव और डिचपल्ली मंडल के मेंतराजपल्ली गांव पहुंची। जिले में संकल्प यात्रा का नेतृत्व कर रहे संयुक्त सचिव अश्विन श्रीवास्तव ने कहा कि पहल का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि केंद्र द्वारा शुरू की गई योजनाएं लाभार्थियों तक पहुंच रही हैं। अपर कलेक्टर चित्रा मिश्रा ने बताया कि विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम जिले में सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया जा रहा है और जिले की 530 ग्राम पंचायतों में कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। उन्होंने कहा कि संकल्प यात्रा के तहत कार्यक्रम आयोजित करने के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारियों, पंचायत सचिवों, सचिवालय कर्मचारियों, आंगनवाड़ी कर्मचारियों, स्कूल के प्रधानाध्यापकों और आशा कार्यकर्ताओं की जिला स्तरीय समितियां बनाई गई हैं।

रिम्स के जूनियर डॉक्टरों ने विरोध प्रदर्शन खत्म किया

आदिलाबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंदोलनकारी जूनियर डॉक्टरों और राजीव गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स)-आदिलाबाद के प्रबंधन के बीच बातचीत सार्थक रही, जिससे शनिवार को यहां तीन दिवसीय विरोध समाप्त हो गया।

छह डॉक्टरों के साथ हुई मारपीट के विरोध में और प्रबंधन से कुछ समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर गुरुवार से कक्षाओं का बहिष्कार कर धरना दे रहे डॉक्टर संस्थान के निदेशक डॉ. जयसिंह राठौड़, अधीक्षक डॉ. अशोक के नेतृत्व में अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श के लिए आगे आए। डॉक्टरों ने हॉस्टल में सुधार समेत 15 समस्याएं रखीं, जिन पर निदेशक ने सहमति जताई। उन्होंने कहा कि चुनौतियों का समाधान तय समय में किया जाए। मंत्रणा दो घंटे तक चली। जूनियर डॉक्टरों के अध्यक्ष डॉ अरुण ने पत्रकारों को बताया कि परामर्श सफल रहा और उन्होंने विरोध बंद कर दिया। उन्होंने मेडिकल कॉलेज के संचालन में प्रबंधन को पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया। बाद में उन्होंने निदेशक के साथ कलेक्टर राहुल राज को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें उनसे भविष्य में डॉक्टरों के खिलाफ हमलों को रोकने के लिए कदम उठाने का आग्रह किया गया। राहुल राज ने डॉक्टरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया। बुधवार की रात, छह जूनियर डॉक्टरों पर एक सहायक प्रोफेसर और चार अन्य लोगों ने हमला किया। रिम्स निदेशक समेत छह लोगों पर मामला दर्ज किया गया है। अभियुक्तगणों को गिरफ्तार कर लिया गया। असिस्टेंट प्रोफेसर क्रांति कुमार को बर्खास्त कर दिया गया। जूनियर डॉक्टरों ने गुरुवार को विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। घटना से परिसर में हड़कंप मच गया। छात्रों ने अपनी सुरक्षा को लेकर नाराजगी जताई

कई आईपीएस अधिकारियों के तबादले

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने रविवार को डीसीपी (पश्चिम) जोएल डेविस और सिद्दीपेट एसपी, एन श्वेता सहित आईपीएस अधिकारियों का तबादला कर दिया और उन्हें नई पोस्टिंग दी। अपनी नई पोस्टिंग वाले अधिकारियों में पी विश्व प्रसाद-अतिरिक्त सीपी (यातायात), एवी रंगनाथ-संयुक्त पुलिस आयुक्त, जासूसी विभाग हैदराबाद, एसएम विजय कुमार-डीसीपी पश्चिम क्षेत्र हैदराबाद, जोएल डेविस-डीसीपी विशेष शाखा हैदराबाद, रोहिणी प्रियदर्शनी-डीसीपी उत्तर जोन हैदराबाद शामिल है। एन श्वेता-डीसीपी डिटेक्टिव डिपार्टमेंट हैदराबाद, एल सुब्बारायडू-डीसीपी ट्रैफिक 1 हैदराबाद, जबकि नितिका पंत, गजाराव भूपाल और चंदना दीप्ति को डीजीपी कार्यालय में रिपोर्ट करने के लिए कहा गया है।

राम मंदिर के उद्घाटन में शामिल होंगे

अखिलेश यादव, राहुल गांधी, केजरीवाल? अब ये पता चला

अयोध्या, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। 22 जनवरी साल 2024 का दिन खास होने वाला है। इस दिन अयोध्या में बन रहे राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम होने जा रहा है। इस कार्यक्रम की भव्यता का अंदाजा आप इसी से लगा सकते हैं कि खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत देश-विदेश के कई गणमान्य व्यक्ति इस ऐतिहासिक मौके पर अयोध्या में मौजूद रहेंगे। मगर ऐसे में लोगों के मन में ये भी सवाल है कि क्या इस कार्यक्रम में कांग्रेस, बसपा, समाजवदी पार्टी, आम आदमी पार्टी, सीपीआई-एम जैसे विपक्षी दलों के राष्ट्रीय अध्यक्षों को भी आमंत्रित किया जाएगा? क्या अखिलेश यादव, राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, अरविंद केजरीवाल, जैसे नेता इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अयोध्या आएंगे? बता दें कि 22 जनवरी के दिन होने जा रहे इस कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी समेत हिंदूवादी संगठनों के कई बड़े नेता मौजूद रहेंगे। माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ-साथ भाजपा सरकारों के मुख्यमंत्री भी इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अयोध्या आएंगे। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस कार्यक्रम में मौजूद होंगे। मगर विपक्षी दलों को लेकर अभी भी असमंजस की स्थिती बनी हुई है।

इन पार्टियों के अध्यक्षों को दिया गया निमंत्रण

मिली जानकारी के मुताबिक, राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में कई विपक्षी दलों के नेताओं और राष्ट्रीय अध्यक्षों को निमंत्रण दिया गया है। कांग्रेस, बहुजन समाज पार्टी, आम आदमी पार्टी, सीपीआई-एम और एनसीपी के राष्ट्रीय अध्यक्षों को इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। मगर ये नेता इस कार्यक्रम में शामिल होंगे या नहीं, इस बात का अभी तक कुछ पता नहीं चला है।

इन लोगों को भी किया गया आमंत्रित

बता दें कि अयोध्या में होने जा रहे इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में करीब 4 हजार साधु-संतों और धर्माचार्यों को आमंत्रित किया गया है। इसी के साथ करीब 2 हजार 500 विशिष्ट लोगों को भी मंदिर ट्रस्ट की तरफ से निमंत्रण भेजा गया है। इसी के साथ मंदिर आंदोलन में शहीद होने वाले कारसेवकों के परिजनों को, मंदिर के लिए 1 करोड़ से अधिक का दान देने वाले दानदाताओं और देश के विभिन्न-विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े कई विशिष्ट लोगों को इस कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया गया है। इनमें फिल्म, खेल से लेकर कारोबारी जगत के लोग तक शामिल है।

आठ साल के बच्चे पर हमउम्र बच्ची से दुष्कर्म का आरोप, मेडिकल जांच में पुष्टि लेकिन मनोचिकित्सक हैरान

आजमगढ़, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। बलरामपुर (आजमगढ़) के जिला अस्पताल में शनिवार को पुलिस एक आठ वर्ष के बच्चे को मेडिकल मुआयना कराने के लिए लेकर आई। जब वहां मौजूद लोगों ने मेडिकल कराये जाने का कारण जाना तो कोई भी पुलिस की बात पर विश्वास नहीं कर सका। दीदारगंज थाना पुलिस के अनुसार उक्त आठ वर्षीय बालक पर एक आठ साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म का आरोप है। लड़की के परिजनों ने पुलिस को तहरीर दी है। शिकायत पर पुलिस आरोपी मासूम को लेकर मेडिकल कराने के लिए पहुंची थी। लोगों के पूछने पर बच्चे ने कहा कि उसने कुछ नहीं किया है। इससे पहले पुलिस पीड़ित बच्ची का मेडिकल करा चुकी है।

मोदी ने इंदिरा गांधी की नकल की

रात के अंधेरे में नकल की, कांग्रेस नेता का पीएम पर बड़ा हमला

पटना, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डॉ। अखिलेश सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोला है। उन्होंने एक बार फिर से सर्जिकल स्ट्राइक को लेकर पीएम मोदी को घेरा है। उन्होंने पीएम मोदी पर इंदिरा गांधी की नकल करने की कोशिश का आरोप लगाया है।

पीएम मोदी ने इंदिरा गांधी की घटिया नकल की कोशिश की

अखिलेश सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी छद्म योद्धा हैं। लंबी-लंबी डींगे हांकना और फिर उसका प्रचार करना उनकी आदत में शुमार है। पीएम मोदी ने रात के अंधेरे में पाकिस्तान के बालाकोट में किए गए तथाकथित सर्जिकल स्ट्राइक के द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की वीरता की घटिया नकल करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि इंदिरा असल योद्धा थीं, जिन्होंने 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम में ऐतिहासिक युद्ध के द्वारा पाकिस्तान को बांट कर भारत के बंटवारे का बदला लिया। बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष डा। अखिलेश प्रसाद सिंह ने बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के 52वें वर्षगांठ पर सदाकत आश्रम में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। इस अवसर पर 1971 के युद्ध में इंदिरा गांधी के ऐतिहासिक योगदान पर आधारित डाक्यूमेंट्री का प्रसारण किया गया। डाक्यूमेंट्री में बंग्लादेश मुक्ति संग्राम एवं इंदिरा गांधी के युद्ध कौशल के विभिन्न आयामों को रेखांकित किया गया है।

इंदिरा गांधी ने पाकिस्तान के इतिहास के साथ-साथ भूगोल भी बदल दिया

इंदिरा गांधी के योगदान को याद करते हुए डा। सिंह ने कहा कि यह ऐसी लड़ाई थी, जिसमें इंदिरा ने इतिहास के साथ-साथ पाकिस्तान का भूगोल भी बदल कर रख दिया। इस अवसर पर कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव एवं बिहार प्रभारी अजय कपूर, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डा। मदन मोहन झा, पूर्व मंत्री कृपानाथ पाठक के अलावा ब्रजेश प्रसाद मुनन एवं ब्रजेश पांडेय आदिक कई वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बैंक से गलती से ट्रांसफर हो गया 26 लाख शख्स ने तुरंत आई रकम को कर दिया गोल

नोएडा, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के नोएडा से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां के एक प्राइवेट बैंक ने एक शख्स पर 26,15,905 रुपये हड़पने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया है। तकनीकी खामी की वजह से बैंक ने गलती से आरोपी व्यक्ति के खाते में यह रकम ट्रांसफर कर कर दी थी। आरोप है कि व्यक्ति ने अपने खाते में आई इस रकम को तत्काल चेक और ऑनलाइन जरिए निकाल कर हड़प लिया। पुलिस को दी गई शिकायत में प्राइवेट बैंक के अधिकारी पंकज बांगर ने बताया कि साइबर क्राइम थाने में दर्ज एक मामले में नीरज कुमार नाम के एक शख्स से 58 हजार रुपये साइबर ठगी हुई थी, जिसमें तत्काल शिकायत हो जाने के कारण बैंक की ओर से ठगी के 58 हजार रुपये को 'फ्रीज' कर दिया गया था। स्थानीय अदालत के आदेश के बाद कुमार के ठगी में गए रुपये को बैंक की ओर से अकाउंट में वापस किया गया। अधिकारी ने बताया कि इस दौरान टेक्निकल फॉल्ट की वजह से बैंक से 58 हजार रुपये की जगह नीरज कुमार के अकाउंट में कुल 26,15,905 रुपये ट्रांसफर हो गए, जिसे कुमार ने तत्काल 13,50,000 रुपये चेक के जरिए और बाकी धनराशि ऑनलाइन के जरिए दूसरे बैंक अकाउंट में ट्रांसफर कर लिए। उन्होंने बताया कि बैंक की सतर्कता टीम ने जांच की तो पूरी घटना की जानकारी हुई।

साध्वी प्राची ने मुस्लिम महिलाओं को दी हिंदू धर्म में शादी करने की सलाह

बोली- इस्लाम में रहता है तीन तलाक और हलाला का डर

पीलीभीत, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। बीजेपी नेता साध्वी प्राची हमेशा अपने विवादित बयानों से सुर्खियों में रहती है। वह अपने एक दिवसीय दौरे पर पीलीभीत पहुंची। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बात करते हुए मथुरा प्रकरण समेत कई मसलों पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि राम मंदिर के बाद अब मथुरा की बारी है। एएसआई सर्वे होने से वहां पर मंदिर के कई प्रमाण मिलेंगे और जल्द ही श्री कृष्णा विराजेंगे। साध्वी ने मुस्लिम लड़कियों के हिंदू लड़कों से शादी करने के अपने बयान पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि मैंने मुस्लिम लड़कियों को सलाह दी थी, क्योंकि हिंदू धर्म में न तो हलाला है और न ही तलाक। साध्वी प्राची ने कहा कि यहां सात फेरों के बंधन में सात जन्मों का बंधन है। उन्होंने कहा कि जिन लड़कियों को हलाला और तलाक से डर लगता है, वह हिंदू लड़कों से शादी करें। उन्होंने आगे कहा कि मैं बहुत सी लड़कियों के संपर्क में हूं, जो हिंदुओं से शादी करके बहुत खुश हैं। इसके साथ ही मुस्लिम लड़कों से शादी करने वाली हिंदू लड़कियों को भी चेताया।

मोहन यादव के सीएम बनने पर साध्वी प्राची ने दी प्रतिक्रिया

संघ से जुड़े लोगों को मुख्यमंत्री बनाने पर साध्वी प्राची ने कहा कि कुछ लोग भ्रांतियां फैलाते हैं कि भाजपा और संघ के बीच सब ठीक नहीं चल रहा है। साध्वी प्राची ने कहा कि संघ से जुड़े लोग त्यागी और तपस्वी होते हैं। उन्होंने कहा कि मोहन यादव को मुख्यमंत्री बनाने का असर देखने को मिलेगा और भाजपा आगामी लोकसभा चुनाव में 400 से अधिक सीटें जीतेगी। इसके अलावा संसद की सुरक्षा में हुई चूक पर साध्वी प्राची ने कहा कि यह बेहद निंदनीय घटना है। इस घटनाक्रम को लेकर साफ तौर पर सुरक्षा में लगे लोग जिम्मेदार हैं।

बेटी पैदा होने पर सऊदी अरब से पत्नी को दिया तीन तलाक

मेरठ, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। जिले के लोहिया नगर थाना क्षेत्र की रहने वाली विवाहिता ने सऊदी अरब में नौकरी करने वाले अपने पति पर बेटी पैदा होने पर तीन तलाक देने का आरोप लगाया है। महिला ने ससुराल वालों पर भी कई तरह के आरोप लगाते हुए शनिवार को एसएसपी से शिकायत की है। लोहिया नगर निवासी महिला अलीशा ने बताया कि उनकी शादी 2020 में श्याम नगर के रहने वाले आदिल के साथ हुई थी। महिला का आरोप है कि शादी के बाद से ही आदिल और उनका परिवार दहेज में बुलेट और एक लाख की मांग को लेकर पीड़िता के साथ मारपीट करते थे। बताया गया कि एक बार विवाद बढ़ने पर रिश्तेदारों की पंचायत में पति और उनके परिवार वालों ने फिर से परेशान न करने का वादा करके महिला से माफी मांग ली थी। बाद में पति नौकरी के लिए सऊदी अरब चले गए। इसके बाद महिला ने एक बेटी को जन्म दिया। आरोप है कि इसी के चलते दो दिन पहले उनके पति आदिल ने सऊदी अरब से फोन करके तीन तलाक का फरमान सुना दिया। एसएसपी से शिकायत में महिला ने कहा है कि पुलिस इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। महिला ने यह भी आरोप लगाया कि पतिर के सऊदी अरब जाते ही ससुराल वालों ने महिला के साथ मारपीट करके उसे घर से निकाल दिया। पीड़िता ने एसएसपी से शिकायत करते हुए कार्रवाई की मांग की है।

यूपी में चार साल की बच्ची को लालच देकर नाबालिग लड़के ने किया रेप

एटा, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। यूपी के एटा में चार साल की बच्ची से रेप का शर्मनाक मामला सामने आया है. पुलिस ने बताया कि एटा के एक गांव में एक नाबालिग ने चार साल की बच्ची के साथ कथित तौर पर बलात्कार किया. सर्कल ऑफिसर (सीओ) कृष्ण मुरारी ने कहा कि घटना तब हुई जब बच्ची अपने बड़े भाई के साथ बकरियां चराने के लिए खेतों में गई थी और बड़े भाई ने उसे कुछ समय के लिए अकेला छोड़ दिया था. सीओ ने कहा कि इस बीच, एक नाबालिग लड़के ने बच्ची को अकेला देखा और कथित तौर पर उसे फुसलाकर एक सुनसान जगह पर ले गया, जहां उसने उसके साथ बलात्कार किया. उन्होंने बताया कि लड़की के रोने की आवाज सुनकर जब ग्रामीण वहां पहुंचे तो आरोपी मौके से भाग गया. सीओ ने बताया कि पुलिस शिकायत के आधार पर आरोपी नाबालिग को हिरासत में ले लिया गया है

समझदार नाबालिग को पसंद के व्यक्ति संग रहने का अधिकार

मां के इनकार करने पर हाईकोर्ट ने पति को सौंपी किशोरी

प्रयागराज, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। यह फैसला न्यायमूर्ति बीके बिरला और न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर की खंडपीठ ने अलीगढ़ के नारी निकेतन की नाबालिग सनिवासिनी और उसके पति की ओर से संयुक्त रूप से दाखिल याचिका को स्वीकार करने हुए सुनाया। कोर्ट ने कहा कि ऐसी नाबालिग लड़की जो अपने हित और जीवन के लिए समझदारी भरा निर्णय लेने में सक्षम है, उसे अपने पसंद के व्यक्ति के साथ रहने का अधिकार है। अपने भविष्य के लिए बुद्धिमत्तापूर्ण निर्णय लेने की क्षमता रखने वाली नाबालिग की अभिरक्षा का निर्णय लेते समय उसके हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। मामला अलीगढ़ का है। नाबालिग लड़की की मां ने उसके पति मनीष प्रताप के खिलाफ अलीगढ़ के गांधी पार्क थाने में नाबालिग के अपहरण का मामला दर्ज कराया था। विवेचना के दौरान पुलिस ने पुलिस ने लड़की को बरामद कर नारी निकेतन भेज दिया था, जबकि पति को जेल भेज दिया गया। जमानत पर बाहर आने के बाद पति-पत्नी ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की। उन्होंने दलील दी कि उन्होंने अपनी इच्छा से शादी की है और पति-पत्नी की तरह रह रहे हैं। लड़की के शैक्षिक रिकॉर्ड से पता चला कि शादी के समय उसकी आयु 16 वर्ष चार माह थी। वे दोनों अपने भविष्य के बारे में समझदारी पूर्ण निर्णय लेने में सक्षम हैं।

कोर्ट ने याचिका स्वीकार करते हुए कहा कि इस अदालत की अन्य पीठों ने लगातार यह दृष्टिकोण अपनाया है कि जो नाबालिग अपने भविष्य के जीवन के लिए निर्णय लेने की क्षमता रखती है और स्वेच्छा से वैवाहिक रिश्ते में बंधी है, उस पर विचार करना चाहिए। वो भी तब जब नाबालिग की मां ने उसकी अभिरक्षा लेने से इन्कार कर दिया हो। ऐसे हालात में वह अपने पति के साथ जाने के लिए स्वतंत्र है।

सिक्योरिटी गार्ड की पीट-पीटकर हत्या करने वाला आरोपी गिरफ्तार, पुलिस के साथ हुई थी मुठभेड़

नोएडा, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के नोएडा में सिक्योरिटी गार्ड की हत्या मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस ने बताया कि मुठभेड़ के दौरान गोली लगने से घायल एक बदमाश को गिरफ्तार कर लिया गया है. जबकि उसका दूसरा साथी भागने में सफल रहा. घायल बदमाश को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है. सुरक्षा गार्ड की पहचान मूल रूप से हरदोई जिले के निवासी धीरज (28) के रूप में हुई है. पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) जोन द्वितीय सुनीति ने बताया कि धीरज यहां रोजा याकूबपुर में रहता था और ग्रेटर नोएडा वेस्ट में एक ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी में काम करता था. 14 दिसंबर को उसकी पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी.

ईडी एक्शन के बाद पहली बार सामने आया शिक्षा माफिया बच्चा यादव

बोला- 'जो पैसा मिला वो स्टूडेंट से ली गई फीस'

वैशाली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार के वैशाली जिले में ईडी की छापेमारी के बाद पहली बार टॉपर घोटाले के मास्टरमाइंड बच्चा राय कैमरे के सामने आया। बच्चा राय को तबीयत खराब होने के चलते व्हील चेयर पर लाया गया था। अमित कुमार उर्फ बच्चा राय ने ईडी की कार्रवाई को गलत करार दिया। उन्होंने बताया कि ईडी की छापेमारी में बरामद तीन करोड़ कैश बीएड कॉलेज में नामांकन कराने वाले स्टूडेंट से ली गई फीस थी। जिसे बैंक में टेक्निकल समस्या की वजह से जमा नहीं करवा पाए थे। जिसे कॉलेज के सचिव के कमरे में सुरक्षित रखा गया था, बच्चा राय ने कहा कि मैंने ईडी की जप्त जमीन पर कब्जा नहीं किया है, जो पैसा बरामद हुआ है वो पैसा छात्रों से लिया गया था। बच्चा राय ने ईडी की कार्रवाई को गलत ठहराते हुए कुछ दस्तावेज सामने रखे और कोर्ट जाने की बात कही। आपको बता दें कि 2016 में टॉपर घोटाला का मामला सामने आने के बाद ईडी ने अवैध धन अर्जित करने के आरोप में बच्चा राय की जमीन को जब्त कर लिया था। ईडी द्वारा जब्त जमीन पर फिर से बच्चा राय द्वारा कब्जा कर उसपर कॉलेज भवन के निर्माण कराने का आरोप लगाते हुए भगवानपुर थाने में मामला दर्ज कराया गया था। इसके बाद ईडी के अधिकारियों ने जब बच्चा राय के कॉलेज और आवास पर छापेमारी की तो वहां से 3 करोड़ रुपए कैश बरामद हुआ। 2016 के बिहार के चर्चित टॉपर घोटाले में विशुन राय कॉलेज के प्राचार्य अमित कुमार उर्फ बच्चा राय को मास्टरमांइड मानकर जेल भेज दिया गया था। ईडी ने उसकी संपत्ति को भी जब्त कर लिया था। बच्चा राय का कहना है कि जिस 42 डिसमिल जमीन पर कब्जा करने का आरोप उनपर लगाया गया है वो सरासर गलत है। मामले में भगवानपुर के सीओ ने जमीन मापी करवाकर रिपोर्ट भी दी है। जहां पर ना तो कोई कब्जा किया गया, ना ही उस जमीन पर कोई निर्माण करवाया गया है। इसके साथ ही बच्चा राय ने ईडी द्वारा जब्त किए गए 3 करोड़ कैश को लेकर कहा कि वो छात्रों से बीएड कॉलेज में नामांकन की फीस के तौर पर लिए गए थे। बच्चा राय ने ईडी को वो रुपए वापस लौटाने के लिए आवेदन किया गया है।

प्रयागराज में यूपी एटीएस ने मारा छापा

आईएसआईएस समर्थक फैजान की तलाश जारी, पिता ने पूछताछ में किया बड़ा दावा

प्रयागराज, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। यूपी एटीएस ने देर रात शहर के करेली इलाके में छापेमारी की। देश विरोधी गतिविधियों में लिप्त व आतंकी संगठन आईएसआईएस के समर्थक फैजान की तलाश में छापेमारी की। एटीएस ने फैजान पर 25 हजार का ईनाम घोषित कर रखा है। हालांकि यूपी एटीएस को घर पर फैजान बख्तियार नहीं मिला। यूपी एटीएस को करेली स्थित घर पर उसके पिता एडवोकेट युसूफ मिले। उन्होंने एटीएस को बताया कि फैजान से डेढ़ महीने से उनका कोई संपर्क नहीं है। फैजान बख्तियार अलीगढ़ यूनिवर्सिटी में पढ़ता है और वहीं पर रहता है। तीन बेटों में सबसे बड़ा फैजान ही है। एएमयू में पढ़ाई के दौरान फैजान और उसका साथी अब्दुल समद आईएसआईएस के संपर्क में आए। इसके बाद दोनों देश विरोधी गतिविधियों में शामिल हो गए। आतंकी अबू बकर अल बगदादी का वीडियो देखकर मुजाहिद बनने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया। छात्रों को सोशल मीडिया पर ग्रुप में जोड़कर उन्हें बरगलाने लगे। उनके साथी पहले पकड़े जा चुके हैं। इसके बाद एटीएस फैजान और उसके साथी अब्दुल समद की तलाश में जुटी है। दोनों पर एटीएस ने शुक्रवार को ही 25-25 हजार रूपए का ईनाम भी घोषित किया है। देश विरोधी गतिविधियों में लिप्त होने के आरोप में एक आरोपी को पुणे से गिरफ्तार किया गया था।

उससे पूछताछ के बाद दिल्ली की स्पेशल सेल ने नैनी के रहने वाले इंजीनियर रिजवान समेत तीन अन्य युवकों को गिरफ्तार किया था। इन्हीं से यूपी में इनके रैकेट का खुलासा हुआ था। जिसके बाद यूपी एटीएस ने लखनऊ में इनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। यूपी एसटीएफ और दिल्ली स्पेशल सेल ने रिजवान को लेकर सितंबर 2023 में नैनी में छापेमारी की थी। रिजवान के दोस्त और उसके परिजनों से कई घंटे पूछताछ हुई थी।

लोकसभा चुनाव: सपा के निशाने पर अब कुर्मी वोट बैंक

इन दो सीटों के जरिए पूरे राज्य को साधने की होगी कोशिश

लखनऊ, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। पिछली बार की तुलना में 2024 के लोकसभा चुनाव में अपना दल (एस) अधिक सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहा है। पार्टी की कुर्मी बहुल जिन सीटों पर नजर है, उन पर सपा भी कुर्मी समाज के प्रभावशाली नेताओं को उतारकर अपना दल के लिए चुनौती खड़ी करने की रणनीति पर काम कर रही है। हालांकि सपा के सियासी दांव की काट के लिए अपना दल ने भी उन सीटों के लिए खास रणनीति तैयार की है। प्रदेश में यादव के बाद दूसरी बड़ी ओबीसी आबादी कुर्मी समाज की है। इसलिए कुर्मी बहुल कुछ सीटों पर इस समाज को साधने के लिए सपा और अपना दल (एस) तैयारी कर रहे हैं। अपना दल की अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल जहां खुद इस समाज का बड़ा चेहरा हैं। वे खुद अपनी बिरादरी को सहेजने में जुटी हैं। वहीं, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव, अपना दल (कमेरावादी) की अध्यक्ष कृष्णा पटेल और पल्लवी पटेल को आगे कर कुर्मी वोट बैंक साधने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक एनडीए में शामिल अपना दल (एस) इस बार सीट बढ़ाने को लेकर दबाव बनाए है। खास तौर से प्रतापगढ़ और अंबेडकर नगर पर। पिछले दिन अनुप्रिया ने इन दोनों जिलों में दो बड़े कार्यक्रम कर संकेत भी दिए थे। इसके बाद से ही सपा ने इन दोनों सीटों के अलावा कुर्मी बहुल सीटों पर फोकस कर दिया है। कहा जा रहा है कि सपा भी प्रतापगढ़ और अंबेडकर नगर सीट पर प्रभावशाली कुर्मी नेता को लोस चुनाव में उतार सकती है। ऐसे में अगर ये दोनों सीटें अनुप्रिया के खाते में जाती हैं तो उन्हें यहां सपा से कड़ी टक्कर मिल सकती है।

कुर्मी वोट बैंक पर इसलिए सपा की नजर

सपा सबसे मजबूत मुस्लिम वोट बैंक के खिसकने के अंदेशे को देखते हुए अब पिछड़ी जाति को अपने पाले में लाने को बेताब है। इसलिए पार्टी यादव समाज के बाद दूसरी सबसे बड़ी पिछड़ी आबादी के तौर पर कुर्मी वोट बैंक में सेंधमारी की रणनीति पर काम शुरू किया है। प्रदेश में कुर्मी मतदाताओं की संख्या करीब 6% है, जो कुल ओबीसी आबादी का 35% है। प्रदेश में लोकसभा की 14 सीटें ऐसी हैं, जहां कुर्मी वोटर निर्णायक भूमिका में हैं। इनमें मिर्जापुर, प्रतापगढ़, अंबेडकरनगर, जालौन, सोनभद्र, फतेहपुर, कौशांबी, बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, बाराबंकी, एटा, बरेली, लखीमपुर शामिल हैं।

सर्राफा कारोबारियों में हड़कंप, अब तक 12 करोड़ से अधिक का सोना हो चुका गायब

कानपुर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। कानपुर के सर्राफा कारोबारियों में इस समय हड़कंप मचा हुआ है। दरअसल इन कारोबारियों का अभी तक करीब 12 करोड़ 25 लाख का सोना गायब हो चुका है। अब आप भी सोच रहे होंगे कि आखिर इतने करोड़ रुपये का सोना गया कहां? सोना कहां गायब हो गया? बता दें कि 12 करोड़ से अधिक का सोना इन सर्राफा कारोबारियों के कारीगर ही लेकर भाग गए हैं। इन सर्राफा कारोबारियों के सोना कारीगरों ने ही करोड़ों रुपये के सोने की चोरी कर ली है, जिससे सर्राफा व्यापारियों में हड़कंप की स्थिती है। पिछले कुछ दिनों में ही 2 कारीगर कानपुर के सर्राफा कारोबारियों का करोड़ों रुपये का सोना लेकर फरार हो चुके हैं। कानपुर में उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी सर्राफा मंडी है। यहां हर दिन करोड़ों के सोने का कारोबार होता है, लेकिन आजकल यहां के सर्राफा दुकानदार अपने कारीगरों के सोना लेकर भागने से परेशान हैं। कारीगर ही सोना कारोबारियों को लाखों-करोड़ों की चपत लगा रहे हैं। ताजा मामला कानपुर के कोतवाली इलाके से सामने आया है, जहां पर एक कारीगर, दुकानदार का 25 लाख का सोना लेकर भाग गया। इसके एक हफ्ते पहले ही एक महाराष्ट्र का कारीगर एक दर्जन सोना कारोबारियों का 12 करोड़ का सोना लेकर फरार हो चुका है। इसे भी अभी तक पकड़ा नहीं गया है। अब इस नए कारीगर के भागने से कानपुर के सर्राफा कारोबार में हड़कंप मच गया है। सर्राफा कारोबारी ने कानपुर कोतवाली में पहुंचकर आरोपी कारीगर के खिलाफ केस दर्ज करवाया है। दरअसल कोतवाली इलाके के रहने वाले तापस धन का सोने का कारखाना है। उनके यहां कई कारीगर काम करते हैं। तापस के मुताबिक, प्रदीप मंडल नाम का कारीगर भी उनके यहां काम करता था। वह बंगाल का रहने वाला था। आरोप है कि उसने कारखाने में रखा 400 ग्राम से अधिक का सोना लेकर भाग गया।

दिल्ली का न्यूनतम तापमान 7 डिग्री, वायु गुणवत्ता 'बहुत खराब' कैटेगरी में

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में न्यूनतम तापमान में मामूली गिरावट के बाद आज सुबह कोहरा छाया रहा। राष्ट्रीय राजधानी में सुबह 5:30 बजे तापमान 7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। लोगों को कश्मीरी गेट क्षेत्र के एक पार्क में जॉगिंग और वर्कआउट करते देखा जा गया, जहां आसमान धुंध की एक पतली परत से ढका हुआ था। इससे पहले शनिवार सुबह 5:30 बजे दिल्ली का तापमान 7.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इस बीच, सिस्टम ऑफ एयर क्वालिटी एंड वेदर फोरकास्टिंग एंड रिसर्च (एसएफएआर) के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में हवा की गुणवत्ता रविवार सुबह भी 'बहुत खराब' श्रेणी में बनी रही।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, सुबह आठ बजे आईजीआई एयरपोर्ट (टी3) पर वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 311 दर्ज किया गया। न्यू मोती बाग इलाके में एक्यूआई 331 पर 'बहुत खराब' श्रेणी में दर्ज किया गया। पंजाबी बाग में हवा की गुणवत्ता 382 पर 'बहुत खराब' श्रेणी में दर्ज की गई। आनंद विहार में एक्यूआई 385 के साथ 'बहुत खराब' श्रेणी में दर्ज किया गया। जैसे ही नई दिल्ली में तापमान गिरा, शहर के बेघरों ने रैन बसेरों में शरण ली। ऐसा ही एक आश्रय स्थल सराय काले खां में है, जो 24 घंटे खुला रहता है और स्नान सुविधाएं, दिन में तीन बार भोजन और एक क्लिनिक और दवा सहित चिकित्सा देखभाल प्रदान करता है। सराय काले खां के रैन बसेरे में रह रहे बेघर सूरज ने सुविधाओं और स्टाफ की तारीफ की। सूरज ने एएनआई को बताया, आश्रय स्थल 24 घंटे खुला रहता है और यहां स्नान की भी व्यवस्था है। मैं पहले बाहर रहता था, लेकिन जब मुझे सराय काले खां में इस रात्रि आश्रय के बारे में पता चला तो मैं यहां रहने के लिए आ गया।

यहां सोने की व्यवस्था है। सब ठीक है, यहां एक वॉशरूम भी है और हर चीज की सुविधा है और यहां का स्टाफ 24 घंटे अपनी ड्यूटी अच्छे से करता है। यहां हमें तीन टाइम खाना मिलता है। यहां मेडिकल केयर के लिए क्लिनिक भी है और हमें खाना भी मिलता है और दवाई भी, "आश्रय स्थल की देखभाल करने वाले अक्षय और मोहम्मद नौसाद ने 20 बिस्तरों, सभी के लिए अलग-अलग कंबल, एक 'मोहल्ला क्लिनिक' और एक मेडिकल टीम की उपलब्धता पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आश्रय किसी भी समय किसी के लिए भी खुला है। रैन बसेरे की देखभाल करने वालों में से एक अक्षय ने कहा, यहां 20 बिस्तर हैं और सभी के लिए अलग-अलग कंबल हैं। मेडिकल के लिए यहां एक 'मोहल्ला क्लिनिक' है और हमारी एक मेडिकल टीम भी है। यहां दिन में तीन बार खाना आता है। सराय काले खां में रैन बसेरे के एक अन्य देखभालकर्ता मोहम्मद नौसाद ने कहा, कोई भी किसी भी समय इस आश्रय स्थल में आ सकता है और रह सकता है, यह आश्रय स्थल 24 घंटे खुला रहता है। एक विकलांग निवासी सोम्बी ने विकलांगों के लिए आश्रय के विशेष बाथरूम की सराहना की। उन्होंने कहा, मैं पहले बाहर सड़क पर सोता था और जब मुझे इस रैन बसेरे के बारे में पता चला तो मैं यहां आ गया, इस रैन बसेरे में विकलांगों के लिए एक विशेष बाथरूम है।

तमिलनाडु: ब्रिटिश जलक्षेत्र में पकड़े गए 10 मछुआरों को तट रक्षकों को सौंपा गया

चेन्नई, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। हिंद महासागर में ब्रिटिश हिंद महासागर क्षेत्र (बीआईओटी) के पास से गिरफ्तार तमिलनाडु के लगभग 10 मछुआरों को रविवार को भारत के तटरक्षक बलो को सौंप दिया गया। इन मछुआरों के खिलाफ मुकदमा चलाया गया और 60,000 पाउंड स्टर्लिंग जुर्माना लगाने के बाद रिहा कर दिया गया।

एक रक्षा बयान में कहा गया है कि मछुआरे ब्रिटिश हिंद महासागर क्षेत्र के पास लगभग 230 समुद्री मील दूर गहरे समुद्र में मछली पकड़ने के क्षेत्र में गए थे। यह क्षेत्र 58 द्वीपसमूहों का समूह है जो लगभग 640,000 वर्ग किलोमीटर महासागर को कवर करता है। यह क्षेत्र एक ब्रिटिश शासन के अधीन है। इसमें कहा गया है कि मछुआरों को 6 दिसंबर को गिरफ्तार किया गया था। उन पर बीआईओटी में मुकदमा चलाया गया और 60,000 पाउंड स्टर्लिंग का जुर्माना लगाया गया। कहा गया कि इस संबंध में जानकारी 14 दिसंबर को हिंद महासागर निदेशालय को सूचित की गई थी।

मशहूर कारोबारी सज्जन जिंदल पर महिला ने लगाया बलात्कार का आरोप

मुंबई, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। देश के मशहूर बिजनेसमैन और जेएसडब्लू ग्रुप के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक सज्जन जिंदल पर एक महिला ने बलात्कार का आरोप लगाया है। महिला की शिकायत पर मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स थाने में केस दर्ज किया गया है और पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। सज्जन जिंदल के खिलाफ दर्ज एफआईआर में शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि यह घटना 24 जनवरी 2022 को बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में जिंदल के एक पेंटहाउस में हुई। शिकायतकर्ता ने इस संबंध में पहली बार इस साल फरवरी में पुलिस को लिखित शिकायत दी थी, लेकिन कोई एक्शन न लिए जाने पर उसने अदालत का दरवाजा खटखटाया। इसके बाद अदालत ने पुलिस को जिंदल के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया।

प्रॉपर्टी डील्स को लेकर कई बार हुई मुलाकात

रिपोर्ट के मुताबिक, एफआईआर में शिकायतकर्ता महिला ने आरोप लगाया है कि वह सज्जन जिंदल से पहली बार 8 अक्टूबर, 2021 को दुबई में मिली थी। दोनों के बीच प्रॉपर्टी से जुड़ी डील्स को आगे बढ़ाने के इरादे से फोन नंबर्स का आदान-प्रदान किया गया।

कुछ मुलाकातों के बाद जिंदल ने कई बार महिला के साथ यौन संबंध बनाने की कोशिश की, लेकिन महिला ने हर बार मना कर दिया। शिकायतकर्ता का दावा है कि अक्टूबर 2021 और जनवरी 2022 के बीच उनके और जिंदल के बीच कई जगहों और शहरों में मुलाकातें हुईं। इसके बाद 24 जनवरी, 2022 को जब महिला बीकेसी में जिंदल के कार्यालय की मौजूदगी वाली एक इमारत के पेंटहाउस में पहुंची तो जिंदल ने उसके साथ बलात्कार किया।

सुलह कराने की हुई कोशिश

महिला का आरोप है कि जब वह पहली बार 16 फरवरी, 2023 को अपनी शिकायत लेकर पुलिस के पास पहुंची तब जिंदल के कुछ लोगों ने उससे संपर्क किया था। उन्होंने सुलह कराने और शिकायत वापस लेने को कहा था। 'मैंने 16 फरवरी, 2023 को पुलिस से संपर्क किया। उन्होंने मुश्किल से एक रफ स्टेटमेंट लिखा। मुझे उस बयान की कॉपी नहीं दी गई।

कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई...आखिरकार 5 दिसंबर, 2023 को मैंने बॉम्बे हाई कोर्ट में पुलिस के खिलाफ एक रिट याचिका दायर की।' कोर्ट के आदेश के एक दिन बाद 13 दिसंबर 2023 को एफआईआर दर्ज की गई। हालांकि, मुंबई पुलिस एफआईआर दर्ज करने में किसी भी तरह की देरी से इनकार कर रही है। मुंबई पुलिस का कहना है कि वह प्रक्रिया के अनुसार कानूनी रूप से सब कुछ कर रही है। शिकायतकर्ता के बयानों के आधार पर, जिंदल पर 376 और 354 सहित आईपीसी की कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

ब्रिटेन में लापता है भारतीय छात्र, विदेश मंत्री जयशंकर से मदद की गुहार

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। विदेश में पढ़ रहे भारतीय छात्रों की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। अब ब्रिटेन में एक इंडियन स्टूडेंट के लापता होने की खबर सामने आई है। इस मामले में मदद के लिए विदेश मंत्री एस जयशंकर से गुहार लगाई गई है। ये गुहार भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के ही एक नेता ने छात्र को ढूंढने के लिए केंद्रीय विदेश मंत्री एस जयशंकर से लगाई है। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए मदद की अपील की है। पता चला है कि छात्र पूर्वी लंदन से 15 दिसंबर से लापता है। बीजेपी नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट कर इस बारे में जानकारी दी।

उनके मुताबिक छात्र का नाम गुरशमन सिंह भाटिया है। वह लंदन में लॉफबोरो विश्वविद्यालय का छात्र है। सिरसा में माइक्रो ब्लॉगिंग साइट पर लिखा, गुरशमन सिंह भाटिया लॉफबोरो विश्वविद्यालय का छात्र है। वह 15 दिसंबर से लापता हैसिरसा के अनुसार, भाटिया को आखिरी बार पूर्वी लंदन के कैनरी व्हार्फ में देखा गया था। उन्होंने लॉफबोरो विश्वविद्यालय और भारतीय उच्चायोग से उनका पता लगाने का भी आग्रह किया है। सिरसा ने एक्स पर लिखा, भाटिया 15 दिसंबर से लापता है। आखिरी बार कैनरी घाट, पूर्वी लंदन में देखा गया था। जयशंकर जी का ध्यान आकर्षित करते हुए हम उसे ढूंढने के प्रयासों में शामिल होने का आग्रह करते हैं।" सिरसा ने यह भी बताया कि लापता छात्र के बारे में जानकारी देने के लिए नंबर जारी किया गया है। उन्होंने कहा, जानकारी रखने वाले किसी भी व्यक्ति को निम्नलिखित नंबरों पर संपर्क करने के लिए कहा गया है: भाटिया को दो साल का यूके निवास परमिट जारी किया गया था, जो 2 जून, 2024 तक वैध था।

बाल संरक्षण गृह की नाबालिग से दुष्कर्म मामले में अनुसेवक निलंबित, जांच के लिए समिति गठित

देहरादून, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। हल्द्वानी में बाल संरक्षण गृह की नाबालिग से दुष्कर्म मामले में अनुसेवक दीपा आर्या को निलंबित कर दिया गया है। जबकि दूसरी कर्मचारी होमगार्ड गंगा को होमगार्ड विभाग को वापस भेज दिया गया है। महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्य ने कहा, प्रकरण की जांच के आदेश दिए गए हैं। जांच के लिए दो अधिकारियों की समिति गठित की है। जो अगले दो दिन के भीतर अपनी रिपोर्ट देगी। बाल संरक्षण गृह के निरीक्षण के दौरान एक न्यायिक अधिकारी को नाबालिग की ओर से आपबीती बताए जाने से मामले का खुलासा हुआ है। मंत्री रेखा आर्य ने कहा, मामले में विभाग की ओर से तत्काल कार्रवाई करते हुए जिला शरणालय एवं प्रवेशालय हल्द्वानी की अनुसेवक दीपा आर्या को निलंबित कर उन्हें जिला प्रोबेशन अधिकारी कार्यालय नैनीताल से संबद्ध किया गया है। जबकि होमगार्ड गंगा को होमगार्ड विभाग को वापस किया गया है। मंत्री ने कहा, पूरे प्रकरण की जांच के लिए दो सदस्यीय समिति गठित की गई है। समिति में मुख्य परिवीक्षा अधिकारी महिला कल्याण मोहित चौधरी और उप मुख्य परिवीक्षा अधिकारी अंजना गुप्ता को शामिल किया गया है। समिति बालिका ने जो आरोप लगाए हैं, उसकी जांच करेगी। इसके अलावा समिति अधिकारियों की भूमिका की भी जांच करेगी। जांच में लापरवाही सामने आई तो सख्त कार्रवाई होगी। मंत्री ने कहा, पुलिस भी मामले की जांच कर रही है। जांच प्रभावित न हों इसके लिए दो कर्मचारियों को वहां से हटा दिया गया है। देहरादून। विभाग के निदेशक प्रशांत आर्य ने आरोपी अनुसेवक दीपा आर्य को आरोप पत्र देते हुए 10 दिन के भीतर जवाब मांगा है। आरोप पत्र में कहा गया है कि आपने संवासिनियों की देखभाल एवं सुरक्षा के पद पर रहते हुए संस्था की नाबालिग संवासिनी को संस्था से अन्य जगह ले जाया गया। जहां उसके साथ दुष्कर्म हुआ। आपने किशोर न्याय अधिनियम 2015 की धारा 75 का उल्लंघन किया है। आपके खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज हुआ है। मामला संज्ञान में आते ही पूरे प्रकरण की जांच कराई जा रही है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। रेखा आर्य, मंत्री महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास विभाग

नशे में टुन्न थी प्रिया बदतमीजी भी कर रही थी, आरोपों पर बोला बॉयफ्रेंड अश्वजीत

मुंबई, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के वरिष्ठ आईएएस अनिल गायकवाड़ के बेटे अश्वजीत सिंह और इंस्टाग्राम इनफ्लूएंसर प्रिया सिंह का झगड़ा पुलिस के पास पहुंच चुका है। इस झगड़े में प्रिया सिंह के आरोपों पर अश्वजीत गायकवाड़ ने भी करारा जवाब दिया है। पुलिस को दिए बयान में अश्वजीत ने स्वीकार तो किया कि प्रिया सिंह से उसकी दोस्ती थी, लेकिन उसने यह भी कहा कि प्रिया उससे पैसे ऐंठना चाहती है। अश्वजीत ने होटल के बाहर की घटना को अप्रत्याशित बताया। कहा कि वह होटल में आयोजित एक पारिवारिक समारोह में हिस्सा लेने आया था।

पुलिस की पूछताछ में अश्वजीत ने बताया कि एक समय में उसके प्रिया सिंह के साथ अच्छे संबंध थे। लेकिन जब उसकी नीयत का पता चला तो उसने दूरी बना ली। उसने बताया कि एक दिन वह अपने एक पारिवारिक समारोह में शामिल होने के लिए होटल पहुंचा तो प्रिया सिंह ने उसे होटल के बाहर पकड़ लिया। वह शराब के नशे में थी और जबरन उससे बात करना चाहती थी। जब उसने बात करने से मना कर दिया तो गाली गलौज और मारपीट पर उतर आई। हालात को देखते हुए मौके पर मौजूद उसके दोस्तों ने हस्तक्षेप किया तो प्रिया सिंह ने उनके साथ भी दुर्व्यवहार किया। इतने में वह गाड़ी में बैठ गए और ड्राइवर ने गाड़ी आगे बढ़ा दी। इससे प्रिया जमीन पर गिर गई। अश्वजीत ने पुलिस को बताया कि इसमें उसका या उसके ड्राइवर का कोई दोष नहीं है। बल्कि यह हादसा है और इसके लिए जिम्मेदार खुद प्रिया सिंह ही है। बता दें कि 26 वर्षीय प्रिया उमेंद्र सिंह एक पेशेवर ब्यूटीशियन हैं और इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर भी हैं। इंस्टाग्राम पर उनके लाखों फॉलोअर्स हैं। हाल ही में प्रिया सिंह ने सोशल मीडिया के जरिए अश्वजीत और उसके दोस्तों के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए थे। प्रिया सिंह ने प्रधानमंत्री मोदी, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस, केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे को टैग करते हुए लिखा था कि अश्वजीत गायकवाड़ ने खुद उसे ओलवा में कोटियाड होटल के पास मिलने के लिए बुलाया। जहां उसने मारपीट करते हुए उसे कार से कुचलने की कोशिश की। इस वारदात में अश्वजीत के साथ-साथ उसके दोस्त रोमिल पाटिल, प्रसाद पाटिल और सागर शेल्के और ड्राइवर शिवा भी शामिल था। सोशल मीडिया पर यह पोस्ट वायरल होने के बाद पुलिस ने केस दर्ज कर अश्वजीत से पूछताछ की है।

'कमलनाथ को पहले हटा दिया होता तो ऐसी हालत न होती' विधानसभा चुनाव हारने पर कांग्रेस के पुराने नेता का बयान

भोपाल, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश कांग्रेस में बड़ा बदलाव हुआ और पूर्व विधायक जीतू पटवारी को मध्य प्रदेश कांग्रेस का अध्यक्ष बना दिया गया। जीतू पटवारी के अध्यक्ष बनने के बाद अब कांग्रेस के पुराने नेता और कांग्रेस छोड़ चुके नेता इस फैसले की तारीफ कर रहे हैं। इस मामले में पूर्व सांसद प्रेमचंद गुड्डू ने कहा कि अगर यह फैसला पहले ले लिया होता तो कांग्रेस की आज ऐसी हालत नहीं होती, जैसी आज है। प्रेमचंद गुड्डू ने सोशल मीडिया पर मध्य प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष पद से कमलनाथ को हटाने और जीतू पटवारी को प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर कांग्रेस आलाकमान के फैसले का स्वागत किया है।

गुड्डू ने कहा कि यह फैसला अगर एक साल पहले ले लिया गया होता तो शायद मध्य प्रदेश में कांग्रेस को शर्मनाक हार का सामना नहीं करना पड़ता। गुड्डू ने कहा कि मैं विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस छोड़ चुका हूं, लेकिन मुझे इस बात की खुशी है कि जो बात मैं कांग्रेस को केंद्रीय नेतृत्व को पिछले एक साल से कहता आ रहा था। वह अब कांग्रेस आलाकमान की समझ में आ गई है। प्रेमचंद गुड्डू ने कहा कि कमलनाथ के अहंकार और नाकारापन के चलते ही पिछले विधानसभा चुनाव में भी बीजेपी विरोधी माहौल का पूरा फायदा उठाने में कांग्रेस असफल रही थी।

अयोध्या में अगले साल मई से बनने लगेगी मस्जिद निर्माण के लिए दुनियाभर से इकट्ठा किया जाएगा चंदा

अयोध्या, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। 22 जनवरी 2024 को प्रधानमंत्री रामलला की मूर्ति का प्ररण प्रतिष्ठा भी करेंगे। वहीं इसी बीच अब धन्निपुर में मस्जिद बनने की खबरें आ रही हैं। माना जा रहा है कि अगले साल मई तक मस्जिद का निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। अभी तक कहा जा रहा था कि मस्जिद के शिलान्यास के लिए सऊदी अरब की मस्जिद-ए-हरम के इमाम को बुलाया जाएगा, लेकिन इंडो इस्लामिक कल्चरल फाउंडेशन ट्रस्ट ने इसे केवल चर्चा करार दिया है। मस्जिद निर्माण के लिए दुनियाभर में चंदा जुटाने का अभियान भी अगले साल से ही शुरू किया जाएगा। ट्रस्ट के मुख्य न्यासी और उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष जुफर फारूकी ने बताया, अभी तक यही योजना है कि धन्नीपुर गांव में दी गई पांच एकड़ जमीन पर मस्जिद का निर्माण अगले साल मई में शुरू हो जाएगा। फारूकी ने बताया, मस्जिद का अंतिम डिजाइन फरवरी के मध्य तक मिल जाने की संभावना है। उसके बाद उसे प्रशासनिक मंजूरी के लिए प्रस्तुत कर दिया जाएगा। फरवरी में ही परिसर में 'साइट ऑफिस' खोल दिया जाएगा। उम्मीद है कि हम मई तक मस्जिद का निर्माण शुरू करने की स्थिति में आ जाएंगे।

40 हजार वर्ग फुट में बनेगी

फारूकी ने कहा कि कुछ वित्तीय बाधाओं के साथ-साथ मस्जिद के डिजाइन में आमूल-चूल बदलाव की वजह से नए सिरे से औपचारिकताएं शुरू किए जाने के कारण मस्जिद के निर्माण में देर हो रही है। उन्होंने कहा कि भारत में मस्जिद का नाम आते ही लोगों के दिमाग में एक परंपरागत मस्जिद की आकृति उभरती है और इसी वजह से ट्रस्ट द्वारा तैयार की गई मस्जिद के डिजाइन की उतनी स्वीकार्यता नहीं थी, नतीजतन ट्रस्ट ने मस्जिद का नए सिरे से डिजाइन तैयार कराया है और अब यह मस्जिद 15 हजार वर्ग फुट के बजाय करीब 40 हजार वर्ग फुट में होगी। वित्तीय सहायता के लिए चंदा इकट्ठा करने की संभावना के बारे में पूछे जाने पर फारूकी ने कहा, "अभी हमने जिलों में जाने के कार्यक्रम को फिलहाल रोक रखा है। अभी ट्रस्ट से जुड़ी मुंबई की टीम इस मामले पर काम कर रही है और उम्मीद है कि एक-डेढ़ महीने में ट्रस्ट के पास पर्याप्त धन आ जाएगा। उन्होंने कहा, "दरअसल चंदा इकट्ठा करना बहुत बड़ा काम होता है और इसकी देखभाल कर पाना बहुत मुश्किल होता है। हम कोशिश यह कर रहे हैं कि कुछ राज्यों में अपने लोगों को जिम्मेदार बना दें और वे परियोजना के लिए वित्त पोषण हासिल करने के लिए चुनिंदा तरीके से काम करें, जिसमें पारदर्शिता और जवाबदेही दोनों हो।

अस्पताल भी बनेगा

ट्रस्ट के पास धन की तंगी के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, "नहीं, नहीं अब यह बात नहीं कह सकते हैं। अब परियोजना के डिजाइन में बदलाव होने की वजह से देर हो रही है।" ट्रस्ट के सचिव अतहर हुसैन ने बताया कि सरकार द्वारा दी गई जमीन पर मस्जिद के साथ-साथ एक अस्पताल, पुस्तकालय, सामुदायिक रसोई और एक संग्रहालय का निर्माण कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि मस्जिद का नाम 'मोहम्मद बिन अब्दुल्लाह अयोध्या मस्जिद' होगा और मुंबई के एक समूह से बात हुई है उसे निर्माण समिति का प्रभारी बनाया गया है।

जगन्नाथ मंदिर कॉरिडोर बनकर हुआ तैयार, जनवरी में होगा उद्घाटन

पुरी, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। पुरी में श्री मंदिर परिक्रमा परियोजना पूरी हो गई है, नवनिर्मित मंदिर गलियारे का उद्घाटन अयोध्या में राम मंदिर के अभिषेक समारोह से एक सप्ताह पहले किया जाएगा। जगन्नाथ मंदिर कॉरिडोर का उद्घाटन समारोह 15 से 17 जनवरी, 2024 तक होने वाला है। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम के लिए देश के चार धाम मंदिरों और 1000 से अधिक अन्य हिंदू मंदिरों को निमंत्रण दिया गया है। वैश्विक आउटरीच में, दुनिया भर के प्रमुख हिंदू मंदिरों और यहां तक कि नेपाल के राजा को भी निमंत्रण मिला है। ओडिशा सरकार, जिसने 943 करोड़ रुपये की लागत से इस परियोजना का नेतृत्व किया, ने पुरी में भव्य अनावरण के लिए प्रमुख वीआईपी, कॉर्पोरेट नेताओं और मशहूर हस्तियों सहित एक विशेष अतिथि सूची तैयार की है। जगन्नाथ मंदिर गलियारा, जिसे श्री मंदिर परिक्रमा परियोजना के रूप में भी जाना जाता है, को 943 करोड़ की लागत से विकसित किया गया है। इसमें 7 मीटर का हरा बफर जोन और 10 मीटर का पैदल रास्ता है, जिसे भक्तों द्वारा मंदिर की निर्बाध परिक्रमा की सुविधा के लिए डिज़ाइन किया गया है। मंदिर के मुख्य प्रशासक रंजन कुमार दास ने कहा कि, हम ओडिशा में 857 मंदिरों को आमंत्रित कर रहे हैं, और वैष्णो देवी, कामाख्या मंदिर और शिरडी साईं मंदिरों सहित 180 प्रमुख भारतीय मंदिरों को भी 15 जनवरी से शुरु हो रहे तीन दिवसीय उद्घाटन कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि, हिंदू धर्म के अनुसार चार पवित्र धामों और चार अन्य धामों को आमंत्रित किया जाएगा। हम नेपाल के राजा को निमंत्रण भेज रहे हैं, जिन्हें जगन्नाथ मंदिर में विशेष अधिकार प्राप्त हैं। अन्य देशों के प्रमुख हिंदू मंदिरों को भी निमंत्रण भेजा जा रहा है। श्री मंदिर परिक्रमा परियोजना का लक्ष्य 12वीं शताब्दी के जगन्नाथ मंदिर के आसपास के आयताकार गलियारे को अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित एक समकालीन तीर्थ केंद्र में आधुनिक बनाना है। इनमें 6,000 भक्तों के लिए एक कतार प्रबंधन प्रणाली, सामान स्क्रीनिंग सुविधाएं, लगभग 4,000 परिवारों के लिए एक क्लॉक रूम, पीने के पानी की व्यवस्था, टॉयलेट सुविधाएं, हाथ / पैर धोने के क्षेत्र, सूचना-सह-दान कियोस्क, आश्रय मंडप, बहु-स्तरीय कार पार्किंग, शटल और आपातकालीन वाहनों के लिए एक समर्पित लेन, एक एकीकृत कमांड और नियंत्रण केंद्र और एक स्मारिका दुकान शामिल हैं। मंदिर के चारों द्वारों पर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ 15 से 17 जनवरी 2024 तक लोकार्पण यज्ञ किया जाना तय है। पूर्वी द्वार के लिए ऋग्वेद, दक्षिणी के लिए यजुर्वेद, पश्चिमी के लिए सामवेद और उत्तरी द्वार के लिए अथर्ववेद को अंतिम रूप दिया गया है। जगन्नाथ मंदिर और मौसीमा मंदिर को जोड़ने वाली तीन किलोमीटर लंबी ग्रैंड रोड के किनारे प्रमुख संरचनाओं के लिए एक समान पेंटिंग का काम चल रहा है। सभी मंदिरों और सहायक तीर्थस्थलों पर जीवंत रोशनी सजी होगी। अधिकारियों ने श्री मंदिर परिक्रमा परियोजना के लिए सभी सिविल कार्यों के पूरा होने की पुष्टि की है, साथ ही भूनिर्माण कार्य कैलेंडर वर्ष के अंत तक पूरा होने की उम्मीद है। परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण नवंबर 2019 में शुरू हुआ, जिसमें 600 से अधिक निवासियों ने सुरक्षा क्षेत्र की स्थापना के लिए 15.64 एकड़ जमीन छोड़ दी।

7 महीने की गर्भवती महिला को हुआ खतरनाक कैंसर, जिंदगी के बचे बस कुछ दिन, कोर्ट से मांगी अबॉर्शन की इजाजत

मुंबई, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। एक 33 साल की महिला को अपनी लगभग 28 हफ्ते की गर्भावस्था के बाद घातक कैंसर का पता चला। डॉक्टरों ने उसकी जिंदगी के महज 3-6 महीने बचे होने की बात कही है। महिला ने पहले अबॉर्शन की मंजूरी के लिए बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका दी थी। मगर अब उसने अपनी याचिका को आगे नहीं बढ़ाने का फैसला किया है। जेजे अस्पताल के डॉक्टरों के एक पैनल ने बॉम्बे हाईकोर्ट को बताया कि इस अवस्था में अबॉर्शन का यह कदम बहुत जोखिम भरा है क्योंकि महिला की घातक कैंसर की बीमारी अंतिम चरण में है। 'टाइम्स ऑफ इंडिया' की एक रिपोर्ट के मुताबिक जस्टिस रेवती मोहिते-डेरे और जस्टिस गौरी गोडसे ने गुरुवार को इस याचिका का निपटारा कर दिया। बॉम्बे हाईकोर्ट को महिला के पति ने वकील कंचन पवार के जरिये बताया गया कि वे डॉक्टरों की समिति की राय को कबूल करते हैं और अबॉर्शन नहीं कराने का फैसला किया है। जजों ने कहा कि मेडिकल रिपोर्ट में मरीज की जीवन की उम्मीद 3-6 महीने के बीच बताई गई है। उसके संबंध में याचिकाकर्ता के वकील अपनी याचिका पर जोर नहीं दे रहे हैं। मेडिकल पैनल की रिपोर्ट में कहा गया है कि उस समय तक महिला या उसके भ्रूण का जीवित रहना असंभव है। इस दंपति ने महिला की 26 हफ्ते की गर्भावस्था को खत्म करने की अनुमति देने के लिए पहले बॉम्बे हाई कोर्ट का रुख किया था।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 18 दिसंबर - 2023

कानून से ऊपर कोई नहीं

अक्सर कई बडे नेता खासकर जब वे विधायक व सांसद हो तो उन्हें अपने पद और कद की आड में सजा दिला पाना आसान नहीं होता। ऐसे ताकतवर लोग अपने रसूख का लाभ उठा कर न केवल अपने अपराधों के खिलाफ उठने वाली आवाजों का गला घोंट देते हैं, बल्कि कुछ मामलों में कानूनी तिकडम से गिरफ्तार होने से भी बचे रहते हैं। ऐसे समय में यूपी के सोनभद्र जिले के दुद्धी से एक सत्ताधारी विधायक को बलात्कार के अपराध में जो सजा सुनाई गई, उसकी मिसाल कम हो देखने को मिलती है। इससे एक बार फिर साबित हो गया है कि कानून से ऊपर कोई नहीं है। बता दें कि सोनभद्र की कोर्ट ने नाबालिग बच्ची से बलात्कार के दोषी साबित हुए विधायक को पाक्सो एक्ट के तहत पच्चीस वर्ष की सजा सुनाई है। यह एक्ट यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण करने संबंधी है। सजा के अलावा कोर्ट ने विधायक पर दस लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। बलात्कार की इस घटना में न्याय मिलने में नौ साल तक की लंबी कानूनी लडाई लडी गई। जाहिर है, इतनी लंबी अवधि के बाद आए अदालत के फैसले के बाद भी इंसाफ के प्रति यह उम्मीद कायम रही कि कानून के कठघरे में सब बराबर हैं। अब दोषसिद्धि और अदालत में सजा तय किए जाने के बाद विधायक की विधानसभा सदस्यता भी खत्म हो सकती है, क्योंकि अगर किसी जनप्रतिनिधि को कोई न्यायालय दो वर्ष से ज्यादा की सजा देती है तो उसकी सदस्यता चली जाती है। हालांकि इस मामले में विधायक की तरफ से ऊंची अदालत में अपील करने की बात कही गई है, लेकिन एक नाबालिग बच्ची से बलात्कार जैसे जघन्य अपराध के बाद जैसी परिस्थितियां रहीं, उससे सवाल तो बनता है कि आखिर फैसला आने में इतना लंबा वक्त क्यों लगा? खबरों के मुताबिक, इस मामले को दबाने के लिए विधायक की ओर से तमाम कोशिशें की गर्इं। बलात्कार के बाद पीड़िता किशोरी गर्भवती हो गई थी और बाद में उसने बच्ची को भी जन्म दिया। इसके बावजूद, मुकदमा चलने के दौरान पीड़िता को हत्या और गांव से बाहर फेंक देने जैसी अनेक तरह की धमकियां देने के अलावा और भी कई तरह के प्रलोभन दिए गए। आरोप तो यहां तक है कि पीड़िता को बालिग करार देने के लिए उसकी जन्मतिथि बढ़वा कर फर्जी स्कूल प्रमाण पत्र भी बनवा दिया गया था। इस बात से तो सभी वाकिफ होंगे कि साधारण लोगों के खिलाफ अपराध घटित होने के बाद पुलिस से लेकर प्रशासन के सभी स्तरों पर भेदभावपूर्ण रवैया अपनाया जाता है। अक्सर पुलिस रसूख वाले अपराधियों के पक्ष में ही काम करती दिखती है और कमजोर तबके के लोगों को कानूनी प्रक्रिया को आगे बढ़ाने से रोकने के लिए तरह-तरह से हतोत्साहित भी किया जाता है। अपराधी जब ऊंचे कद और पद वाले नेता व जनप्रतिनिधि हों तो पुलिस-प्रशासन के काम करने के तौर-तरीके और भी संवेदनहीन हो जाते हैं। लेकिन इस मामले में पुलिस ने पाक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर अदालत में पत्रावली प्रस्तुत की थी। लंबी जद्दोजहद के बाद अदालत ने भी विधायक को दोषी पाया और सख्त सजा सुना दी। हैरानी की बात है कि जो नेता आम जनता के सामने उनकी भलाई और कमजोर तबकों के कानूनी अधिकार सुनिश्चित करने के वादे करके उनका वोट हासिल करते हैं, मौका मिलते ही कई बार उनके खिलाफ अपराध करने से भी नहीं हिचकिचाते। इस लिहाज से पच्चीस वर्ष की कैद और दस लाख रुपए जुर्माने की सजा को रसूखदार और आपराधिक मानसिकता वाले जनप्रतिनिधियों के लिए एक सबक के रूप में देखा जा सकता है।

विषम परिस्थिति पर नियंत्रण ही जीवन की अग्नि परीक्षा

संजीव ठाकुर

जीवन में लक्ष्य की प्राप्ति और सफलता के लिए मनुष्य को निरंतर कर्म की प्रधानता रखकर संयम तथा मनोबल भी रखना होगा 1इसके अलावा मनुष्य अपनी इच्छाओं का दास ना होकर उस पर नियंत्रण रख स्वामी बनने का प्रयास करना होगा तब सोची गई सफलता आपके सामने होगी1 कठिन तथा विषम परिस्थितियों में मनुष्य को अपने मनोबल को सदैव विनम्रता,संयम और साहस के साथ ऊंचा रखना चाहिए।अपने द्वारा की गई मेहनत पर विश्वास एवं निरंतरता रखनी होगी। तब जाकर ही जीवन में सफलता के पल आपके सामने आएंगे 1 निराशा, हताशा और हीन भावना को कठोर श्रम के बलबूते पर ही विजय प्राप्त की जा सकती है 1 जीवन में उतार-चढ़ाव, कठिन समय और विषम परिस्थितियां आती ही रहती हैं1 संकट का समय विषम परिस्थितियां जीवन के अलग-अलग पहलू हैं ।इनसे जूझ कर जो मानव आगे बढ़ता है, वह उच्च मनोबल वाला साहसी व्यक्ति होता है। व्यक्ति के जीवन में साहस, उच्च मनोबल ही सफलता की कुंजी है। जिस भी व्यक्ति ने विषमताओं में रास्ता निकलने का साहस करके आगे बढ़ने का प्रयास किया है वही सफल हुआ है। हमेशा सफलता का मूल आत्मविश्वास, कठिन श्रम और उच्च आदर्श वाले व्यक्ति की प्रेरणा ही सफलता दिलाने वाली होती है। मनुष्य को कभी भी किसी भी परिस्थिति में मन से हार नहीं माननी चाहिए। उसे सदैव प्रयासरत रहकर परिश्रम तथा जुझारू पन से हर परिस्थिति का सामना कर सदैव अपने लक्ष्य के प्रति अग्रसर होते रहना चाहिए। मनुष्य को अपनी हर हार, हर पराजय से कुछ ना कुछ सीख लेनी चाहिए एवं इससे अनुभव प्राप्त कर फिर से खड़ा होने एवं उस पराजित मनोदशा से छुटकारा पाकर फिर से लड़ने की ऊर्जा एवं शक्ति प्राप्त करनी चाहिए, यह सफलता का बड़ा मंत्र है। सर्वप्रथम मनुष्य अपने मनोबल से किन्हीं भी परिस्थितियों को जीतने का साहस रखता है, इसीलिए मनोबल मनुष्य की पहली आवश्यकता है। मनोबल ही साहस को जन्म देता है और साहस, आत्मबल को और आत्मबल से ही मनुष्य किन्हीं भी परिस्थितियों से जूझना एवं टकराने की क्षमता पैदा करता है। जब मनुष्य के पास खोने के लिए कुछ ना हो तो वह निश्चिंत होकर साहस, क्षमता एवं संयम से आगे बढ़ने का प्रयास करता है, क्योंकि वह जानता है की पीछे पलट कर उसके पास खोने के लिए कुछ भी नहीं है, शिवाय आगे बढ़ने एवं सफलता के लिए अग्रसर होने के।

मनुष्य का मनोबल एवं दृढ़ प्रतिज्ञा ही मनुष्य को सदैव आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा देते रहते हैं। मनुष्य के जीवन का एक तथ्य और भी अत्यंत महत्वपूर्ण है वह है सकारात्मक सोच, जो उसे हमेशा आगे बढ़ने की ओर उत्साहित करती रहती है। सकारात्मक सोच एवं किसी भी परिस्थिति को अपने नियंत्रण में लाने की सुनियोजित योजना मनुष्य में आशाओं को भर देती है एवं परिस्थितियों को चुनौती देने की क्षमता का विकास करती है। यह मनुष्य ही है जो हर परिस्थिति में साहस और मनोबल के दम पर उससे विजय प्राप्त करता है। मनुष्य के जीवन और पशु के जीवन में यही फर्क है कि मनुष्य के पास सोचने के लिए मस्तिष्क होता है और वह उसके सकारात्मक उपयोग के साथ आगे बढ़ने की क्षमता रखता है।

तीन राज्यों के नतीजों के बावजूद दिलचस्प होंगे लोकसभा चुनाव

लोकसभा चुनावों में अब महज चार महीने का वक्त है। संभावित चुनाव कार्यक्रम के मुताबिक मार्च के अंतिम या अप्रैल के प्रथम सप्ताह में आचार संहिता लग सकती है। इस चुनावी महाभारत के लिए सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के पास अब उत्तर भारत के तीन राज्यों की हाल ही में हुई जीत का मनोबल, अनुच्छेद 370 के निरस्तीकरण पर सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का समर्थन और जनवरी में होने वाले अयोध्या में राम मंदिर के लोकार्पण से बने माहौल का आभा मंडल है। इन तीन अभेद अस्त्रों के साथ भाजपा प्रधानमंत्री मोदी का करिश्माई नेतृत्व, गृह मंत्री अमित शाह की रणनीति, पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा की कड़ी मेहनत, सत्ता तंत्र के लाभ और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के समर्पित स्वयंसेवकों की फौज और पार्टी कार्यकर्ताओं का बल भी है। उधर तीन राज्यों की पराजय से शिकस्त कांग्रेस, आपसी तूतू-मैं मैं और स्वार्थी अहंकारों में उलझे इंडिया गठबंधन के घटक दल और उसके नेता जो अभी तक न न्यूनतम साझा कार्यक्रम तय कर पाए हैं और न ही लोकसभा सीटों का बंटवारा कर पाये हैं। क्या ऐसे विपक्ष से ये उम्मीद की जा सकती है कि वो इस तरह 2024 के लोकसभा चुनावों में मोदी और उनकी भाजपा को चुनौती दे पाएगा। यह एक अहम सवाल है, जिसका जवाब फिलहाल अभी बहुत आशावादी नहीं है। लेकिन बनारस में इसी महीने होने वाली जद(यू) की रैली जिसे बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव सहित इंडिया गठबंधन के कई नेता संबोधित करेंगे।अटकलें हैं कि नीतीश उत्तर प्रदेश की फूलपुर, मिर्जापुर या किसी और लोकसभा सीट से चुनाव भी लड़ सकते हैं। कहा जा रहा है कि नीतीश और अखिलेश मिलकर उत्तर प्रदेश में अखिलेश के पीडीए समीकरण (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) बनाकर भाजपा को चुनौती देंगे। पिछड़ों में भी इस समूह की दो प्रभावशाली जातियों यादव और कुर्मी और मुस्लिमों को साथ लेकर इंडिया गठबंधन उत्तर प्रदेश में काफी उम्मीदें जता रहा है। जयंत चौधरी के राष्ट्रीय लोकदल के साथ आ जाने से यह सामाजिक समीकरण और ज्यादा मजबूत होने की संभावना हो जाती है। लेकिन याद रखना चाहिए उत्तर प्रदेश में मोदी-योगी के रूप में भाजपा का असली डबल इंजन है। अयोध्या, मथुरा काशी भी यहीं है और संघ परिवार के हिंदुत्व की सबसे बड़ी रणभूमि भी यही राज्य है।

इसलिए यहां पिछले दोनों लोकसभा चुनावों में भाजपा ने जबर्दस्त कामयाबी हासिल की थी। इसलिए यहां मुकाबला आसान नहीं है। उत्तर भारत के तीन प्रमुख राज्यों मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में जबर्दस्त जीत के बाद भारतीय जनता पार्टी ने जिस तरह तीनों राज्यों में एकदम नए चेहरों को मुख्यमंत्री बनाकर न सिर्फ सबको चौंकाया बल्कि इन राज्यों में नया नेतृत्व विकसित करने और लोकसभा चुनावों के मद्देनजर सामाजिक एवं जातीय समीकरण साधने की कवायद भी की है। मध्यप्रदेश में मोहन यादव को कमान देकर भाजपा ने जहां एक तरफ जहां लंबे समय तक चले शिवराज सिंह चौहान युग की समाप्ति की घोषणा की है, वहीं दूसरी तरफ मध्यप्रदेश के साथ साथ उत्तर प्रदेश और बिहार की बड़ी यादव आबादी जो अभी तक भाजपा की पहुंच से बाहर है, को भी साथ आने का संदेश दे दिया है। छत्तीसगढ़ में आदिवासी विष्णु नारायण साय और राजस्थान में पहली बार विधायक बने ब्राह्मण नेता भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने देश के आदिवासियों और अपने बेहद ठोस जनाधार ब्राह्मणों को भी खुश कर दिया है। मध्यप्रदेश में विंध्य के कद्दावर ब्राह्मण नेता राजेंद्र शुक्ल और राज्य के दलित नेता जगदीश देवड़ा को उपमुख्यमंत्री बनाकर पिछड़ों के साथ साथ ब्राह्मण और दलित समुदाय को भी संतुष्ट किया गया है। राजस्थान में जयपुर राजघराने की राजकुमारी दीया कुमारी और प्रेमचंद बेवरा को उपमुख्यमंत्री बनाकर यहां भी राजपूत और दलित समुदाय को सकारात्मक संदेश दिया है। वहीं छत्तीसगढ़ में भी पिछड़े समाज के अरुण साओ और ब्राह्मण विजय शर्मा को उपमुख्यमंत्री बनाकर यहां भी इन दोनों मजबूत समाजों को साथ जोड़े रखने की कवायद की गई है। अपनी इस किलेबंदी के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जातीय जनगणना और पिछड़ों को उनकी आबादी के अनुपात में हिस्सेदारी देने के राहुल गांधी के नारे की काट करना चाहते हैं, जिसे इंडिया गठबंधन लोकसभा चुनावों के लिए अपना ब्रह्मास्त्र मानता है। इसके साथ ही अनुच्छेद 370 पर सर्वोच्च न्यायालय के फैसले को भी भाजपा लोकसभा चुनावों में भुनाएगी। लेकिन इस फैसले में अदालत ने यह भी कहा कि जिस दिन जम्मू कश्मीर का भारत में विलय हुआ था, उसी दिन से वह भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग है और उसकी कोई स्वायत्ता या संप्रभुता नहीं रह गई थी। अदालत के इस कथन से भाजपा और उनके समर्थकों के इस कथन कि अनुच्छेद 370 के निरस्तीकरण के बाद ही जम्मू कश्मीर का भारत में वास्तविक विलय हुआ, को निराधार कर दिया है। अब सवाल है कि विपक्षी इंडिया गठबंधन कैसे अब लोकसभा चुनावों में भाजपा का मुकाबला कर पाएगा। प्रथम दृष्टया लगता है कि विपक्ष के हाथ से बाजी निकल गई है। लेकिन इतिहास बताता है कि चुनाव से ठीक पहले विधानसभा चुनावों की जीत हमेशा लोकसभा चुनावों में जीत की गारंटी नहीं होती।

2003 में मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव जीतने वाली भाजपा 2004 का लोकसभा चुनाव हार गई। 2008 में भी भाजपा ने यह मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ जीते लेकिन राजस्थान हार गई और 2009 लोकसभा चुनावों में कांग्रेस ने ज्यादा सीटें लेकर फिर यूपीए की सरकार बनाई। परंतु 2013 में भाजपा तीनों राज्य जीती और 2014 में लोकसभा चुनावों में भी उसे शानदार जीत मिली। जबकि 2018 में इन्हीं तीनों राज्यों में कांग्रेस जीती लेकिन 2019 का लोकसभा चुनाव हार गई। इसके पहले भी 1998 में कांग्रेस ने मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में जीत दर्ज की, लेकिन लोकसभा चुनावों में भाजपा से हार गई। इसलिए विधानसभा चुनावों जैसे नतीजे ही लोकसभा चुनावों में भी होंगे, इसकी कोई गारंटी नहीं है। यही एक उम्मीद है जो कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों को फिर मैदान में डटने की प्रेरणा दे रही है। 19 दिसंबर को होने वाली इंडिया गठबंधन की बैठक में क्या विपक्षी दल 400 से ज्यादा लोकसभा सीटों पर भाजपा और एनडीए के मुकाबले इंडिया का एक सर्वसम्मत उम्मीदवार देने के लिए सीट बंटवारे का कोई सर्वमान्य फॉर्मूला निकाल पाएंगे और क्या कोई न्यूनतम साझा कार्यक्रम बना पाएंगे। क्या इंडिया गठबंधन किसी नेता को अपना संयोजक बना सकेगी। क्या विधानसभा चुनावों के दौरान पैदा हुई, उनकी तल्खी इस बैठक के बाद खत्म हो जाएगी। क्या संयुक्त प्रचार की कोई रणनीति बनेगी। क्या मोदी के मुकाबले कोई सर्वमान्य चेहरा तय हो सकेगा या मोदी बनाम मुद्दों पर इंडिया गठबंधन चुनाव लड़ेगा। इन सारे सवालों के जवाब में ही 2024 के लोकसभा चुनावों में विपक्षी गठबंधन की संभावनाओं की कुंजी है। अगर इंडिया गठबंधन ने इन सवालों को सही तरीके से सुलझा लिया, तो निश्चित रूप से लोकसभा चुनावों में वह नरेंद्र मोदी के करिश्माई नेतृत्व और मजबूत भाजपानीत एनडीए गठबंधन को चुनौती दे सकेगा और अगर ऐसा नहीं हुआ तो फिर लोकसभा चुनाव में भाजपा की जीत को कोई नहीं रोक सकेगा और विपक्ष महज चुनावी मुकाबले की औपचारिकता पूरी करते हुए इसी तरह संसद में दिखाई देगा जैसे कि अभी दिखता है। विपक्ष के मुकाबले में आने की सबसे पहली और सबसे बड़ी शर्त है कि कांग्रेस अपने घर को दुरुस्त करे, क्योंकि जिन तीन राज्यों में भाजपा जीती है, वहां कांग्रेस का ही मुकाबला उसके साथ लोकसभा चुनावों में भी मुकाबला होगा।

तमिल संगमम से राहुल के 'मिशन साउथ' पर भारी पड़ेंगे मोदी!

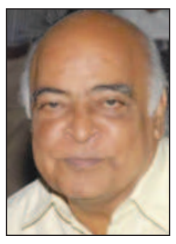

अशोक भाटिया

दक्षिण भारत के तमिलनाडु और काशी के संबंधों को और मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से एक बार फिर दिसंबर महीने में काशी तमिल संगमम (काशी तमिल संगमम) का आयोजन किया जा रहा है. इससे पहले भी काशी और तमिल संगमम का आयोजन किया गया था जिस दौरान काशी में एक महीने तक अलग-अलग मंत्रालयों के अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित किए गए थे जिसमें दक्षिण भारत से बड़ी संख्या में लोग काशी पहुंचकर कार्यक्रम में शामिल हुए थे.अधिकारियों द्वारा मिली जानकारी के अनुसार 17 से 30 दिसंबर तक काशी में एक बार फिर काशी तमिल संगमम का आयोजन है. इस दौरान दक्षिण भारत के लगभग 1400 लोग प्रयागराज, अयोध्या और वाराणसी की ट्रेनों से यात्रा करेंगे. यात्रा में शामिल लोग अलग-अलग समूह के माध्यम से जैसे श्रद्धालु, व्यापारी, अध्यापक किसान सहित सभी वर्गों के लोग यात्रा को पूर्ण करेंगे. अलग-अलग समूह के माध्यम से यात्रा करने वाले लोगों का नाम भी भारत के पवित्र नदियों के नाम पर रखा जाएगा जैसे- गंगा, यमुना, गोदावरी, सरस्वती, सिंधु. 17 से 30 दिसंबर तक आयोजित होने वाले काशी तमिल संगमम का प्रमुख उद्देश्य दोनों जगह की संस्कृति और संबंधों को और मजबूत करना है. इससे पहले प्रथम बार आयोजित हुए काशी तमिल संगमम में एक महीने तक वाराणसी में अलग-अलग मंत्रालयों के कार्यक्रम आयोजित हुए थे. प्रधानमंत्री-मुख्यमंत्री द्वारा भी इन दोनों अटूट संस्कृतियों व संबंधों के बारे में जिक्र किया गया था. बनारस के अलग-अलग निर्धारित स्थल पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. एक बार फिर आयोजित होने वाले काशी तमिल संगमम को लेकर प्रशासन द्वारा भी तैयारी शुरू कर दी गई है.काशी-तमिल संगमम् में हिस्सा लेने वाले तमिलनाडु के सभी सातों समूहों के नाम नदियों के नाम पर रखें गए है. यह गंगा, यमुना, सरस्वती, सिंधु, नर्मदा, गोदावरी और कावेरी है. यह संगमम दोनों ही प्राचीन संस्कृतियों के बीच जुड़ाव को मजबूती देने वाला है.रविवार दिनांक 17-12-2023 से शुरू होकर अगले एक महीने तक करीब 3 हजार तमिल भाषी लोग काशी आएंगे और अपनी तमिल संस्कृति को काशी के लोगों के साथ साझा करेंगे। इस कार्यक्रम का महत्व क्या है, इस बात से समझा जाता है कि इसमें शिरकत करने के लिए खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 19 नवंबर को काशी आ रहे हैं। प्रशासन की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आने की तैयारियां तेज कर दी गई है। बीएचयू के एंफीथियेटर ग्राउंड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा भी प्रस्तावित है। 17 नवंबर से लेकर 16 दिसंबर तक काशी में तमिल भाषी लोगों का जो जमावड़ा लग रहा है, उस कार्यक्रम में एक महीने तक काशी हिंदू विश्वविद्यालय के एंफीथियेटर ग्राउंड में तमिलनाडु के अलग-अलग क्षेत्र के लोग अपनी कला और संस्कृति का परिचय काशी के लोगों से कराएंगे। वाराणसी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा भी संभावित है। इसी जनसभा स्थल को का निरीक्षण करने के लिए वाराणसी के पुलिस कमिश्नर ए सतीश गणेश ने शनिवार को दौरा कर निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। 19 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बाबतपुर एयरपोर्ट से सीधे हेलीकॉप्टर से बीएचयू के हेलीपैड आएंगे और वहां से कार्यक्रम स्थल पर पहुंचेंगे।बीएचयू के एंफीथियेटर ग्राउंड में तमिलनाडु से जुड़ी खानपान, क्राफ्ट, वहां के छोटे उद्योग धंधों से जुड़े उत्पाद, कला संस्कृति से जुड़े स्टॉल लगाए जाएंगे। इस पूरे परिक्षेत्र में काशी के लोग आकर के तमिलनाडु के सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के बारे में जानकारी भी ले सकेंगे।

इस पूरे एक माह के दौरान यहां पर कई सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे जोकि आमजनों के लिए भी होगा। काशी तमिल समागम के नोडल अधिकारी बनाए गए स्टेट आर्कियोलॉजी विभाग के अधिकारी सुभाष चंद्र यादव ने बताया कि हर 2 दिन पर दो सौ से ढाई सौ के लोगों का एक ग्रुप वाराणसी आएगा। वाराणसी में काशी विश्वनाथ धाम, काल भैरव, केदारनाथ मंदिर के साथ सारनाथ का भ्रमण करेंगे। ये ग्रुप क्रूज से गंगा आरती की विहंगम छटा भी देखेंगे। काशी को देखने के बाद ये ग्रुप प्रयागराज और अयोध्या के लिए रवाना होगा। पूरे महीने में तकरीबन ढाई हजार से 3 हजार तमिल भाषी काशी आएंगे। इस ग्रुप में छात्र, उद्यमी ,सामाजिक कार्यकर्ता , महिलाएं भी शामिल हैं। काशी से दोनों स्थानों की समानता और महत्ता को भी दर्शाया जाएगा। इस आयोजन को लेकर काशीवासियों के साथ ही यहां कई पीढ़ियों से बसे 2 से ज्यादा तमिल परिवारों में गजब का उत्साह है। मेहमानों को काशी में बसे लघु तमिलनाडु को भी देखने का मौका मिलेगा। हर दिन शाम को सांस्कृतिक संध्या में तमिलनाडु से आने वाले कलाकारों के साथ ही देश की विभिन्न जगहों से आए कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे। काशी-तमिल समागम में आने वाले मेहमान काशी के हनुमान घाट इलाके में बसे लघु तमिलनाडु को देखेंगे जहां पीढ़ियों से यहां आकर बसे तमिल परिवार रह रहे हैं। देखा जाए तो काशी का कन्याकुमारी से याराना दो हजार साल से भी ज्यादा पुराना है। काशी में करीब दो सौ तमिल परिवार रहते हैं, जिनके दादा-परदादा आए और यहीं बस गए। इनमें तमिल के राष्ट्रकवि सुब्रह्मण्यम भारती के नाती 97 वर्षीय प्रो. के. वी. कृष्णन भी हैं। राष्ट्रकवि ने 1898 में वाराणसी आकर चार साल पढ़ाई की थी। सुब्रह्मण्यम भारती की बुआ भी बनारस में रहती हैं।

तमिलनाडु के नाट्कोट्टई क्षत्रम की ओर से काशी विश्वनाथ मंदिर में 210 वर्षों से निर्बाध 3 आरती की जाती हैं। आरती के लिए भस्मी और चंदन तमिलनाडु से ही मंगाया जाता है। देश की आजादी से पहले 1926 में बनारस में दक्षिण भारतीय व्यंजन परोसने की शुरुआत अय्यर परिवार ने की थी। 1950 के बाद कुछ चुनिंदा सिनेमा हॉल में सुबह का एक शो दक्षिण भारतीयों के लिए चला करता था।

प्रकृति से छेड़छाड़ का नतीजा है स्मॉग

डॉ. घनश्याम बादल

हर साल दिसंबर जनवरी के महीने कोहरे व धुंध यानी स्मॉग के कहर के शिकार हो जाते हैं । जितना बड़ा शहर, उतना ही ज्यादा कोहरे का संकट । कोहरे के चलते दिन का तापमान लगातार गिर जाता है , रातें ठंडी और मारक हो जाती हैं । उत्तर भारत में खास तौर पर कोहरे का प्रकोप गज़ब ढाता है । कोहरे की वजह से न जाने कितनी जानें जाती हैं । रोज लाखों यात्री समय से अपने गंतव्य पर नहीं पंहुच पाते हैं । देश भर में यातायात प्रभावित होता है । प्रतिदिन कितनी ही ट्रेन व बसें तथा हवाई जहाजों की उड़ाने भी लेट होती हैं या फिर रद्द की जाती हैं । कोहरे के प्रकोप का तोड़ ढूंढ पाने हर प्रयास नाकाम सिद्ध हो रहा है ।आइए, जानें कि आखिर ये कोहरा वास्तव में है क्या ? और साथ साथ ही जानते चलते हैं इसके आसपास के अर्थ वाले शब्द - ओस , पाले व धुंध के बारें में भी ।

क्या हैं ओस और पाला ओस

इतना तो हम जानते ही हैं कि वायु मंडल में जल वाष्प मौजूद होती हैं. पृथ्वी धरातल रात्रि में विकिरण द्वारा ऊष्मा त्याग कर ठंडी होने की प्रक्रिया सम्पन्न करती है, इन शीतल तलों पर संचित जल की बूंदों को ही ओस कहते हैं , **अतः** ओस वायु में उपस्थित जल वाष्प के धरातल पर संघनित होने से उत्पन्न होती है। स्वच्छ और शांत रातों में जब धरातल तीव्र गति से ठंडा होता है तब ओस पड़ती है परन्तु जब रात्रि बादलों युक्त हो तो ग्रीन हाउस प्रभाव के कारण धरातल पूरी तरह से ठंडा नहीं हो पाता, इस लिए बादलों वाली रात को ओस नहीं पड़ती ।

पाला

आमतौर पर शीतकाल की लंबी रातें ज्यादा ठंडी होती है और कई बार तापमान हिमांक पर या इससे भी नीचे चला जता है. ऐसी स्थिति में जलवाष्प बिना द्रव रूप में परिवर्तित हुए सीधे ही सूक्ष्म हिमकणों में परिवर्तित हो जाते हैं. यही पाला है । पाला फसलों और वनस्पतियों के लिए बहुत हानिकारक होता है । उत्तर भारत में दिसम्बर से फरवरी तक के महीने पाला पड़ने वाले दिन हैं । ऐसे में यहाँ के किसान फसलों के छोटे पौधों को बचाने के लिए सिंचाई कर देते हैं. खेतों में पानी दिये जाने से आर्द्रता बढ़ जाने से जल वाष्प अपने में संचित उष्मा से वायु और धरातल को ज्यादा ठंडा नहीं होने देती ।

क्या है कोहरा ?

कोहरा वास्तव में एक निम्न स्तरीय बादल होता है वायु मंडल में उपस्थित जलवाष्प जब ओसांक से नीचे जाती है पर हिमांक से ऊपर रहती है तो उस स्थिति में पानी की छोटी-छोटी छोटी बूंदे वायुमंडल में देर तक लटकी रहती हैं , इस स्थिति में दृश्यता बहुत कम हो जाती है इस प्रकार का कोहरा शीतकाल में उत्तरी भारत में देखा जा सकता है । कई बार जब कोई गर्म और आर्द्र वायु ठन्डे धरातलीय इलाके से गुजरती है तो घनी होकर कोहरे का रूप लेती है इसे अभिवहन कोहरा कहते हैं ।

खतरनाक स्मॉग :यहाँ एक और शब्द 'स्माग' से परिचित होना भी जरूरी है. जब कोहरे का धुएं के साथ मिश्रण होता है तो उसे 'स्माग' कहते है. स्मॉग ज्यादातर औद्योगिक शहरी क्षेत्रो में जल कणों का कार्बन कणों तथा अन्य सूक्ष्म कणों के मिश्रण से अधिक तीव्रता से बनता है और ज्यादा देर तक बना रहता है. इसमें विभिन्न रसायनों के वाष्पकण मिल जाने से इसकी प्रकृति अम्लीय भी हो जाती है जो अधिक हानिकारक है ।

क्या है धुंध और कुहासा ?

कुहासा अथवा धुंध भी एक प्रकार का कोहरा ही है. बस दृश्यता का अंतर होता है. यदि दृश्यता की सीमा एक किलोमीटर या एक किलोमीटर से कम हो तो उसे कुहासा या धुंध कहते हैं। कईं बार धूल कणों के मिलने के कारण विजिबिलिटी यानि दृश्यता कुछ मीटर तक ही रह जाती है. इस स्थिति में वाहनों की दुर्घटनाएं होती है. ऐसे समय में रेल और वायु परिवहन बाधित होता है ।

धुंध की स्थिति में सूर्य की किरणों का धरातल तक पंहुचना भी मुश्किल हो जाता है और दृश्यता कम होने से दुर्घटना होने की आशंका बढ़ जाती है ।

कैसे लगे लगाम ?

बेशक कोहरा धुंध या ओस अथवा पाला प्राकृतिक व भौगोलिक प्रक्रियाएं हैं और इनके घटित होने को रोका नहीं जा सकता है पर यदि थोड़ा ध्यान रखा जाए तो इनके हानिकारक प्रभावों को कम किया जा सकता है । ओस का बहुत अधिक हानिकारक प्रभाव नहीं देखा गया बल्कि स्वास्थ्य की दृष्टि से ओस से भीगी घास पर चलना अच्छा माना जाता है । पाले से बचने के लिए फसलों पर इसके हानिकारक प्रभाव से बचने के लिए खेतों में सिंचाई कर देने से इसका प्रभाव कम हो जाता है ।

क्या करें कोहरे और धुंध में ?

सबसे बड़ी समस्या हैं कोहरा और धुंध क्योंकि इनके पड़ने से दृश्यता कम होने से यातायात तो लगभग ठप्प ही हो जाता है । **अतः** सुरक्षा की दृष्टि से बेहतर हो कि वाहन कम गति से ही चलाएं ।

दवा मुंहजोरी की

डॉ टी महादेव राव

हमारे नेताओं की जीभ अरे वही जुबान की चपलता के लिए कोई अच्छी सी औषधि का आविष्कार करके पूरे भारत में एक मिसाल कायम करने और प्रसिद्ध होने की सोच रहा था। परिश्रम जितना भी करूं लेकिन निराशा, कमजोरी और अनिद्रा के अलावा कुछ भी हासिल नहीं कर पाया। अशोक से लेकर औरंगजेब तक, स्वतंत्र भारत के नायकों की मुंहजोरी या जुबान चलाने वाला एक नहीं मिला।

फिर मैंने सोचा इनकी कैंची की तरह चलती टेढ़ी जबान की वाचालता को रोकने कोई दवा की खोज करूँ, लेकिन सारे प्राचीन ग्रन्थों की दूरबीन से खोज करने पर भी किसी प्रकार की औषधि इस बीमारी के लिए नहीं मिली। मेरे इतनी मेहनत का कोई फायदा नहीं हुआ। हाथ में माइक मिलते ही वे किसी नए नशे में किसी अलग दुनिया में रहते हुए विपक्षों पर ऐसी दूषित कर्णकठोर भाषा में अपनी प्रज्ञा से भरी गालियां निकालते हैं कि जिन्हें न अखबारों में छापा जा सकता है और न ही चैनलों में प्रसारित किया जा सकता है। ऐसा करके वे अवार्डों, पुरस्कारों के लिए आशावादी नज़रों से राह देख रहे हैं। मेरा मतलब है पद लालसा के लिए यह सारा ऊलजलूल बक रहे हैं। कुछ लोग हाईकमान के द्वारा दिए गए स्क्रिप्ट के अनुसार कर रहे है तो कुछ लोग सबसे बड़े साहब की नजरों की शीतल छाया पाकर मंत्री पद, ठेके आदि से घर को स्वर्णमय बनाने के लिए जुबान चलाते हैं। सामने वाले पर गुस्सा निकालने, उन्हें नीचा दिखाने कभी-कभी मुख्यमंत्री और मंत्री स्तर के नेताओं के मुंह से ऐसी जहरीली बातें फूट पड़ती हैं। लेकिन निर्लज्ज होकर ऐसी बातें कह जाते हैं कि लगता है कि महिलाओं के प्रति आदर की भावना को समाधि बनाकर सभ्यता और संस्कार को दरकिनार कर ऐसा व्यवहार करते हैं जैसे दिमाग में दीमक लग गए हैं। कुछ नेता तो अपनी वाचलता में डूबकर कुछ का कुछ कह कर दिल में भरी हुई भड़ास निकालते हैं और बाद में दांतो के बीच जीभ दबाते हुए अपनी बदजुबानी पर गलती मान लेते हैं।

प्रदेश के एक मंत्री यह कहकर लोगों की हंसी और क्रोध के शिकार हुए कि ग्रामीण महिलाएं चूंकि आकर्षक नहीं होतीं। इसलिए वे जीवन में आगे नहीं बढ़ पाती हैं। एक पूर्व मुख्यमंत्री ने बड़ी ही घटिया बात कही और आलोचनाओं के शिकार बने। उनका कहना था कि धूप में खड़ी होकर जो नर्सें आंदोलन कर रहीं हैं, वे काली हो जाएंगी और उन्हें अच्छा पति नहीं मिलेगा। केंद्र के पूर्व मंत्री ने अपनी चंचल जुबान से एक विकृत विचार दिया। उनका कहना था - अगर चौबीसों घंटे बिजली होगी तो पति पत्नी दोनों टीवी देखते बैठेंगे और इस तरह देश की जनसंख्या कम की जा सकती है।

एक पूर्व मुख्यमंत्री ने महिलाओं के वस्त्र धारण पर पाषाणयुग की टिप्पणियां कर बैठे। यही नहीं बलात्कार कि शिकार लड़कियों का पक्ष लेकर न्याय दिलाने की बजाय उल्टे सवाल कर रहे हैं कि वे ऐसी जगह गई ही क्यों जहां बलात्कार का अंदेशा था। नेता तो शराबियों से भी गई गुजरी सोच लिए कहते रहे - लड़के हैं तो कुछ भी करेंगे, लेकिन बलात्कारों की वजह सिर्फ लड़कियां ही हैं।

कहीं हमारे बुनियादी चिंतन की दिशा ही तो गलत नहीं है?

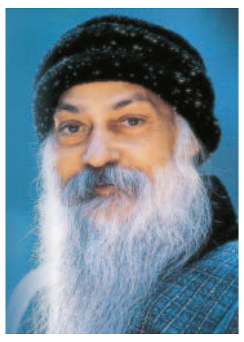

दस हजार वर्षों में जो नहीं हो पाया, वह आगे भी दस हजार वर्षों में होने वाला नहीं है। क्योंकि आदमी यही है, कल भी यही होगा आदमी। आदमी हमेशा से यही है और हमेशा यही होगा। और संस्कृति और धर्म, जिनके हम नारे दिए चले जाते हैं, और संतों और महात्माओं की जिनकी दुहाइयां दिए चले जाते हैं...सोचने के लिए हम तैयार नहीं कि कहीं हमारे बुनियादी चिंतन की दिशा ही तो गलत नहीं है? मैं कहना चाहता हूं कि वह गलत है। और गलत का सबूत है यह आदमी। और क्या सबूत होता है? एक बीज को हम बोएं और फल जहरीले और कड़वे हों तो क्या सिद्ध होता है? सिद्ध होता है कि वह बीज जहरीला और कड़वा रहा होगा। हालांकि बीज में पता लगाना मुश्किल है कि उससे जो फल पैदा होंगे, वे कड़वे पैदा होंगे। बीज में कुछ खोजबीन नहीं की जा सकती। बीज को तोड़ो-फोड़ो, कोई पता नहीं चल सकता कि इससे जो फल पैदा होंगे, वे कड़वे होंगे। बीज को बोओ, सौ वर्ष लग जाएंगे..वृक्ष होगा, बड़ा होगा, आकाश में फैलेगा, तब फल आएंगे..और तब पता चलेगा कि वे कड़वे हैं।

दस हजार वर्ष में संस्कृति और धर्म के जो बीज बोए गए हैं, यह आदमी उसका फल है और यह कड़वा है और घृणा से भरा हुआ है। लेकिन उसी की दुहाई दिए चले जाते हैं हम और सोचते हैं कि उससे प्रेम हो जाएगा।

मैं आपसे कहना चाहता हूं, उससे प्रेम नहीं हो सकता है। क्योंकि प्रेम के पैदा होने की जो बुनियादी संभावना है, धर्मों ने उसकी ही हत्या कर दी है और उसमें ही जहर घोल दिया है।

मनुष्य से भी ज्यादा प्रेम पशु और पक्षियों में और पौधों में दिखाई पड़ता है; जिनके पास न कोई संस्कृति है, न कोई धर्म है। संस्कृत और सुसंस्कृत और सभ्य मनुष्यों की बजाय असभ्य और जंगल के आदमी में ज्यादा प्रेम दिखाई पड़ता है; जिसके पास न कोई विकसित धर्म है, न कोई सभ्यता है, न कोई संस्कृति है। जितना आदमी सभ्य, सुसंस्कृत और तथाकथित धर्मों के प्रभाव में मंदिरों और चर्चों में प्रार्थना करने लगता है, उतना ही प्रेम से शून्य क्यों होता चला जाता है?

जरूर कुछ कारण हैं। और दो कारणों पर मैं विचार करना चाहता हूं। अगर वे ख्याल में आ जाएं तो प्रेम के अवरुद्ध स्रोत टूट सकते हैं और प्रेम की गंगा बह सकती है। वह हर आदमी के भीतर है, उसे कहीं से लाना नहीं है। प्रेम कोई ऐसी बात नहीं है कि कहीं खोजने जाना है उसे। वह है। वह प्राणों की प्यास है हर एक के भीतर, वह प्राणों की सुगंध है प्रत्येक के भीतर। लेकिन चारों तरफ से परकोटा है उसके और वह प्रकट नहीं हो पाती। सब तरफ पत्थर की दीवार है और वे झरने नहीं फूट पाते। तो प्रेम की खोज और प्रेम की साधना कोई पाजिटिव, कोई विधायक खोज और साधना नहीं है कि हम जाएं और कहीं प्रेम सीख लें। **(क्रमशः)**

भगवान शिव क्यों करते हैं अपने मस्तक पर चंद्रमा को धारण?

हिंदू धर्म में महादेव सर्वाधिक पूज्यनीय देवताओं में से एक हैं। उनकी महिमा भी उनके नाम की तरह विख्यात है। हर सोमवार लोग महादेव की पूजा-आराधना करते हैं वहीं इस दिन ग्रहों में चंद्र देव की भी पूजा होती है। आपने अक्सर भगवान शिव की हर प्रतिमा में उनको अपने मस्तक पर चंद्रमा धारण किए हुए देखा होगा। शास्त्रों में भी उनकी छवि में यह बात समाहित की गई है कि भोलेनाथ नें अपने मस्तक पर चंद्रमा को विराजमान किया है। लेकिन ऐसा क्यों है इसके पीछे एक पौराणिक कथा जुड़ी हुई है जिसे आज हम आपको बताने जा रहे हैं तो यह जानने के लिए इस पूरी पौराणिक कथा को अवश्य पढ़िएगा।

चंद्र देव को दक्ष प्रजापित ने दिया था श्राप

पौराणिक कथा के अनुसार एक समय की बात है जब दक्ष प्रजापित की 27 कन्याओं से चंद्र देव का विवाह हुआ था। दरअसल ये वही 27 कन्याएं है जिन्हें नक्षत्र कहा जाता है। जिसमें से वह सबसे ज्यादा रोहणी को पसंद करते थे। इस वजह से बकी की 26 कन्याओं ने अपने पिता दक्ष से यह बात बताते हुए अपना कष्ट प्रकट किया।

यह बात जानकर दक्ष प्रजापति के गुस्से का ठिकाना न रहा और उन्होंने चंद्र देव को श्राप दे डाला। दक्ष प्रजापति ने अपना श्राप वापिस नहीं लिया और जिस कारण चंद्र देव को क्षीण रोग हो गया और उसके कारण 16 कलाएं धीरे-धीरे खत्म होने लगी।

नारद जी ने दिया महादेव की स्तुति की सलाह

यह बात जानकर नारद जी ने उन्हें भोलेनाथ की शरण में जाने का उपाय बताया और शिव स्तुति करने को कहा। चंद्र देव ने वैसा ही किया जैसा नारद जी ने बताया था। चंद्र देव की आराधना करने से महादेव प्रसन्न हुए और उनको प्रदोष काल के दौरान जीवित होने का वरदान देते हुए अपने मस्तक पर विराजित कर लिया।

इस प्रकार वह पुनः नए जीवन को प्राप्त हुए और पूर्णिमा तक फिर से उदय होने लगे। इस प्रकार चंद्र देव को शिव जी की कृपा प्राप्त हुई और दक्ष प्रजापति के श्राप से छुटकारा मिला।

साल 2024 में ये 5 पेड़-पौधे चमका देंगे किस्मत

अगामी नव वर्ष 2024 में धन की तंगी को दूर करने और मां लक्ष्मी की असीम कृपा प्राप्त करने के लिए वास्तु के अनुसार कुछ पेड़-पौधे हैं जिन्हें घर में लगाने से तुरंत धन आगमन होने लगता है। इस बार आप भी नए साल 2024 में अपने घर इन 5 लाभकारी पेड़-पौधों का लगा सकते हैं। साल 2023 का अब समापन होने वाला है। इसी के साथ अब नया साल प्रारंभ होने जा रहा है साल 2024 शुरू होने में अब कुछ ही दिन शेष बचे हैं। फिलहाल नया साल लगने जा रहा है तो इस बार वास्तु के लिहाज से आप अपने घर में कुछ चीजों का परिवर्तन कर सकते हैं और इसी के साथ साल 2024 की शुरूआत कर अपने जीवन में खुशियों की बहार ला सकते हैं। आज हम आपको कुछ ऐसे पौधों के बारे में बताने जा रहे हैं जो वास्तु के लिहाज से बेहद फायदेमंद और घर की धन-संपदा में वृद्धि के तौर पर शुभ माने जाते हैं। इन पौधों को लगाने से साक्षात मां लक्ष्मी की कृपा घर में बरसती है। आइए जानते हैं साल 2024 में वो कौन से पेड़-पौधे हैं जिन्हें घर में लगाने से आपके पास धन-दौलत बनी रहेगी।

2024 में ये 5 पेड़-पौधों दिलाएं धन लाभ

तुलसी- शास्त्रों में तुलसी के पौधे की महिमा बहुत दिव्य बताई गई है। यह साक्षात मां लक्ष्मी का स्वरूप है। यदि आप साल 2024 में अपनी आर्थिक स्तिथि को मजबूत और सुगम बनाना चाहते हैं। तो इस तुलसी के पौधे को घर में लाकर उत्तर-पूर्व दिशा की ओर लगा कर नित्य पूजा करें और शाम को दीप एक दीप सूर्यास्त के बाद अवश्य प्रज्जवलित करें। ऐसा करने से मां लक्ष्मी की कृपा आपको प्राप्त होगी।

मनी प्लांट- आप नए साल के शुभ फल पाना चाहते हैं तो मनी प्लांट को आप अपने घर में लगा सकते हैं। इसका पौधा लगाने से घर में धन की स्थिति मजबूत बनी रहती है। वास्तु के लिहाज से भी इसे लगाना बड़ा अच्छा माना जाता है। मान्यता है कि मनी प्लांट लगाने से घर में शुभता आति है और पॉजिटिविटी घर में बनी रहती है। इस पौधे को घर में वास्तु के अनुसार हमेशा दक्षिण-पूर्व दिशा की तरफ लगाना चाहिए। क्योंकि दक्षिण-पूर्व दिशा श्री गणेश की माना जाती है। इस पौधे को लगाने के बाद एक चीज का ध्यान दें। यदि इसकी पत्तियां पीली पड़ती हैं तो उनको तुरंत निकाल दें वरना आपको धन की हानी हो सकती है।

हरसिंगार- नए साल की शुरुआत आप हरसिंगार के पौधे से कर सकते हैं। हिंदू धर्म में यह पौधा अपने आप में बहुत महत्व रखता है। हरसिंगार में निकलने वाले फूल धन की देवी मां लक्ष्मी की अति प्रिय हैं। वास्तु शास्त्र में हरसिंगाक के पौधे के बारे में बताया गया है कि इसे लगाने से घर की नकारात्मक ऊर्जा समाप्त होती है और घर में सुख-शांति आति है। इसी के साथ इस पौधे की देख रेख करने से घर की सुख-समृद्धि बनी रहती है।

बैंबू प्लांट- अगर आप अपने घर मे बाकई में सुख-संपन्नता चाहते हैं और नकारात्मक ऊर्जा के प्रभाव को घर में कम करना चाहते हैं तो नव वर्ष 2024 में आप बैंबू प्लांट को घर में लगा कर इसके शुभ परिणामों की प्राप्ति कर सकते हैं। धन लाभ के लिहाज से यह प्लांट सबसे शुभ माना जाता है।

जिस जगह इसका पेड़ होता है वहां कभी भी धन की तंगी नहीं रहती है। यह प्रकृति के पांच तत्वों का भी प्रतिनिधित्व करता है। इसमें पृथ्वी, वायु, जल, अग्नि समेत 5 तत्वों का समावेष होता है। इसका छोटा सा पेड़ लेकर एक ग्लास के जार में आप इसे रख सकते हैं।

शमी का पेड़- शमी का पैड़ हिंदू धर्म में अति पवित्र माना जाता है। साल 2024 में इस शुभ पेड़ को आप अपने घर में लाकर लगा सकते हैं। मान्यता है कि इस पेड़ को लगाने से शनि देव प्रसन्न होते हैं और घर में सुख-समृद्ध का आगमन होता है। इस पेड़ को घर में लगाने से मां लक्ष्मी का भी आशीर्वाद मिलता है। जहां पर शमी का वृक्ष लगा होता है वहां नकारात्मक ऊर्जा प्रवेश नहीं करती है।

कड़ी मेहनत और परेशानियों का सामना करने के बाद जो अनुभव मिलता है, वह अनमोल होता है। अनुभव का सही इस्तेमाल करेंगे तो जीवन में सुख-शांति के साथ ही सफलता भी जरूर मिलेगी।

आखिर शत्रुओं को कैसे बनाएं अपना मित्र?

चाणक्य ने बहुत लोगों को सफल बनाया था। उन्होंने अपने सोच विचार को अपने जीवन जीने का सिद्धांत बनाया था। वही सिद्धांत आगे चल कर उनकी नीति बने जिसे आज हम चाणक्य नीति कहते हैं। भले ही चाणक्य आज हमारे बीच में नहीं हैं लेकिन उनकी नीतियां आज भी पढ़ी जाती हैं। कुछ लोगों में उनकी नीतियां पढ़ने की आज भी जिज्ञासा होती है तो वहीं कुछ लोग कामयाब होने के लिए उनकी नीतियां पढ़ते हैं। आज हम चाणक्य की आपको एक ऐसी नीति बताने जा रहे हैं। जिसमें चाणक्य ने बताया है कि यदि आपका कोई अहित करना चाहता है तो उसको कैसे अपने पक्ष में किया जा सकता है।

चाणक्य नीति इस प्रकार से

यस्य चाप्रियमिच्छेत तस्य ब्रूधात सदा प्रियम। व्याधो मृगवधं कर्तुं गीतं गायति सुस्वरम।

आचार्य चाणक्य अपनी इस नीति में श्लोक के माध्यम से यह कहते हैं कि अगर कोई व्यक्ति आपका बुरा करना चाहता है या वो आपसे शत्रुता का भाव रखता है। तो ऐसे लोगों से कभी भी दुश्मनी मोल नहीं लेनी चाहिए।

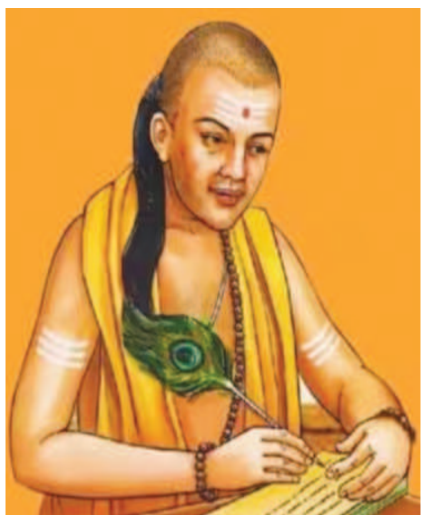

बल्कि उनसे प्रेमपूर्वक बात करें और ऐसे लोगों से मीठे बोल बोलना चाहिए। ठीक उसी प्रकार जिस तरह वन में एक शिकारी हिरण को पाने के लिए मीठे स्वर निकालता है और जब हिरण उन स्वरों से मंत्रमुग्ध हो जाता है तो वह शिकारी के बस में आ जाता है।

नहीं बोलने चाहिए कड़वे वचन

यदि कोई आपका अहित करना चाहता है तो उससे प्रिय वचन बोलें और उसके साथ आप अच्छा व्यवहार रखें। ऐसा करने से वो आपके एक न एक दिन अधीन हो जाएंगे। चाणक्य यहां पर यह बताने की कोशिश कर रहे हैं कि कभी भी किसी से शत्रुता नहीं रखनी चाहिए। यदि कोई आपको हानि पहुंचाना चाहता है या आपसे बैर रखता है तो आप उसके लिए बुरे न बनें और उस व्यक्ति से अच्छा व्यवहार रखें। आपके अच्छे व्यवहार के चलते शत्रु पक्ष भी आपके मित्र बन जाते हैं।

कर लें शत्रुओं की भी अपने अधीन

उन्होंने अपनी इस नीति में यही समझाया है कि जो लोग आपका बुरा सोचते हैं और आपके साथ कठोर व्यवहार करते हैं। उनसे कभी भी दुश्मनी मोल नहीं लेनी चाहिए। यदि उनको सबक सिखाना ही है तो अपने व्यवहार को अच्छा रखें और उनसे मीठे वचन बोलें। एक समय ऐसा आएगा जब वो चाह कर भी आपका बुरा नहीं कर पाएंगे और आपके अधीन हो जाएंगे।

लम्हेटा घाट से हुई थी पिंडदान की शुरुआत किसने किया था पहला पिंडदान

महर्षि जावाली की तपो भूमि जबलपुर अपनी प्राचीनता और रहस्यमय स्थानों के लिए पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। आज हम आपको ऐसी ही एक प्राचीन और रहस्यमय जगह के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां से कहते हैं कि पिंडदान की शुरुआत की गई थी। जहां पहला पिंडदान स्वयं देवों के राजा इंद्रदेव ने अपने पूर्वजों का किया था, जहां आज भी उनके वाहन ऐरावत के पद चिन्ह मजूद हैं। जबलपुर से करीब 10 किलोमीटर की दूरी पर स्थित लम्हेटा घाट में इंद्र गया कुंड मौजूद है। इसके बारे में कहा जाता है कि यहां की गहराई का आज तक कोई पता नहीं लगा पाया है, कई वर्षों में कई विभाग वाले आए लेकिन आज तक कोई भी इसकी गहराई का पता नहीं लगा पाया है और इसी जगह पर पौराणिक कथाओं के अनुसार देवों के राजा इंद्र ने अपने वाहन एरावत पर सवार होकर यहां पर आकर अपने पूर्वजों का पिंडदान किया था कहते हैं इस जगह की गहराई इतनी है कि यहां पर खारी विसर्जन करने के बाद उसे नीचे तक जाने में 24 घंटे लगते हैं।

आज भी यहां मौजूद है एरावत के पैरो के निशान इंद्रगया कुंड में आज भी देवराज इंद्र के वाहन एरावत के पद चिन्ह मौजूद हैं, जो यह दर्शाते हैं कि देवों के राजा इंद्र यहां पर आए थे। इंद्र गया कुंड के पास ही एक चट्टान में पैरों के निशान की आकृति साफ तौर पर दिखाई देती है, जिनके बारे में स्थानीय लोगों का ऐसा मानना है कि यह देवराज के वाहन एरावत के ही पैर हैं। जब इंद्र देव अपने वाहन एरावत पर सवार होकर यहां आकर रुके थे तब उन्होंने यहां अपने पूर्वजों का पिंडदान किया था और जिस जगह पर उनका वाहन रुका हुआ था वहां पर उनके पद चिन्ह आज भी मौजूद हैं। लोगों ने बताया कि इंद्र गया कुंड की गहराई आज तक कोई पता नहीं लगा पाया है। कहते हैं लम्हेटाघाट मध्य प्रदेश के सबसे पुराने घाटों में से एक है, जहां पर कई महापुरुषों ने तपस्या की है।

जिनमें से महर्षि जवाली भी एक हैं जिनके नाम पर जबलपुर को अपना नाम मिला, जहां पर मां नर्मदा की गहराई सबसे ज्यादा है। मान्यता है कि इंद्रदेव ने यहां पर अपने पूर्वजों का पिंडदान किया था और कहते हैं इसी जगह से पिंडदान की शुरुआत भी की गई थी।

श्रुति ने शराब का सेवन करने को लेकर किया चौंकाने वाला खुलासा, कही यह बड़ी बात

अभिनेत्री श्रुति हासन इन दिनों अपनी आगामी पैन इंडिया एक्शन फिल्म को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। इस फिल्म का निर्देशन शेनिल देव कर रहे हैं। बीते दिन शनिवार को निर्माताओं ने इस फिल्म से श्रुति हासन का पहला लुक जारी किया गया है। वहीं, हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में श्रुति ने शराब के सेवन करने के बारे में कई चौंकाने वाले खुलासे किया है।

शराब छोड़ने पर कोई पछतावा नहीं

एक बातचीत के दौरान श्रुति ने शराब का सेवन न करने को लेकर कहा कि उन्हें कोई पछतावा नहीं है। उन्होंने कहा, 'मैं आठ साल से शराब का सेवन नहीं कर रही हूं, इसलिए मैं शांति से अपनी लाइफ जी रही हूं। लेकिन जब आप शराब नहीं पी रहे हों, तो पार्टी में लोगों को बर्दाश्त कठिन हो जाता है। हालांकि, मुझे इस बात का कोई पछतावा नहीं है कि मैं कोई हैंगओवर नहीं कर रही हूं।'

शराब का सेवन करने वाले दोस्तों से बनाई दूरी

श्रुति ने उन दिनों के बारे में बताया जब उन्हें शराब और पार्टी करने की आदत हो गई थी। उन्होंने कहा, 'मैंने कभी ड्रग्स का सेवन नहीं किया है, लेकिन शराब पीने की आदत हो गई थी। मैं हमेशा अपने दोस्तों के साथ पार्टी और शराब पीने की इच्छा रहती थी। कुछ समय बाद मुझे महसूस हुआ कि मैं ज्यादा ही शराब पीने लगी हूं। इसलिए मैंने उन लोगों से दूरी बना ली, जो मुझे लगातार पार्टी करने का सुझाव देते थे और शराब पीने की मेरी समस्याओं को और बढ़ा देते थे।'

'सालार' में आएंगी नजर

श्रुति हासन के वर्कफ्रंट की बात करें तो हाल ही में फिल्म 'वाल्टेयर वीरय्या' में नजर आई थीं। केएस रवींद्र द्वारा निर्देशित इस एक्शन-ड्रामा फिल्म में चिरंजीवी और रवि तेजा भी मुख्य भूमिकाओं में थे। अभिनेत्री की आगामी फिल्म की बात करें तो श्रुति प्रशांत नील द्वारा लिखित और निर्देशित एक्शन थ्रिलर फिल्म 'सालार' में दिखाई देंगी। इस फिल्म में अभिनेता प्रभास मुख्य किरदार में हैं, साथ ही पृथ्वीराज सुकुमारन, जगपति बाबू, टीनू आनंद, ईश्वरी राव, श्रिया रेड्डी और रामचंद्र राजू सहायक भूमिकाओं में नजर

जान्हवी कपूर : मम्मी को खुद की फिल्में देखना पसंद नहीं था, मैं उनके डायलॉग्स को रीक्रिएट नहीं करती

जान्हवी कपूर ने हाल ही में एक खुलासा किया है। इंटरव्यू के दौरान उन्होंने अपनी मां और दिवंगत एक्ट्रेस श्रीदेवी के बारे में बातचीत की। जान्हवी से पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी शीशे के सामने खड़े होकर अपनी मां के डायलॉग्स बोले हैं? क्या कभी खुद की तुलना श्रीदेवी से की है? इस सवाल पर जान्हवी कपूर इमोशनल हो गईं। उनकी आंखों में आंसू आ गए।

सवाल के जवाब में जान्हवी ने कहा- नहीं, मैं मम्मा के डायलॉग्स को रीक्रिएट नहीं करती। जब वे जीवित थीं, उन्हें खुद की फिल्में देखना पसंद नहीं था। उनके निधन के बाद मेरे लिए यह और भी मुश्किल हो गया कि एक एक्टर के तौर पर मैं उनके काम का निष्पक्षता से अध्ययन कर सकूं। मुझे पता है यह कुछ ऐसा है जो आज हर एक्टर करता है, खासतौर से जब मम्मा के काम की बात आती है। लेकिन मैं ऐसा नहीं कर सकती।

जान्हवी ने कहा- अब ज्यादा दबाव महसूस नहीं होता

जान्हवी कपूर जल्द ही 'एनटीआर 30' में जूनियर एनटीआर के साथ साउथ फिल्म

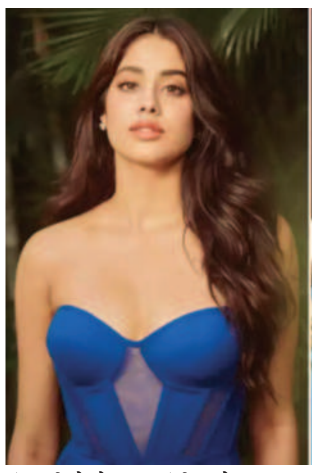

इंडस्ट्री में डेब्यू करेंगी। कोरातला शिवा की डायरेक्शन में बनी यह फिल्म अगले साल 5 अप्रैल को रिलीज होगी। जान्हवी ने आगे कहा- अब जब मैं साउथ इंडस्ट्री में डेब्यू कर रही हूं, तो मैंने मां की पुरानी फिल्में देखना शुरू कर दिया है। हालांकि मैंने कभी भी उनका कोई डायलॉग बोलने की कोशिश नहीं की है।

आजतक के साथ बातचीत के दौरान जान्हवी से पूछा गया कि चूंकि वे बॉलीवुड परिवार से आती हैं और उनकी मां इतनी बड़ी सेलिब्रिटी रही हैं, ऐसे में क्या उन्हें प्रेशर महसूस होता है? क्या ऐसा लगता है कि लोग उनके काम को काफी जज करते हैं? इस बात पर जान्हवी कपूर ने बताया कि हर स्थिति के दो पहलू होते हैं। जो लोग स्टार किड्स नहीं हैं और बाहर से आते हैं उनके लिए पहला मौका पाना बहुत मुश्किल होता है।

बाहर से आए हुए लोगों के लिए चुनौतियां अनोखी हैं क्योंकि वे नहीं जानते कि कहां जाना है या किससे मिलना है। ये सच है कि मुझे उस संघर्ष का सामना नहीं करना पड़ा। मैं बस इस बात से खुश हूं कि मुझे काम करने का मौका मिला। मुझे अब ज्यादा दबाव महसूस नहीं होता।

मेनिफेस्टेशन टेक्निक में यकीन करती हैं जान्हवी

फिल्म 'एनटीआर 30' में जान्हवी कपूर के साथ एनटीआर लीड रोल में हैं। ये फिल्म 5 अप्रैल 2024 को वर्ल्ड वाइड रिलीज होगी। फिल्म को एनटीआर आर्ट्स प्रोडक्शन कंपनी के हरी कृष्णा के और युवा सुंधा आर्ट्स के सुधाकर मिक्किलिनेनी प्रोड्यूस कर रहे हैं।

इस फिल्म की बात करते हुए जान्हवी ने कहा था कि ऐसा कोई इंटरव्यू नहीं होगा जहां मैंने ये न कहा हो कि मुझे जूनियर एनटीआर के साथ काम करना है। शायद ये पहली बार है कि मैनिफेस्ट करने की इस टेक्नीक ने मेरे लिए काम किया।

मेरा ये मानना है की आप यूनिवर्स से जो कहेंगे, वो आपको जरूर मिलेगा। मैंने हमेशा पॉजिटिव माइंडसेट के साथ फिल्मों में काम किया है। जान्हवी ने आगे कहा- मैंने हाल ही में एक बार फिर RRR देखी।

एनटीआर के पास गजब का करिज्मा है। उनके साथ स्क्रीन शेयर करना मेरी लाइफ की सबसे बड़ी खुशी है।

डेविड धवन के साथ चौथी फिल्म के लिए तैयार वरुण

हिट फिल्म मैं तेरा हीरो, जुड़वा 2 और कुली नं 1 के बाद वरुण धवन फिर एक बार पिता डेविड धवन के साथ काम करने वाले हैं। उनकी अपकमिंग फिल्म एक रोमांटिक कॉमेडी होने वाली है, जिसकी शूटिंग अगले साल अप्रैल से शुरू की जाएगी। फिल्म में वरुण के अलावा भी 2 हीरो और 2 बड़ी एक्ट्रेसेस होने वाली हैं।

हाल ही में आई पिंकविला की रिपोर्ट के अनुसार, वरुण धवन ने डेविड धवन की फिल्म साइन कर ली है। फिल्म से जुड़े एक सूत्र के हवाले से रिपोर्ट में बताया गया है कि डेविड धवन पिछले कुछ महीनों से एक अच्छे आइडिया की तलाश में थे। अब फाइनली उन्हें एक आइडिया पसंद आ गया है, जिसकी कहानी के लिए वो बेटे

वरुण धवन को कास्ट कर चुके हैं। वरुण धवन की ये अपकमिंग फिल्म लव स्टोरी, कॉमेडी और कन्फ्यूजन से भरी होगी।

इस फिल्म को अजब प्रेम की गजब कहानी, रेस, रेस 2, भूत पुलिस और मैरी क्रिसमस जैसी फिल्में प्रोड्यूस कर चुके रमेश तौरानी ही प्रोड्यूस करेंगे। फिल्म टिप्स एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनेगी। फिल्म की शूटिंग भारत और विदेश की कुछ चुनिंदा लोकेशन पर होगी। रिपोर्ट्स की मानें तो इस फिल्म की शूटिंग अप्रैल 2024 से शुरू होगी।

फिल्म के लिए 2 बड़ी एक्ट्रेसेस की तलाश जारी है

फिल्म में वरुण धवन की कास्टिंग के बाद अब 2 ए-लिस्टर्स एक्ट्रेसेस की कास्टिंग बची हुई है। इस फिल्म में वरुण के साथ 2 अन्य हीरो भी अहम किरदारों में नजर आने वाले हैं। रिपोर्ट के अनुसार इस फिल्म को अगले साल के आखिर में या 2025 के शुरुआती महीनों में रिलीज किया जा सकता है।

वरुण धवन के पास कई बड़े प्रोजेक्ट

वरुण धवन इन दिनों अपनी अपकमिंग अनटाइटल फिल्म वरुण धवन-18 की तैयारी में लगे हुए हैं, जो 31 मई 2024 को रिलीज होने वाली है। फिल्म को मुराद खेतानी और एटली मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं। इसके अलावा उनके पास सिटाडेल इंडिया भी है, जिसकी अनाउंसमेंट होना अभी बाकी है। पिछली फिल्मों की बात करें तो वरुण आखिरी बार अमेजन प्राइम पर रिलीज हुई फिल्म बवाल में नजर आए हैं। वहीं उनकी आखिरी थिएट्रिकल रिलीज फिल्म भेड़िया है।

फुकरे' के सेट पर ऋचा से फ्लर्ट करते थे अली : बोले- उन्हें इंप्रेस करना आसान नहीं था

अली फजल और ऋचा चड्ढा बॉलीवुड के मोस्ट पॉपुलर कपल में से एक हैं। हाल ही में साइरस ब्रोचा के पॉडकास्ट में,अली फजल ने खुलासा किया कि ऋचा को इंप्रेस करने के लिए उन्होंने बहुत अजीब-अजीब काम किए हैं। कपल पहली बार फिल्म 'फुकरे' में एक साथ नजर आए थे। अली ने बताया ऋचा उन्हें मसान और गैंग ऑफ वासेपुर से ही काफी पसंद आ गई थीं। उन्होंने बताया कि ऋचा बहुत कूल और बिंदास हैं। मैंने उनके जैसी लड़की कभी नहीं देखी, वो बहुत अलग हैं।

अली ने कहा कि वो 'फुकरे' के सेट पर स्क्रिप्ट पढ़ने के दौरान ऋचा से बात करने की कोशिश करते थे। उन्होंने बताया कि स्क्रिप्ट रिहर्सल के दौरान ऋचा उनके सामने बैठी थीं। अली अचानक उनके सामने जाकर बैठ जाते थे, और ऋचा से पूछते थे, क्या आपको ये डिश चाहिए?

जबकि वो डिश ऋचा के उनके सामने ही रखी थी। अली ने कहा- मुझे सोचकर हंसी आती हैं, पता नहीं मुझे क्या हो गया था।

एक इंटरव्यू के दौरान ऋचा ने बताया कि जब पहली बार मां की मुलाकात अली फजल से हुई थी। मुलाकात के दौरान मां को अली बहुत पसंद आए थे और उन्होंने अली की तारीफ में कहा- बड़ा सुंदर लड़का है।

कपल ने वेडिंग डॉक्यूमेंट्री का नाम 'RiAliTY' रखा है। वीडियो में दिखाया गया है कि कपल किस तरह अपना स्पेशल मोमेंट एन्जॉय कर रहे हैं। इसमें कुछ भी फिक्शन नहीं दिखाया गया है। रश्मों रिवाजों में होने वाली मस्ती, मजाक और मन-मुटाव सबकुछ रियल दिखाया गया है। डाक्यूमेंट्री की शुरुआत और बीच-बीच में आपको अली की आवाज में शायरी सुनने को मिलेगी। उनकी आवाज में शायरी इसे और खास बनाती हैं।

ऋचा-अली की लव स्टोरी

ऋचा और अली साल 2012 में फुकरे की शूटिंग के दौरान मिले थे। एक-दूसरे को सात साल तक डेट करने के बाद अली ने ऋचा को शादी के लिए प्रपोज किया था। 2020 में दोनों ने शादी करने का मन बनाया, लेकिन कोविड की वजह से प्लान डिले होता गया।

ऋचा और अली ने मार्च 2020 में कोर्ट मैरिज की थी। इसके बाद दोनों ने रीति रिवाजों के साथ शादी करने का फैसला लिया था, लेकिन पैंडेमिक के कारण शादी की डेट पोस्टपोन होती चली गई।

फिर 2022 में फाइनली ऋचा चड्ढा और अली फजल अपनी फैमिली और फ्रेंड्स के साथ रस्में की। कपल शादी पहले ही कर चुके थे, इसलिए बाद मेंसिर्फ मेंहदी, संगीत और बाकी की रस्में की गई।

एनिमल फेम तृप्ति डिमरी बोलीं- अपना किरदार जज नहीं करती : जोया के प्रति एक सॉफ्ट कॉर्नर था

रणबीर कपूर स्टारर 'एनिमल' में जोया का किरदार निभाकर फेमस हुईं एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी ने साल 2017 में अपने करियर की शुरुआत की थी। उनकी डेब्यू फिल्म श्रीदेवी स्टारर 'मॉम' थी। इसके बाद तृप्ति 'पोस्टर बॉयज', 'लैल मजनू', 'बुलबुल' और 'कला' जैसे प्रोजेक्ट्स में नजर आईं। अगले साल तृप्ति की दो फिल्में रिलीज होने वाली हैं। हालांकि, इन दिनों वे फिल्म एनिमल की सक्सेस एंजॉय कर रही हैं। तृप्ति ने बताया कि उन्हें यह फिल्म कैसे मिली। जवाब- मुझे टी-सीरीज से कॉल आया था। पहली मुलाकात में तो फिल्म या किरदार को लेकर ज्यादा बातें हुई नहीं। संदीप सर ने उस मीटिंग में बस मेरी पसंदीदा फिल्मों की चॉइस को लेकर सवाल किए थे। उन्होंने अपने कुछ एक्सपीरियंस भी शेयर किए।

फिर दूसरे दिन भी उन्होंने मुझे बुलाया। उस दिन उन्होंने मुझे मेरे रोल के बारे में बताया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि वो मुझसे झूठ नहीं बोलेंगे। यह किरदार थोड़ा नेगेटिव है। लोग जोया के रूप में मुझे देखें तो थोड़ा नेगेटिविटी महसूस करें।

उनका कहना था कि इस किरदार को ऐसे निभाना है कि दर्शकों को जोया की आंखों में रणविजय के लिए प्यार ही नजर आए पर हीरो को लेकर जो उसका मोटिव है, वो जोया के दिल में ही रहे। यह चीज मुझे बड़ी पेचीदा लगी। मैंने इसे चैलेंज की तरह लिया। मैंने मन बना लिया और फिर जो हुआ वो सब मैजिक था। उनके साथ काम करने में बहुत मजा आया।

मुझे तो जोया बहुत ही परेशान लगती है। उस किरदार को जब हम बिल्ट-अप कर रहे थे तो डायरेक्टर से काफी बातें हुईं थीं। वह इसलिए कि जोया दिखती तो बड़ी मासूम है पर उसे बहुत बड़े काम की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वह भी तब, जब हीरो गुस्सैल है। जोया फिर भी जोखिम उठाती है। हालांकि, जोया खुद भी जिस बैकग्राउंड से आई है, वहां भी बड़े खतरनाक लोग हैं। मेरे हिसाब से कोई भी लड़की जोया जैसी सिचुएशन में रही होती तो उसके पास भी ज्यादा ऑप्शन नहीं रहते। लिहाजा बतौर तृप्ति डिमरी मैंने जोया के प्रति अपने दिल में काफी सॉफ्ट कॉर्नर बना लिया था। इसके अलावा एक कलाकार होने के नाते मैंने नियम बनाया हुआ है कि मैं अपने निभाए जाने वाले किरदार को कभी जज नहीं करती। किरदार को जब आप जज करने लगेंगे तो आप उसे ईमानदारी से निभा नहीं पाते। तो जोया को लेकर जितने भी सवाल थे, उन सबको मैंने अपने भीतर ही ढूंढा।

स्ट्रॉन्ग लड़कियां इस किरदार से बिल्कुल कनेक्ट कर सकती हैं। जोया जिस बहादुरी का काम करने आई है, वह कोई दिलेर लड़की ही कर सकती है। ऐसा खतरनाक काम करने की हिम्मत आम लड़कियों में नहीं होती।

फिर रणविजय जैसे इंसान के मोहब्बत में पड़कर भी शादी से इनकार करने की हिम्मत भी एक स्ट्रॉन्ग लड़की में ही हो सकती है। वह हीरो को सब सच भी बताती है, जबकि उसका अंजाम कुछ भी हो सकता है। ये सब जोखिम तो एक स्ट्रॉन्ग युवती ही उठा सकती है।

मुझे ज्यादा वक्त नहीं लगा हां या ना बोलने में। ऐसा इसलिए क्योंकि यह किरदार मुझे रोचक लगा। मैंने अपने शुरुआती दिनों में ही खुद से वादा किया था कि मैं वो ही काम करूंगी, जिससे मेरे अंदर के एक्टर को संतुष्टि और चुनौती दोनों मिलें। उन किरदारों को तो जरूर निभाऊंगी, जिन्हें निभाने में शुरू से ही डर महसूस हो।

जो आसान है, ऐसे किरदार को निभाकर क्या करना? फिल्म अच्छा करेगी, वह तो अंदाजा था। पर इतना अच्छा कर जाएगी, यह मालूम नहीं था। अपने किरदार को लेकर मैंने यह सोचा था कि इसकी लेंथ काफी छोटी है। पता नहीं, लोग मुझे नोटिस करेंगे या नहीं। हां इतना जरूर पता था कि जो मेरी पुरानी ऑडियंस है, 'कला' और 'बुलबुल' वाली वो जरूर जोया को देखकर चौंक जाएगी।

पहली बाइक बेचकर रोने लगे थे जॉन अब्राहम : कहा- तकरीबन 17 हजार में खरीदी और 21 हजार में बेची

17 दिसंबर को बॉलीवुड एक्टर जॉन अब्राहम का जन्मदिन हुआ। एक्टर 51 साल के हो गए हैं। जॉन ने बतौर मॉडल के रूप में अपने करियर की शुरुआत की। मॉडलिंग के बाद उन्होंने जल्द ही एक्टिंग में भी कदम रखा और इंडस्ट्री में अच्छा नाम कमाया। जॉन एक्टिंग के अलावा बाइक के प्रति अपने जुनून के लिए भी जाने जाते हैं। एक इंटरव्यू के दौरान एक्टर ने खुलासा किया था कि वे अपनी पहली बाइक बेचने के बाद रोने लगे थे।

जॉन अब्राहम बाइक से इमोशनल जुड़ाव महसूस करते हैं

मॉडल से एक्टर बने जॉन ने अपने करियर में कई सफल फिल्में दी हैं। टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक साल 2014 में, जॉन दिल्ली में एक बाइकिंग इवेंट में भाग ले रहे थे। इस दौरान एक्टर से बाइक के बारे में बातचीत की गई। पल भर का पॉज (विश्राम) लेकर जॉन ने कहा- जब बाइक की बात आती है, मैं बिना रुके हमेशा बात कर सकता हूं। आगे जॉन ने अपनी पहली बाइक के बारे में कुछ इमोशनल किस्से शेयर किये। उन्होंने कहा- जब मैंने अपनी पहली बाइक बेची तो मैं रोने लगा था, क्योंकि मुझे बहुत दुख हुआ था। मैं बाइक से इमोशनली जुड़ाव महसूस करता हूं।

मेरी पहली बाइक यामाहा आरडी 350 थी। अपने रोने के पीछे का कारण बताते हुए जॉन ने कहा कि वह बाइक उन्होंने एक पारसी व्यक्ति से 17,500 रुपये में खरीदी थी। तीन साल बाद मैंने उसी बाइक को 21 हजार रुपए में बेच दिया था। आप कल्पना कर

सकते हैं कि मैंने बाइक को कितनी अच्छी तरह से मेनटेन (रख-रखाव) किया था। इसलिए जब मैंने बाइक बेची तो मैं रोने लगा था। मैं वास्तव में बहुत दुखी था।

'धूम' फिल्म में जॉन ने बाइकर का किरदार निभाया था

जॉन अब्राहम को बाइक्स का जबरदस्त शौक है। ऐसे में उनके घर में बाइक्स का एक अच्छा कलेक्शन भी है। उनके महंगे और स्टाइलिश बाइक कलेक्शन में अलग-अलग ब्रांड्स की बाइक्स शामिल हैं। साल 2004 में रिलीज हुई फिल्म 'धूम' में जॉन ने एक चोर का किरदार निभाया था, जो कि अपने गैंग के साथ काफी तेज बाइक चलाता है। यह फिल्म यशराज बैनर तले रिलीज हुई थी जिसमें जॉन ने एक नेगेटिव रोल निभाया था। फिल्म ऑडियंस को काफी पसंद आई थी और एक ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी।

फिल्म 'धक धक' के बारे में खुशी जाहिर की

हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'धक धक' के बारे में भी जॉन ने अपनी खुशी जाहिर की। यह एक रोड एडवेंचर ड्रामा फिल्म है जिसमें दीया मिर्जा, फातिमा सना शेख, संजना सांघी, रत्ना पाठक को बाइक चलाते देखा गया है। जॉन ने कहा- इस तरह का कंटेंट बनाने का साहस दिखाने के लिए तापसी को बहुत-बहुत बधाइयां। इस तरह की फिल्में बहुत खास होती हैं ।

अब समय आ गया है कि हम देखें कि बहुत सी महिलाएं अपनी जिंदगी खुद जीती हैं। मैं चाहता हूं कि महिलाएं बाहर जाएं। इस धारणा को दूर करें कि महिलाएं बाइक नहीं चला सकतीं।

मैं हमेशा चाहता था कि हर कोई बाइक्स को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाए। फिल्म बाइक का जश्न मनाने से कहीं अधिक है, यह जीवन का जश्न मनाने के बारे में है। बता दें, फिल्म को तापसी पन्नू ने को-प्रोड्यूस किया था।

'वॉर 2' में नजर आएंगे जॉन

जॉन अगले साल 'वॉर 2' में ऋतिक रोशन और टाइगर श्रॉफ के साथ नजर आएंगे। इसके अलावा जॉन अक्षय कुमार के साथ हाउसफुल फिल्म की अगली फ्रेंचाइजी में भी दिखाई देंगे।

नर्सिंग के क्षेत्र में करियर बनाने की अपार संभावनाएं

हे देश की अर्थव्यवस्था तेजी में हो या वह मंदी का सामना कर रही हो, कुछेक क्षेत्र ऐसे भी हैं जिन पर अर्थव्यवस्था के उतार-चढ़ाव का कोई असर नहीं होता और आने वाले समय में भी इन पर ऐसा कोई असर होने की सम्भावना नहीं है। मंदी से पूर्णतः बचे रहने वाले क्षेत्रों में से ही एक है स्वास्थ्य सेवा उद्योग का क्षेत्र। स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में से नर्सिंग के क्षेत्र में करियर बनाने की अपार संभावनाएं हैं। यह ऐसा पेशा है जिसमें नौकरी के साथ-साथ समाज सेवा का भी मौका मिलता है।

सम्भावनाएं :आज की तारीख में भी हमारे देश में स्वास्थ्य क्षेत्र में विकास और आधारभूत संरचना के निर्माण की आवश्यकता है। देश की जनसंख्या के हिसाब से हमारे यहां अस्पतालों और चिकित्सा सेवा मुहैया करवाने वाले विभिन्न प्रोफैशनल्स की संख्या काफी कम है। यही कारण है कि देश में लगातार सरकारी और निजी क्षेत्रों में नए अस्पताल, क्लीनिक्स, डिस्पेंसरीज, मैडीकल कॉलेज आदि खुल रहे हैं जिनमें अन्य प्रोफैशनल्स के साथ-साथ नर्सिंग विभाग में काम करने के लिए प्रशिक्षित नर्सों की बड़े पैमाने पर आवश्यकता है।

खास बात है कि अब महिलाओं के साथ-साथ पुरुषों की भी इस क्षेत्र में मांग बढ़ती जा रही है।

स्पैशलाइजेशन : नर्सिंग के तहत अलग-अलग क्षेत्रों में स्पैशलाइजेशन की जा सकती है जिनमें कार्डिएक नर्सिंग, न्यूरोलॉजिकल नर्सिंग, एमरजैंसी केयर आदि शामिल हैं। विविध क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त नर्सों को अस्पतालों में इन विशेष विभागों में नियुक्त किया जाता है और उन्हें सामान्य नर्सों से अधिक पारिश्रमिक अदा किया जाता है। इस प्रकार विशेषज्ञता हासिल कर सीधे उच्च स्तर पर नौकरी हासिल करके युवा अपना भविष्य संवार सकते हैं।

नौकरी :* अस्पतालों, क्लीनिक्स से लेकर रैडक्रॉस और विभिन्न मैडीकल एवं नर्सिंग कॉलेजों तक में नर्सों की मांग बनी रहती है। नर्सिंग में बी.एससी. करने के बाद चिकित्सा क्षेत्र और विभिन्न नर्सिंग स्कूलों और कॉलेजों में काम मिल सकता है।

* नर्सिंग में एम.एससी. करने के बाद प्रशासनिक पद भी मिल सकता है। किसी नर्सिंग कॉलेज में प्रिंसीपल बना जा सकता है या किसी स्टेट काऊंसलिंग या इंडियन नर्सिंग स्कूल में रजिस्ट्रार के पदों पर भी नियुक्ति मिल सकती है। * एम.फिल और पी.एचडी. करने के बाद आप शोधकर्ता

या रिसर्च को-आर्डीनेटर के रूप में काम कर सकती हैं। * ए.एन.एम. (ऑग्जिलरी नर्सिंग मिडवाइफरी) या जी.एन. एम. (जनरल नर्सिंग एंड मिडवाइफरी) जैसे डिप्लोमा पास कर हैल्थकेयर सेंटर या अस्पतालों में मल्टीपर्पज वर्कर और केयर प्रोवाइडर्स रूप में काम मिल जाता है।

योग्यता:पहला मार्ग : 10वीं के बाद ए.एन.एम. (ऑग्जिलरी नर्सिंग मिडवाइफरी) कोर्स किया जा सकता है। यह 2 वर्ष का डिप्लोमा प्रोग्राम है।

दूसरा मार्गः नर्सिंग के क्षेत्र में करियर बनाने की चाह रखने वाली छात्राएं चाहें तो 12वीं के बाद साढ़े 3 वर्ष का जी.एन.एम. (जनरल नर्सिंग एंड मिडवाइफरी) कोर्स कर सकती हैं।

तीसरा मार्ग : 4 साल के बी.एससी. नर्सिंग प्रोग्राम के लिए बायोलॉजी सहित विज्ञान विषयों में 12वीं कक्षा पास होनी चाहिए। इसके बाद एम.एससी. या पी.एच.डी. भी की जा सकती है।

कुछ प्रमुख संस्थान

* ऑल इंडिया इंस्टीच्यूट ऑफ मैडीकल साइंसेज, दिल्ली

* आर.ए. के. कालेज ऑफ नर्सिंग, दिल्ली

* आर्ड फोर्सेज मैडीकल कॉलेज, पुणे, महाराष्ट्र

* सेंट स्टीफंस अस्पताल, दिल्ली

नर्सिंग के बाद नौकरी के अवसर

इस विवाह सीजन के ये फिंगर रिंग जरूर करें ट्राई

ज्वैलरी के बिना महिला की लुक अधूरी सी लगती है। भारतीय महिला की गहनों वाली तिजोरी में आपको ईयररिंग्स-रिंग्स, कंगन और नेकलेस की अच्छी खासी कलैक्शन मिल जाएगी। रिंग्स भी उनकी ज्वैलरी का खास हिस्सा हैं क्योंकि हाथों की खूबसूरती को डिफाइन करने का काम रिंग्स करती हैं। बस जरूरत होती हैं सही अंगूठी का चुनाव करने की। कैजुअल-पार्टीवियर, कॉकेटल और ब्राइडल स्टेटमेंट रिंग्स, आपको आकेशन और पसंद के हिसाब से बाजार से आसानी से मिल जाएगी। चलिए आज रिंग्स की वैरायिटीज पर ही बात करते हैं जो इस समय काफी ट्रैंड में हैं।

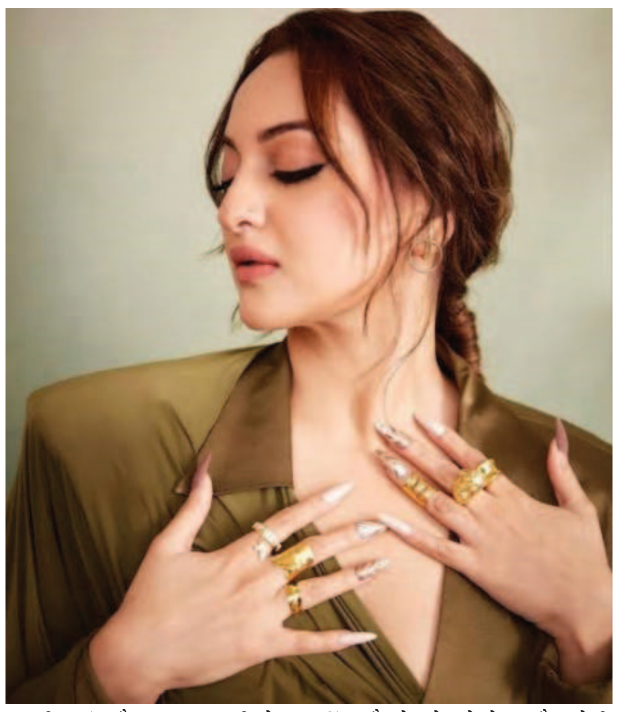

फुल फिंगर रिंग्स

फुल फिंगर रिंग आजकल बहुत ज्यादा ट्रेंड में है। ये रिंग्स बॉलीवुड एक्ट्रेस की तो फेवरेट हैं। सोनाक्षी सिंह को अकसर ये रिंग्स पहने देखा गया है। इन रिंग्स का एक सेट होता है, जिसमें दोनों हाथों के लिए 10 रिंग्स होती हैं। किसी रिंग को उंगली

के बीच में पहन जाता है तो किसी को उंगली की शुरुआत में। इस रिंग को आप इंडो-वैस्टर्न या वैस्टर्न ड्रेस के साथ पहन सकती हैं। ये रिंग्स ज्यादातर पतली और लंबी उंगलियों पर अच्छी लगती हैं। वहीं अगर लंबे नाखूनों पर नेलआर्ट करवाया हो तो और भी ज्यादा क्लासी लुक देती है।

डायमंड रिंग

डायमंड रिंग, लड़कियों की पहली पसंद है। हर तरह की ड्रेस के साथ ये अच्छी लगती है। बाजार में आपको हर कलर के डायमंड वाली रिंग्स मिल जाएगी, लेकिन सबसे बेस्ट और डायमंड रंगहीन हीरा ही होता है। जो डायमंड जितना क्लियर दिखता है, उतना ही महंगा भी होता है। ये सारे राउंड कट, प्रिंसेस कट , कुशन कट, एमरेल्ड कट जैसे कई सारे शेप्स में मिलते हैं।

चेन फिंगर रिंग

शादी या किसी इवेंट में हाथों को ज्वैलरी से सजाना चाहती हैं चेन फिंगर रिंग बेस्ट ऑप्शन है। इसमें

रिंग और ब्रेसलेट में चेन अटैच होती है। ये आपके हाथों को आकर्षक लुक देगा। चेन फिंगर रिंग एक से ज्यादा उंगलियों पर पहनी जा सकती है। इसमें एक या उससे ज्यादा रिंग चैन की मदद से एक-दूसरे में जकड़े होते हैं। ये रेगुलर वियर रिंग्स नहीं है। इन्हें सिर्फ खास मौकों पर ही पहना जा सकता है।

कॉकटेल या स्टेंटमेंट ब्राइडल रिंग

अगर आप ज्यादा ज्वैलरी पहने बिना ही फैशनेबल दिखना चाहती हैं तो कॉकटेल रिंग को ट्राई करें। बिग और बोल्ड साइज की ये रिंग आपको बहुत स्टाइलिश लुक देगी। इंडियन और वेस्टर्न, दोनों ही तरह के आउटफिट्स के साथ भी इसे पहना जा सकता हैं। सिर्फ 1 रिंग ही इतनी यूनिक होती हैं कि गेटअप अलग ही दिखती हैं।

फोर फिंगर रिंग

अगर आपको एक से ज्यादा उंगलियों में रिंग डालकर अपनी हाथों की शोभा बढ़ानी है तो फोर फिंगर रिंग ट्राई करें। ये चार अलग-अलग डिजाइन में होती हैं, जिससे देखकर ऐसा नहीं लगता है कि आपस में जुड़ी हुई हैं। ये रिंग्स भी रेगुलर नहीं है। ये खास मौकों पर ही पहनी अच्छी लगती है।

नेल आर्ट रिंग

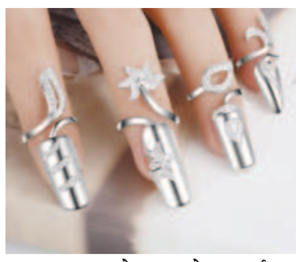

अगर आपके पास नेल आर्ट का वक्त नहीं है तो नेल आर्ट रिंग ट्राई कर सकते है। इसे रिंग को उंगली के नाखूनों के ऊपर पहना जाता है। वेस्टर्न वियर के साथ पहनने के लिए नियोन या फिर ब्लैक ऐंड व्हाइट शेड की नेल आर्ट रिंग खरीदें और इंडियन आउटफिट के साथ पहनने के लिए ज्वैल्ड नेल आर्ट रिंग चुनें। ये आपको काफी हट के लुक देगा।

'टैक्निकल राइटिंग' में रोजगार के मौके

खन एक कला है और लिखने के लिए जरूरी नहीं ले हर सेकका है और बिलखने लिए जुकरी जती हो, लेकिन दो बातें जरूरी हैं पहली यह कि उसे समझ होनी चाहिए कि क्या लिखा जाना है और दूसरी कि जो लिखना है उसके लिए उसकी तैयारी उचित हो।

जानकारियां जितनी ज्यादा होंगी, लिखी जाने वाली बातें गहराई तक असर छोड़ेंगी, लेखन से जुड़े छात्रों को कई बार इस बात का एहसास ग्रेजुएशन या पोस्ट ग्रेजुएशन करते समय होता है कि वे अच्छा लिख सकते हैं।

यहां हम टैक्निकल राइटिंग के बारे में बात कर रहे हैं जिसमें लेखक आमतौर पर उसी क्षेत्र से संबद्ध होते हैं। चूंकि उन्होंने उस क्षेत्र में पढ़ाई-लिखाई की होती है, वे आसानी से जानकारियां सांझा कर पाते हैं।

टैक्निकल राइटिंग में सबसे बड़ी बात है कि आपकी इसमें रुचि होनी चाहिए और अगर रुचि है तो आप बिना किसी कोर्स के भी काम कर सकते हैं। यह भी देखा गया है कि जिनकी रुचि है उन्होंने ब्लॉग या इंटरनैट के माध्यम से कुछ किताबों को पढ़कर टैक्निकल राइटिंग को सीखा व समझा व धीरे-धीरे उन्होंने लिखना शुरू किया। आज वे टैक्निकल राइटिंग में अच्छी-अच्छी किताबें लिख रहे हैं या लिख भी चुके हैं। टैक्निकल राइटिंग करते समय पहले संबंधित किताबों को अवश्य पढ़ लें, कोशिश करें कि उन सफल

किताबों को ही रैफर करें जिन्हें लोगों ने पसंद किया हो।

यह बात बिल्कुल स्पष्ट है कि तकनीक से जुड़े लेखन के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है उस खास प्रोडक्ट के बारे में विस्तार से जानकारी के साथ-साथ बेहतर लेखन कला की समझ। कारण है कि तकनीक से जुड़ी बातों को आसान करके लिखने की कोशिश

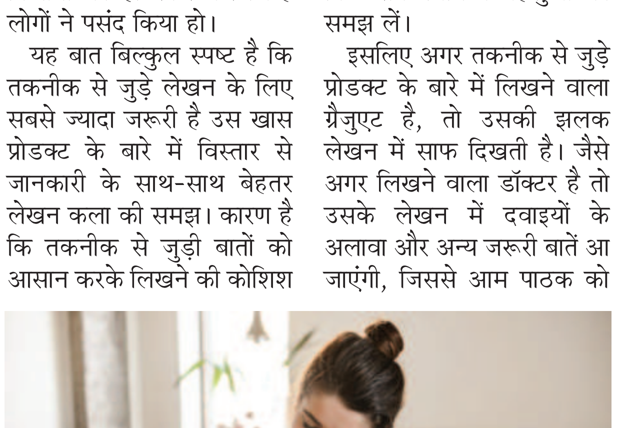

की जाती है ताकि उसको पढ़ने वाले बिना दिक्कत समझ सकें।

ध्यान में रखें ये जरूरी बातें

टैक्निकल राइटिंग के लिए सबसे पहले इस बात का ध्यान रखना है कि आखिरकार जिस खास प्रोडक्ट के बारे में लिखना है कि उसके विभिन्न पहलुओं को समझ लें।

इसलिए अगर तकनीक से जुड़े प्रोडक्ट के बारे में लिखने वाला ग्रैजुएट है, तो उसकी झलक लेखन में साफ दिखती है। जैसे अगर लिखने वाला डॉक्टर है तो उसके लेखन में दवाइयों के अलावा और अन्य जरूरी बातें आ जाएंगी, जिससे आम पाठक को जानकरी भी मिलेगी और उसका फायदा भी मिलेगा।

आम लोग समझ पाते हैं कि इसका इस्तेमाल कैसे किया जा सकता है, इसके इस्तेमाल से क्या-क्या फायदें हो सकते हैं। जाहिर है कि उस प्रोडक्ट के बारे में जानकारी न रखने वाले अगर उसके बारे में लिखेंगे तो कई जरूरी बातें छूट भी सकती हैं। हालांकि, क्षेत्र से नाता न रखने वाले लेखक भी लिख सकते हैं पर उन्हें ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी और प्रोडक्ट के बारे में जानकारी इकट्ठा करने के लिए अधिक तैयारी भी करनी पड़ेगी।

कोर्स : अगर आप टैक्निकल राइटिंग में रुचि रखते हैं और इसको सही दिशा में ले जाना चाहते हैं, तो आपको टैक्निकल राइटिंग प्रोग्राम में नामांकन से और मदद मिलेगी। इस प्रोग्राम का सबसे बड़ा फायदा है कि आप तकनीक से जुड़े शब्दों को आसानी से समझ पाते हैं और अपने लेखन को निखार सकते हैं।

असल में टैक्निकल राइटिंग का स्वभाव ऐसा है कि ज्यादातर कोर्स आपको ऑनलाइन ऑफर किए जाते हैं, टैक्निकल राइटिंग के लिए जो प्रोग्राम डिजाइन किए जाते हैं, वे आपको अपने काम के लिए हर स्तर पर बेहतर जिम्मेदार और प्रोफैशनल बनाते हैं। इसके अलावा ये प्रोग्राम छात्रों को क्रिएटिव, प्रोडक्ट को अच्छे ढंग से समझने और सही समय पर क्लाइंट को काम करके देने के लिए अनुशासित बनाता है।

जरूरी खूबियां : टैक्निकल राइटिंग के लिए सबसे जरूरी है कि लेखक को अंग्रेजी भाषा की अच्छी समझ हो और साथ में उस भाषा की भी, जिसमें वे लिखे रहे हैं। उनकी जिम्मेदारी है कि वे तमाम जानकारियों को समझ में आने योग्य ढंग से लिखें।

रेलवे में अप्रेंटिस के 3015 पदों पर निकली भर्ती, 10वीं पास को मौका

पश्चिम मध्य रेलवे ने अप्रेंटिस के पदों पर भर्ती निकाली है। उम्मीदवार डब्ल्यूसीआर की ऑफिशियल वेबसाइट wcr. Indian-railways.gov.in पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन : मान्यता प्राप्त बोर्ड से न्यूनतम 50% अंकों के साथ 10वीं कक्षा की परीक्षा या इसके समकक्ष (10+2 परीक्षा प्रणाली के तहत) पास होना चाहिए। एनसीवीटी/एससीवीटी द्वारा जारी अधिसूचित ट्रेड में राष्ट्रीय व्यापार प्रमाणपत्र भी होना चाहिए।

आयु सीमा : उम्मीदवारों की आयु 15 से 24 वर्ष के बीच होनी चाहिए।

फीस :जनरल : 136 रुपए एससी, एसटी, पीडब्ल्यूबीडी और महिला : 36 रुपए

सिलेक्शन प्रोसेस : उम्मीदवारों का सिलेक्शन मेरिट लिस्ट के आधार पर किया जाएगा। मेरिट लिस्ट 10वीं कक्षा की परीक्षा या इसके समकक्ष (10+2 परीक्षा प्रणाली के तहत) और आईटीआई/ट्रेडमार्क में प्राप्त अंकों के आधार पर तैयार की जाएगी।

ऐसे करें आवेदन :ऑफिशियल वेबसाइट https://wcr.indianrailways.gov.in पर जाएं।

होमपेज पर उपलब्ध हाइलाइट किए गए टैब पर क्लिक करें।

न्यू लॉगिन पर क्लिक करें।

अपना लॉग इन डिटेल्स दर्ज करके फॉर्म भरें।

फीस का भुगतान करके फॉर्म डाउनलोड करें।

आगे की जरूरत के लिए इसका प्रिंट आउट लेकर रखें।

हमेशा बच कर रहो 'क्रोध' से

कार्यस्थल पर कर्मचारियों में टकराव तो होते ही रहते हैं परंतु इन दिनों कार्यस्थलों पर टकरावों की संख्या में पहले की तुलना में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।

आपसी टकरावों मनमुटावों में इस बढ़ौतरी का प्रमुख कारण है कर्मचारियों पर बढ़ ता काम का दबाव। इसके कारण अक्सर ही उन्हें तनाव के उच्च स्तरों का सामना और करना पड़ता है।

यहां इस बात के बारे में विचार करना जरूरी है कि आपके बॉस अथवा सहकर्मी की कौन-सी बात आपको क्रोधित करती है। चाहे आपका बॉस हो या सहकर्मी उससे बात करने से पहले सारे प्वाइंट्स सोच लें और जो कहना है उसे पहले ही सोच कर रखें। ठीक तरीके से समझाएं कि जो हो रहा है वह एक समस्या क्यों है।

कार्यस्थल पर जब भी किसी मुद्दे पर मनमुटाव होता है तो अक्सर निजी बातें उठने लगती हैं। कुछ लोग तो खराब प्रदर्शन पर टोकते ही अपनी निजी परेशानियों का रोना रोने लगते हैं। इस प्रकार के लोगों सख्ती से से पेश आने की जरूरत है क्योंकि काम के बीच निजी मुद्दों को लाना गलत बात है।

कार्यस्थल पर अच्छे दोस्तों में भी आपसी रिश्ते में दरार पड़ सकती है। नजदीकी दोस्तों या पार्टनर्स में मनमुटाव होने पर जरूरी है कि किसी तीसरे व्यक्ति की सहायता ली जाए। वह एच.आर. या मध्यस्थ हो सकता है।

खुद पर 'शक' मत करना

टाइम मैनेजमेंट का सबसे बड़ा सूत्र है अपना लक्ष्य निर्धारित करना। जब आपका उद्देस्य आपके सामने होगा तो आप टाइम मैनेजमैंट भी उसी के अनुसार कर पाएंगे।

वर्ष 1996 में दक्षिणी अफ्रीका के तत्कालीन राष्ट्रपति नैल्सन मंडेला को जब उनके विश्व में शांति प्रयासों के लिए भारत सरकार ने सम्मानित किया तो एक पत्रकार ने उनसे पूछा, ₹आपने अपनी जिंदगी के 27 साल जेल में बिताए। क्या आपकी कोई तकलीफ नहीं हुई?

मंडेला ने मुस्कराकर जवाब दिया तकलीफ तो तब होती है जब मैं अपने लक्ष्य पर शक करता । आंखों सामने लक्ष्य मेरी के मेरा स्पष्ट था। जो इंसान अपने लक्ष्य के प्रति श्रद्धा रखता हो, जिस पर उसका अटूट विश्वास हो, भला उसे किस प्रकार की तकलीफ हो सकती है।

नैल्सन मंडेला के शब्दों को मैं कुछ इस तरह से लेता हूं कि अगर लक्ष्य स्पष्ट हो तो उसकी प्राप्ति के रास्ते में आने वाली हर मुश्किल आसान हो जाती है। कांटे भी फूल की तरह लगने लगते हैं। शरीर के जख्म भी सकून देने लगते हैं।'

जरूरी है कि आपको खुद पर आत्मविश्वास हो। यह एक ऐसी चीज है जो आपको खुद पर भरोसा करने की भावना प्रदान करता है और इसके परि णाम स्वरूप मन मजबूत और खुश रहता है जिससे आप सफलता पाते हैं।

'सफल लोगों' की क्या विशेषताएं होती हैं

प्रत्येक व्यक्ति जीवन में सफलता की कामना करता है लेकिन कम लोग ही ऐसे होते हैं जिन्हें सफलता हासिल कर अपनी उपलब्धियों से संतुष्ट होने का अवसर मिलता है।

सफलता में बहुत से गुणों का योगदान होता है। कौन-सी विशेषताएं एक व्यक्ति को सफल बनाती हैं, व्यवहार विज्ञानियों द्वारा काफी समय से इस पर अध्ययन किया जाता रहा है। सफल लोगों की सोच, प्रवृत्तियों और जीवन शैली पर विभिन्न प्रकार के सर्वेक्षण भी किए जाते रहे हैं।

यह आवश्यक नहीं कि कामयाबी के शिखर पर पहुंचे सभी लोगों का जीवन एक जैसा रहा हो लेकिन कुछ ऐसी विशेषताएं जरूर हैं जिन्हें अधिकांश सफल व्यक्तियों में मौजूद पाया गया है। आइए हम भी जानें कि ये विशेषताएं कौन सी हैं, जिन्हें अपनाकर हम और आप सफलता के मार्ग पर अपने कदम बढ़ा सकते हैं।

सहज बुद्धि का प्रयोगः सफल लोगों पर किए गए एक अध्ययन से यह बात उभर कर सामने आई कि सहज बुद्धि, जिसे हम कामनसैंस कहते हैं को वे अपनी सफलता का एक अत्यंत प्रमुख कारण मानते हैं। मानसिक रूप से स्वस्थ प्रत्येक व्यक्ति सहज बुद्धि से युक्त होता है। हां, यह किसी में कम और किसी में ज्यादा हो सकती है लेकिन सहज बुद्धि का कम या अधिक होना उतना महत्वपूर्ण नहीं है जितना यह कि इसका उपयोग कैसे किया जाता है। ऐसा करने के लिए स्थिति और समस्याओं की गहरी समझ विकसित करना तथा पूर्वाग्रहों से मुक्त होना आवश्यक है। अनुभवी लोगों की संगत में रहकर, अपनी तथा दूसरों की गलतियों से सबक लेकर हम अपनी सहज बुद्धि को प्रखर बना सकते हैं।

गहरा अध्ययन : सफल लोगों की एक और खासियत यह पाई जाती है कि वे अपने क्षेत्र या विषय में पूरा दखल रखते हैं।

इसलिए आपने अपने अध्ययन या कुशलता के लिए जो भी क्षेत्र चुना हो, के स्ताव का ज्ञान क्षेत्र सेना SUC करने के लिए जो भी कीमत चुकानी पड़े चुकानी चाहिए। ज्ञान प्राप्त करने की यह कोशिश पूरे मन से भी जुड़ी होनी चाहिए। बेमन से किए गए प्रयासों में आपका समय तो व्यर्थ होता ही है आपको वांछित परिणाम हासिल करने में बाधाएं भी आती हैं।

स्पष्ट लक्ष्य : सफलता के लिए आवश्यक है कि हम उद्देश्य के प्रति स्पष्ट हों और साथ ही यह समझने में समर्थ हों कि इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए हमारी कार्य योजना क्या होनी चाहिए। दृढ़ इच्छाशक्ति सफल लोगों का अनिवार्य गुण रहा है। अपने उद्देश्य के प्रति जागरूक और प्रतिबद्ध रहकर ही इसे पाया जा सकता है।

सोमवार, 18 दिसंबर - 2023 वित्त–वाणिज्य स्वतंत्र वार्ता, हैदराबाद

पीएम मोदी ने किया सबसे बड़े डायमंड बूर्स का उद्घाटन सूरत को मिला इंटरनेशनल एयरपोर्ट का तोहफा

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को गुजरात के सूरत में दुनिया के सबसे बड़े डायमंड बूर्स का उद्घाटन किया। यह दुनिया का सबसे बड़ा ऑफिस कॉम्पलेक्स भी है। इसके अलावा उन्होंने सूरत को इंटरनेशनल एयरपोर्ट का भी तोहफा दिया। इससे सूरत में व्यापार और कारोबार को काफी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

डायमंड बूर्स में ये आधुनिक सुविधाएं

इससे पहले पीएमओ ने शनिवार को बताया था कि पीएम मोदी रविवार को गुजरात जाएंगे, जहां वह सूरत में डायमंड बूर्स का उद्घाटन करेंगे। बकौल पीएमओ, यह डायमंड और ज्वेलरी के इंटरनेशनल बिजनेस का दुनिया का सबसे बड़ा व आधुनिक सेंटर होगा। सूरत डायमंड बूर्स में रफ और पॉलिश्ड दोनों तरह के हीरों की ट्रेडिंग होगी। सूरत डायमंड बूर्स में आयात-निर्यात के लिए अत्याधुनिक कस्टम्स क्लियरेंस हाउस, खुदरा आभूषण व्यवसाय के लिए ज्वेलरी मॉल, इंटरनेशनल बैंकिंग सुविधाएं और सेफ वॉल्ट जैसी सुविधाएं हैं।

गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में नाम

सूरत डायमंड बूर्स का नाम पहले ही गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज हो चुका है। इसे दुनिया की सबसे बड़ी ऑफिस बिल्डिंग होने का गौरव मिला है। यह बिल्डिंग 67 लाख स्क्वेयर फीट में बनी है और इसे बनाने पर करीब 3,500 करोड़ रुपये का खर्च आया है। इस बिल्डिंग में एक साथ करीब 4,500 डायमंड ट्रेडिंग ऑफिस काम कर सकते हैं। इस पूरी बिल्डिंग में 15-15 फ्लोर के 9 टावर हैं। इसमें 300 स्क्वेयर फीट से लेकर 1 लाख स्क्वेयर फट तक के स्पेस के ऑफिस बनाए गए हैं। इस बिल्डिंग को इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल से प्लैटिनम रेटिंग भी मिली है।

नए एयरपोर्ट टर्मिनल के फीचर्स

पीएम मोदी ने सूरत में नए एयरपोर्ट टर्मिनल का भी उद्घाटन किया। इस टर्मिनल की लागत 353 करोड़ रुपये है। इसे एक इंटरनेशनल एयरपोर्ट के रूप में मंजूरी मिली है। एएआई चेयरमैन संजीव कुमार का कहना है कि नए टर्मिनल से सूरत एयरपोर्ट की कैपेसिटी ट्रिपल हो जाएगी। इसमें अब पीक समय में 1,200 घरेलू यात्रियों और 600 अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को हैंडल करने की क्षमता होगी। एयरपोर्ट अब प्रति घंटे 3000 पैसेंजर्स और साल में 55 लाख पैसेंजर्स को हैंडल कर सकता है।

उद्घाटन के बाद पीएम मोदी का रोड शो

सूरत एयरपोर्ट के नए टर्मिनल के उद्घाटन के बाद पीएम मोदी ने डायमंड सिटी के नाम से मशहूर शहर में एक रोड शो भी किया। पीएम मोदी के रोड शो में लोगों की भारी भागीदारी देखी गई।

पेट्रोल-डीजल को खलनायक मत बनाइए, एलन मस्क ने कहा- पर्यावरण को बचाना हम सब की जिम्मेदारी

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे अमीर आदमी एवं टेस्ला जैसी इलेक्ट्रिक कार बनाने वाली कंपनी के मालिक एलन मस्क हमेशा अपने अनोखे बयानों और कामों के लिए जाने जाते हैं। इस बार उन्होंने कहा है कि हमें पेट्रोल-डीजल को खलनायक बनाने की कोई जरूरत नहीं है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि हमें पर्यावरण को बचाने के लिए कार्बन उत्सर्जन में कटौती करनी चाहिए। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के भविष्य को भी उज्ज्वल बताया है। मस्क ने कहा कि एक्स पर विज्ञापन बढ़ रहे हैं।

इलेक्ट्रिक कार क्रांति लाई टेस्ला

सारी दुनिया टेस्ला को एक क्रांति की तरह देखती है। इस कंपनी ने इलेक्ट्रिक कार के क्षेत्र में क्रांति ला दी थी। इसके बाद सारी दुनिया के ऑटो मेकर तेजी से इलेक्ट्रिक कार लांच करने लगे। इलेक्ट्रिक कारों को पेट्रोल-डीजल कारों के विकल्प के तौर पर देखा जाता है। अब इन कारों को हर देश में स्वीकारा जा रहा है। हालांकि, एलन मस्क ने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की ब्रदर्स ऑफ इटली पार्टी के कार्यक्रम में कहा कि पेट्रोल-डीजल पर सारा दोष मढ़ना ठीक नहीं है।

एक साल के शिखर पर पहुंचा पीएनबी का शेयर 1 लाख करोड़ के एमकैप क्लब में हुई एंट्री

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। शेयर बाजार में पिछले कई सप्ताह से जबरदस्त रैली देखी जा रही है। इस शानदार रैली में लगातार कई पुराने रिकॉर्ड टूट रहे हैं और उनकी जगह नए कीर्तिमान स्थापित हो रहे हैं। कई शेयरों ने बीते सप्ताहों की रैली में नया शिखर बनाया है। इससे सरकारी बैंक पीएनबी के शेयरों को भी खूब फायदा हुआ है और शेयर बाजार में इस सरकारी बैंक ने भी एक रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है।

इस स्तर पर पहुंचा शेयर का भाव

बीते सप्ताह के अंतिम दिन 15 दिसंबर शुक्रवार को पीएनबी के शेयरों में अच्छी-खासी तेजी देखी गई। शुक्रवार को यह शेयर 1.33 फीसदी की तेजी के साथ 91.10 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान पीएनबी का शेयर एक समय 2 फीसदी से ज्यादा की तेजी के साथ 92 रुपये के स्तर तक पहुंचा, जो इसका 52-सप्ताह का नया उच्च स्तर है।

इस उपलब्धि वाला तीसरा सरकारी बैंक

इसके साथ ही पीएनबी का मार्केट कैप बढ़कर 1 लाख करोड़ रुपये के पार निकल गया। पीएनबी तीसरा सरकारी बैंक बन गया है, जिसका मार्केट कैप 1 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हुआ है। इससे पहले सिर्फ दो सरकारी बैंकों एसबीआई और बैंक ऑफ बड़ौदा ने यह उपलब्धि हासिल की है। एसबीआई 5.79 लाख करोड़ रुपये के मार्केट कैप के साथ सबसे बड़ा सरकारी बैंक और दूसरा सबसे बड़ा भारतीय बैंक है। बैंक ऑफ बड़ौदा का मौजूदा मार्केट कैप 1.16 लाख करोड़ रुपये है।

मल्टीबैगर क्लब की दहलीज पर शेयर

पीएनबी के शेयरों में पिछले कुछ महीने के दौरान जबरदस्त तेजी देखी गई है, जिससे यह मल्टीबैगर बनने के करीब पहुंच गया है। पिछले सप्ताह पीएनबी का शेयर साढ़े चार फीसदी मजबूत हुआ, जबकि पिछले एक महीने में करीब 17 फीसदी की तेजी आई है। बीते छह महीने में पीएनबी का भाव 75 फीसदी से ज्यादा मजबूत हुआ है। किसी तय अवधि में अगर कोई शेयर कम से कम डबल हो जाए यानी 100 फीसदी उछल जाए, तो उसे मल्टीबैगर कहा जाता है।

शुद्ध मुनाफे में 327 फीसदी उछाल

पीएनबी का फाइनेंशियल रिजल्ट सितंबर तिमाही में काफी अच्छा रहा है। तिमाही के दौरान पंजाब नेशनल बैंक का शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 327 फीसदी उछलकर 1,756 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

चार साल में देश में दोगुना हुई सोने की तस्करी:17 राज्यों में सोने की जितनी तस्करी हुई, उतनी अकेले सिर्फ महाराष्ट्र में

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। सोने की तस्करी चार साल में दोगुना हो गई है। देश में 2020 में तस्करी के 2567 मामलों में 2155 किग्रा सोना जब्त हुआ था। 2023 में अब तक 4798 मामलों (अक्टूबर तक) में 3918 किग्रा सोना पकड़ा गया है। केवल पूर्वोत्तर के राज्यों में सोने ही तस्करी के मामलों में कमी आई है, जबकि बाकी सभी राज्यों में तस्करी बढ़ रही है।

17 राज्यों के बराबर तस्करी अकेले महाराष्ट्र में

देश के उत्तर, पूर्व व मध्य भारत के 17 राज्यों में जितनी सोने की तस्करी हो रही है, उससे ज्यादा अकेले महाराष्ट्र से हो रही है। दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, चंडीगढ़, लद्दाख, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, गोवा, दादरा नगर हवेली व दमन-दीव में 2023 में (अक्टूबर तक) तस्करी का कुल 940 किग्रा सोना जब्त हुआ है। इस दौरान अकेले महाराष्ट्र से 1357 मामलों में 997.5 किग्रा सोना पकड़ा गया।

हीरे जैसे रत्नों की तस्करी सबसे ज्यादा गुजरात में

हीरे व अन्य कीमती रत्नों की तस्करी के मामले तमिलनाडु 4 साल में पांच गुना हो गए हैं।

हालांकि इस साल कीमती रत्नों की तस्करी के मामले सबसे ज्यादा गुजरात में दर्ज हुए हैं। गौरतलब है कि पिछले कुछ महीनों में सोने की कीमतों में 11% से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है, जो पिछले हफ्ते लगभग 64,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई।

2047 में भी गरीब रहेगा भारत? पूर्व आरबीआई गवर्नर रघुराम राजन को इस बात की आशंका

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। साल 2047 में भारत की आजादी के 100 साल पूरे हो जाएंगे। हाल-फिलहाल में भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर कई शानदार अनुमान सामने आए हैं, जिनमें ऐसा कहा गया है कि 2047 तक भारत की अर्थव्यवस्था कई गुना बड़ी हो जाएगी। अनुमानों का मानना है कि जब भारत आजादी के 100 साल पूरे कर रहा होगा, देश की अर्थव्यवस्था न सिर्फ टॉप-3 में शामिल होगी, बल्कि कुछ अनुमानों में ये भी भरोसा जाहिर किया गया है कि भारत चीन और अमेरिका से भी आगे निकल जाएगा।

6 पर्सेंट सालाना ग्रोथ के बाद भी डर

अब रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर व प्रख्यात अर्थशास्त्री रघुराम राजन ने भी इस बात अपनी राय दी है कि 2047 में भारत की आर्थिक स्थिति कैसी रहने वाली है। रघुराम राजन को इस बात का डर है कि 2047 में भारत गरीब बना रह सकता है। उन्होंने कहा कि अगर भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6 फीसदी सालाना रह जाती है, तब 2047 तक आबादी नहीं बढ़ने के बाद भी भारत लोअर मिडल इनकम यानी निम्न मध्य आय वाला देश ही रहेगा।

अमीरी से पहले बुढ़ापे का खतरा

राजन शनिवार को एक कार्यक्रम में हिस्सा ले रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत के सामने इस बात का खतरा है कि वह अमीर बनने से पहले बूढ़ा हो सकता है। राजन के अनुसार, 2047 तक भारत का डेमोग्राफिक डिविडेंड खत्म हो जाएगा। ऐसे में देश अमीर होने से पहले बूढ़ा हो जाएगा और तब अर्थव्यवस्था के ऊपर बूढ़ी आबादी का ध्यान रखने का प्रेशर होगा।

क्या है डेमोग्राफिक डिविडेंड

डेमोग्राफिक डिविडेंड से आशय भारत को फिलहाल आबादी की स्थिति से मिल रहे फायदे का होता है। अभी भले ही भारत दुनिया की सबसे ज्यादा आबादी वला देश बन गया हो, लेकिन उसके बाद भी विशाल आबादी देश के लिए समस्या न होकर आर्थिक लिहाज से फायदेमंद साबित हो रही है। इसका कारण है आबादी का बड़ा हिस्सा युवा है। भारत अभी सबसे अधिक युवाओं वाला देश है। इससे भारत को शानदार वर्किंग फोर्स का फायदा मिल रहा है। आबादी की औसत उम्र जैसे-जैसे बढ़ती जाती है, यह डेमोग्राफिक डिविडेंड कम होता जाता है।राजन ने अपनी आशंका को लेकर कैलकुलेशन भी साझा किया। उन्होंने कहा कि 6 फीसदी की आर्थिक वृद्धि के साथ प्रति व्यक्ति आय हर 12 साल में डबल होती है। ऐसे में अगले 24 साल में प्रति व्यक्ति आय अभी की तुलना में 4 गुनी होगी। अभी भारत की प्रति व्यक्ति आय 2,500 डॉलर से कुछ कम है। ऐसे में 2047 तक भारत की प्रति व्यक्ति आय 10 हजार डॉलर से कम ही रहेगी। यानी हम लोअर मिडल इनकम वाले देश ही रहेंगे।

7 का पेपर बैग, देना पड़ा 400 गुना जुर्माना दुकानदार को लगी इतने की चपत

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। कई बार एक छोटी सी गलती के बदले भारी जुर्माना देना पड़ जाता है। इंसान जब वह गलती कर रहा होता है तो उसे इसका अंदाजा नहीं होता है कि ऐसा भी हो सकता है। एक दुकानदार को एक कागज के थैले के बदले भारी जुर्माना देना पड़ा है। दिल्ली में एक उपभोक्ता आयोग ने फैशन ब्रांड लाइफस्टाइल इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड को ग्राहक से बिना पूर्व सूचना के पेपर कैरी बैग के लिए सात रुपये शुल्क वसूलने पर 3,000 रुपये का जुर्माना देने का निर्देश दिया है।जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग खुदरा विक्रेता द्वारा एक पेपर कैरी बैग के बदले में सात रुपये वसूलने पर सेवाओं में कमी का दावा करने वाली एक शिकायत के संबंध में सुनवाई कर रहा था। आयोग के अध्यक्ष एस।एस। मल्होत्रा और सदस्य रश्मि बंसल एवं रवि कुमार ने कहा कि खुदरा विक्रेता प्लास्टिक बैग पर प्रतिबंध के बाद पेपर कैरी बैग के लिए इस आधार पर शुल्क ले रहे थे कि पेपर बैग प्लास्टिक बैग की तुलना में महंगे होते हैं।आयोग ने हालिया आदेश में कहा कि आयोग के समक्ष विचारनीय प्रश्न प्लास्टिक बैग या पेपर बैग के उपयोग का नहीं है, बल्कि यह सामान के बदले भुगतान करते समय कैरी बैग प्रदान करने को लेकर ग्राहकों पर कोई अतिरिक्त लागत लगाई जा सकती है या नहीं इस बारे में है।

आदेश में कहा गया है कि शिकायतकर्ता ने तस्वीरें दाखिल करके अपना मामला स्थापित किया है, जिसमें दिखाया गया है कि उपभोक्ताओं को कोई पूर्व सूचना नहीं दी गई थी कि उन्हें अपना कैरी बैग खुद लाना होगा और पेपर बैग का शुल्क लिया जाएगा।

ना अंबानी-ना अडानी, जुदा है इस अरबपति की कहानी

सिर्फ 10000 से बनाई 15.65 लाख करोड़ की नेटवर्थ

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। एक दौर था जब भारत में औद्योगिक घरानों का मतलब टाटा-बिड़ला हुआ करता था। मौजूदा समय में ये मेटाफर अब अंबानी-अडानी को मिल चुका है। लेकिन कई लोग ऐसे होते हैं जो अपने काम से काम रखते हैं, मीडिया की चमक से दूर रहते हैं। इस उद्योगपति की कहानी भी ऐसी है जिसने कभी 10,000 रुपए लेकर अपना कारोबार शुरू किया था, जो अब 15.65 लाख करोड़ रुपए की नेटवर्थ में बदल चुका है।जी हां, यहां बात हो रही है सन फार्मा की शुरूआत करने वाले दिलीप संघवी की, जो भारत के 8वें सबसे अमीर इंसान हैं। उनकी नेटवर्थ 15.65 लाख करोड़ रुपए है। उनकी कंपनी देश की सबसे बड़ी दवा कंपनी है। उन्हें 'अनिच्छुक अरबपति' जैसे उपनाम से भी जाना जाता है। उनकी कहानी काफी जुदा है...

उधार से शुरू हुआ कारोबार का सफर

दिलीप संघवी के अरबपति बनने के सफर की शुरुआत 1982 में हुई थी। उनके पिता कोलकाता में दवाओं के डिस्ट्रीब्यूटर थे, लेकिन दिलीप कुछ बड़ा करना चाहते थे। उन्होंने अपने पिता से 10,000 रुपए उधार लेकर दवाएं बनाने का काम शुरू किया। उनके पास बिजनेस चलाने की कोई फॉर्मल ट्रेनिंग नहीं थी, बस भवानीपुर कॉलेज से कॉमर्स में ग्रेजुएट किया था।और, आज सन फार्मा का कारोबार 100 से ज्यादा देशों में फैला है। देश की सबसे बड़ी दवा कंपनी होने के साथ ही ये दुनिया की चौथी सबसे बड़ी जेनरिक दवा कंपनी है। इसका रिवेन्यू 44,971 करोड़ रुपए हो चुका है।अपनी बायोग्राफी में उन्होंने बताया कि पैसे को लेकर मीडिया की दीवानगी की वजह से वह उससे दूरी बनाकर रखते हैं। ये आपको मुंबई के अपने पसंदीदा रेस्टोरेंट में जाकर एक प्लेट इडली खाने से भी रोकती है।

अपनी बनाई दुनिया की बड़ी दवा कंपनियां

दिलीप सिंघवी ने सन फार्मा को ग्लोबल बनाने के लिए कई बड़ी कंपनियों का अधिग्रहण किया। इसमें डेट्रॉइट की कराको फार्मा, और इजराइल की टारो फार्मा का नाम शामिल है। साल 2014 में उन्होंने अपनी सबसे बड़ी प्रतिद्वंदी कंपनी रैनबैक्सी लेबोरेटरीज का भी अधिग्रहण कर लिया था। साल 2016 में उन्हें 'पद्मश्री' जैसे नागरिक सम्मान से नवाजा गया।

'ब्लू ओरिजिन को मेरी जरूरत', अमेजन के सीईओ पद से दिए इस्तीफे पर आखिरकार जेफ बेजोस ने तोड़ी चुप्पी

वाशिंगटन, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। ई-कॉमर्स कंपनी 'अमेजन' के संस्थापक जेफ बेजोस ने दो वर्ष पहले कंपनी के सीईओ पद से छोड़ दिया था। उनके इस फैसले ने दुनियाभर को आश्चर्यचकित कर दिया था। उनके इस्तीफे के बाद सोशल मीडिया में तमाम प्रतिक्रियाएं सामने आने लगी थी। कई लोग इसे कंपनी की आंतरिक कलह से जोड़कर देख रहे थे, लेकिन इन सबको दरकिनार करते हुए आखिरकार दो साल बाद जेफ बेजोस ने पद छोड़ने के अपने फैसले पर चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने कहा कि इसमें कोई शक नहीं है कि मेरे इस फैसले ने कई लोगों को चौंका दिया था। उन्होंने यह फैसला इसलिए लिया था क्योंकि वह अंतरिक्ष अन्वेषण से जुड़ी अपनी 'ब्लू ओरिजिन' को गति देना चाहते थे। उन्होंने अपने फैसले से जुड़ी कुछ बातों को साझा करते हुए कहा था कि मैं 'ब्लू ओरिजिन' के प्रति उनकी प्रतिबद्धता है। हालांकि मेरे लिए भी यह फैसला कठिन था। बता दें 1994 में ई-कॉमर्स कंपनी 'अमेजन' स्थापित की गई थी। साथ ही उन्होंने जोर देते हुए कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र में तेज गति से बढ़ने की जरूरत है और मेरे लिए यह संभव ही नहीं था कि मैं 'ब्लू ओरिजिन' और अमेजन दोनों को एक साथ चला संकू। अपने साक्षात्कार में उन्होंने ब्लू ओरिजिन पर फोकस करने पर जोर दिया। साथ ही कहा कि ब्लू ओरिजिन के विकास पर जोर दे रहा हूं। मैं इसमें आना चाहता था और ब्लू ओरिजिन को मेरी जरूरत है। हालांकि उन्होंने कहा कि अमेजन पर पूरा ध्यान न देना उसके हितधारकों के साथ अन्याय होगा। मैं चीजों के बारे में अक्सर ऐसा ही सोचता हूं। इसमें कोई शक नहीं कि यह मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण फैसला था। हालांकि मैं अभी भी कार्यकारी अध्यक्ष हूं। मैं चाहता था कि मैं ब्लू ओरिजिन में ज्यादा समय बिता संकू। अंतरिक्ष अनुसंधान क्षेत्र में तेजी से विकास कर रहे हैं। ब्लू ओरिजिन के बारे में जिक्र करते हुए कहा कि मैं इस पर बहुत मेहनत कर रहा हूं। हालांकि कुछ दिन बहुत कष्टप्रद हैं। मेरा अधिकांश समय ब्लू ओरिजिन में ही गुजरता है। विगत कुछ वर्षों से ही मैं पूरी तरह से इसके साथ जुड़ा हूं। बता दें ब्लू ओरिजिन तीन अंतरिक्ष वाहनों, न्यू शेपर्ड, न्यू ग्लेन और ब्लू मून के विकास के लिए जाना जाता है। गौरतलब है कि जेफ बेजोस ने 2000 में ब्लू ओरिजिन की स्थापना की थी।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		
सूर्य-	धनु	में
चंद्र-	कुंभ	में
मंगल	वृश्चिक	में
बुध-	धनु	में
गुरु-	मेष	में
शुक्र-	तुला	में
शनि-	कुंभ	में
राहु-	मीन	में
केतु-	कन्या	में

लग्नारंभ समय		
धनु....	06-36	बजे
मकर..	08-43	बजे
कुंभ...	10-33	बजे
मीन...	12-12	बजे
मेष--	13-47	बजे
वृष--	15-32	बजे
मिथुन..	17-32	बजे
कर्क...	19-45	बजे
सिंह...	21-56	बजे
कन्या..	00-03	बजे
तुला....	02-09	बजे
वृश्चिक.	04-19	बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य-दक्षिणायने ,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426876
सूर्योदय - 06-43
सूर्यास्त - 17-41
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- षष्ठी - 15 -14 - तक उपरान्त सप्तमी
मास - मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष , सोमवार 18 December
नक्षत्र - शतभिषा - 01- 21 - तक उपरान्त पूर्वभाद्रपद
योग - वज्र - 21 - 31- तक उपरान्त सिद्ध
करण- तैतिल - 15 -14 - तक उप- गर
विशेष:- चम्पा षष्ठी,स्कन्द गुह षष्ठी
व्रत -त्योहार - मित्र सप्तमी

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 08:04 से 09:27 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	06:43 - 08:04	शुभ	चंचल.	17:41 - 19:21	शुभ
काल	08:04 - 09:27	अशुभ	रोग.	19:21 - 20:59	अशुभ
शुभ	09:27 - 10:50	शुभ	काल.	20:59 - 22:36	अशुभ
रोग	10:50 - 12:13	अशुभ	लाभ	22:36 - 24:13	शुभ
उत्पात	12:13 - 13:35	अशुभ	उत्पात	24:13 - 01:50	अशुभ
चंचल	13:35 - 14:58	शुभ	शुभ	01:50 - 03:27	शुभ
लाभ	14:58 - 16:21	शुभ	अमृत.	03:27 - 05:04	शुभ
अमृत	16:21 - 17:41	शुभ	चंचल.	05:04 - 06:43	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आज के दिन आपकी प्रतिभा को आपके उच्च अधिकारी पहचानेगें और आपके कार्य क्षेत्र में आपकी काफी प्रशंसा होगी और साथ ही साथ आपको घर में उपहार भी मिल सकता है जो आपके दिन को प्रज्जवलित करेगा और आप इस के हक़दार भी है । आपने अपने करियर को उठाने के लिए बहुत प्रयास किए है जिससे की आपको अपने कार्य की सराहना मिलेगी

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज आपको अपने कार्य करने के लिए विशेष ध्यान देना होगा क्योकि आपके वरिष्ठ अधिकारी बारीकी से आपकी प्रगति को देखेंगे । वे आपके समर्पण भाव और मजबूत नेतृत्व के गुणों से प्रभावित होंगे । आज आपके थोड़े अधिक प्रयासों से आपके करियर को नयी गति मिल सकती है क्योकि आपके वरिष्ठ अधिकारी आपके इन गुणों को ध्यान में रखेंगे ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज के दिन आपको अपने सहकर्मियों के साथ सतर्कता बरतनी जरुरी है । कुछ तर्क वितर्क और विवाद के कारण आपके दफ्तर का माहौल ख़राब हो सकता है इसलिए बेफाल्तू के वाद विवाद से अपने को बचाकर रखे । आज के दिन कुछ क्षेत्रों में उच्च अधिकारीयों से आपके विचार अलग हो सकते है हालाँकि धातु या कृषि उत्पाद में निवेश आप के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज किसी भी परीक्षा में उतरने के लिए अच्छा दिन नहीं है, हालांकि अगर आप परीक्षा में बेठ रहे है तो किसी नकारात्मक विचारों को अपने पास न आने दे । आप आगे बढे और आपकी शक्ति और सकारात्मकता आपकी कुण्डली से किसी भी नकारात्मक प्रभाव से लड़ सकती है। आज पैसे उधार न दे क्योकि आपको धोखा मिल सकता है । बड़ी राशि उधार देने से बचे ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आप इस सम्बन्ध में कितना निवेश करना चाहते हैं और किस तरह की और कितनी सीमाएं रखना चाहते हैं । उद्यम पूंजीपतियों के लिए आज का दिन शुभ हो सकता हैं! लोग आपकी विचारधारा से प्रभावित होंगे लेकिन अपनी बातो को उनके ऊपर न थोपे । हालांकि आपको धन मिलने में देरी हो सकती है परन्तु ये धन आपको मिलने की उम्मीद है ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,
आज आप मे अपनी जिम्मेदारियों से बचने के लिए एक स्वाभाविक प्रवृत्ति रहेगी , लेकिन ये स्थिति आपके वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आपकी मुसीबत को बढ़ा सकती हैं। तथ्य यह है कि किसी भी वास्तविक इच्छा से प्रेरित न होकर आपके आलसी होने की आदत से आप अधिक कार्य से परहेज कर रहे है। ये समय अधिक जिम्मेदारी लेने व अपने काम में और अधिक रूचि दिखाने का है ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
कार्य क्षेत्र में आपका जीवन संतुलित रहेगा । आप अपने प्रभावशाली नरम कौशल के लिए जाने जायेंगे । आप को और अधिक ज्ञान पाने के लिए कई अवसर मिलेंगे तथा आप अन्य लोगों के साथ इस ज्ञान को साझा भी कर सकते हैं । लेकिन कुछ अप्रत्याशित परिस्थितियों में आपको भारी वित्तीय नुकसान हो सकता है ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
कुछ वित्त और कैरियर के विभिन्न अवसर आज आपके सामने आ सकते हैं और आप उन्हें लेने के लिए अभिभूत होंगे लेकिन थोड़ा उलझन भी महसूस कर सकते हैं की किस दिशा में जाये ।सावधान रहें की ये अनिर्णय आपको पंगु न बनाये । अगर आप सही दिशा में आगे बढ़ते है , तो यह पूरी तरह से आपके वित्तीय भविष्य को बदल सकता हैं।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
अनुशासन और कड़ी मेहनत आपके विशिष्ट गुण हैं । आज अपने कार्य क्षेत्र से आपका मोहभंग हो सकता है , क्योंकि आपको लगेगा की आपका करियर रुक सा गया है । हालांकि, कड़ी मेहनत हमेशा साथ देती है । आप सही रास्ते पर हैं ।अब महत्वपूर्ण है की इस पथ के साथ आप रहे । चमकती हुई परियोजनाओं में निवेश न करे या ज्यादा उत्साह में न आए क्यों की आपका निर्णय गलत साबित हो सकता है ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आप स्वभाव से गंभीर हैं और अपने कार्य करने के लिए प्रतिबद्धता का फल अब मिलने का समय है । दिन के अंत में प्रमुख वित्तीय लाभ की भी संभावना है जो आपने ईमानदारी और कड़ी मेहनत से अर्जित की है। लेकिन आपको केवल जिम्मेदारी और कर्तव्य की भावना से कार्य नहीं करना चाहिए बल्कि कार्यो को करने में हास्य की भावना विकसित करे ताकि आप को कार्य करते हुए आनंद की प्राप्ति हो ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज के दिन आपका जोर निवेश और धन पर रहेगा । अपने आप पर नियंत्रण रखे ! आज के दिन सम्पति के बारे में खोज खबर कर सकते है पर किसी भी तरह के धन वृद्धि उद्यम में न फंसे । वेतन वृद्धि के लिए अपने वरिष्ठ अधिकारीयों पर दबाव न डाले । इसके लिए अभी सही समय नहीं है । उत्तम रहेगा की अपने वर्तमान संगठन में अधिक ज्ञान प्राप्त करने की कोशिश करे ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आप एक शांतिपूर्ण मानसिक स्थिति में हैं और आज अपने काम पर ध्यान केंद्रित करना आसान रहेगा । आज अपने करियर के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्णय लेने में आप सक्षम होंगे , लेकिन अपने वरिष्ठ अधिकारियों से समर्थन की कमी की वजह से आप थोड़ा पीछे हटने को मजबूर होंगे इसलिए आप उन्हें मनाने के लिए प्रयास करें ताकि सब अच्छी तरह से पूर्ण हो ।

पं ।महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

कांग्रेस ने तीन चेहरों से भाजपा की रणनीति का दिया जवाब

कमलनाथ कार्यकाल में जीतू, सिंघार साइडलाइन रहे; नए कॉम्बिनेशन में यही सबसे फिट

भोपाल, 17 दिसंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद मध्यप्रदेश कांग्रेस में बड़ी सर्जरी हुई। कांग्रेस ने पूर्व मंत्री जीतू पटवारी को प्रदेश अध्यक्ष और वरिष्ठ विधायक उमंग सिंघार को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बनाया है। हेमंत कटारे को विधानसभा में उप नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। उमंग और जीतू पार्टी सांसद राहुल गांधी के करीबी माने जाते हैं। इनकी नियुक्ति से साफ हो गया है कि कांग्रेस में अब पुरानी पीढ़ी के नेताओं का दौर खत्म हो गया। कांग्रेस ने ये भी बता दिया है कि वह दिग्विजय और कमलनाथ जैसे बुजुर्ग नेताओं के दायरे से बाहर जाकर भी फैसला ले सकती है। खास बात ये भी है कि पटवारी के कमलनाथ और सिंघार के दिग्विजय सिंह से संबंध ठीक नहीं रहे हैं। जानकार भी मानते हैं कि इन नियुक्तियों में राहुल गांधी का अहम रोल रहा है। हालांकि, दोनों के लिए आगे की राह बेहद चुनौतीपूर्ण रहने वाली है। बदलाव की कवायद के बीच कुछ दिन पहले पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और दिग्विजय सिंह की तरफ से दिल्ली को फॉर्मूला दिया गया। नाथ पूर्व मंत्री बाला बच्चन के लिए प्रदेश अध्यक्ष और खुद के लिए नेता प्रतिपक्ष का पद चाहते थे।

दिग्गी के पिटारे से पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव को पीसीसी चीफ और पूर्व मंत्री ओमकार सिंह मरकाम को नेता प्रतिपक्ष बनाया जाना था। यह दोनों फॉर्मूले खारिज कर दिए गए। साफ है कि लोकसभा चुनाव से लेकर अगले 5 साल प्रदेश कांग्रेस की कमान भी दिल्ली से संचालित होगी।

क्षेत्रवार पांच कार्यकारी अध्यक्ष भी बना सकती है कांग्रेस

कांग्रेस में अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष दोनों मालवा अंचल से हैं। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय नेतृत्व, प्रदेश अध्यक्ष के अलावा क्षेत्रीय संतुलन बनाने के लिए पांच (ग्वालियर-चंबल, महाकौशल, बुंदेलखंड, बघेलखंड और मालवा-निमाड़) क्षेत्रों में कार्यकारी अध्यक्ष भी बना सकता है। इसके लिए क्षेत्र में ज्यादा सक्रिय और नए चेहरों को आगे लाने की रणनीति पर मंथन चल रहा है। बताया गया कि महाकौशल आदिवासी बहुल इलाका है। यहां ओमकार सिंह मरकाम को प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष बनाया जा सकता है। वरिष्ठ विधायकों में अजय सिंह, रामनिवास रावत और बाला बच्चन को एडजस्ट करने की चुनौती होगी। इसी तरह दिग्विजय के पुत्र जयवर्धन सिंह और सीडब्ल्यूसी (कांग्रेस वर्किंग कमेटी) के सदस्य कमलेश्वर पटेल को जिम्मेदारी दी जानी है।

भाजपा ने विधानसभा चुनाव में नरेंद्र सिंह तोमर, प्रहलाद पटेल और कैलाश विजयवर्गीय को मैदान में उतारकर कुछ इसी तरह का प्रयोग किया है। जानकार मानते हैं कि कांग्रेस यदि मध्यप्रदेश में गुजरात की तर्ज पर सामूहिक नेतृत्व पर फोकस करती है तो उसे लोकसभा चुनाव में फायदा हो सकता है।

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को फिर से जिंदा करना सबसे बड़ी चुनौती है। पटवारी भी खुद चुनाव हार चुके हैं। ऐसे में प्रदेश अध्यक्ष बनाने से कांग्रेस के फैसले की आलोचना होने से इनकार नहीं किया जा सकता है। पॉइंट में समझिए कि इन तीनों को ही क्यों मिली जिम्मेदारी, ऐसे कौन से फैक्टर है और इनके सामने क्या चुनौतियां हैं...।

3 चेहरों के 3 फैक्टर

जातिगत समीकरण साधने की कोशिशः जीतू पटवारी ओबीसी, उमंग सिंघार आदिवासी चेहरा हैं और हेमंत कटारे ब्राह्मण चेहरा हैं। कांग्रेस ने भाजपा की तरह जातिगत समीकरण को साधने की कोशिश की है। बीजेपी ने ओबीसी सीएम, डिप्टी सीएम के तौर पर एससी और ब्राह्मण चेहरा प्रोजेक्ट किया है।

यंग ब्रिगेड को लीडरशिपः तीनों की उम्र 50 साल से नीचे है। कांग्रेस ने संदेश देने की कोशिश की है कि युवा चेहरों के पास लीडरशिप है। कांग्रेस का ये लांगटर्म प्लान है। कांग्रेस के तीनों चेहरे भाजपा की लीडरशिप से ज्यादा यंग है।

भाजपा की रणनीति का जवाबः भाजपा ने पुराने चेहरों को हटाकर जिस तरह से नए चेहरों को मौका दिया है, कांग्रेस ने उसका जवाब देने की कोशिश की है। ये भी बता दिया है कि उसके पास भी कमलनाथ और दिग्विजय के अलावा दूसरे ऐसे चेहरे भी हैं, जिन पर हाईकमान को भरोसा है।

जीतू पटवारी और उमंग सिंघार दोनों के सामने अनुभवी नेता जैसे दिग्विजय सिंह, कमलनाथ, सुरेश पचौरी, विवेक तन्खा, डॉ. गोविंद सिंह और अजय सिंह के साथ तालमेल बैठाने की चुनौती रहेगी।

जीतू-सिंघार और कटारे को ही क्यों मिली जिम्मेदारी?

जीतू पटवारी

- उम्र: 50 • शिक्षा-एलएलबी
- चुनाव हारे, संगठन में ज्यादा वक्त दे पाएंगे।
- राहुल गांधी के करीबी।
- भाजपा की घेराबंदी में सबसे आगे रहे।
- तेज तर्रार नेताओं में गिनती।

उमंग सिंघार

- उम्र : 49 • शिक्षा- ग्रेजुएट
- आदिवासी चेहरा, चार बार के विधायक हैं।
- राहुल गांधी के करीबी ।
- मालवा-निमाड़ में अच्छी पकड़ ।
- बेबाकी से अपनी बात रखते हैं।

हेमंत कटारे

- उम्र : 37 • शिक्षा- ग्रेजुएट
- युवा हैं, सक्रिय रहते हैं।
- पिता सत्यदेव कटारे से राजनीति सीखी।
- अटेर सीट से दूसरी बार विधायक ।

सदन में दिग्विजय-कमलनाथ गुट के नेताओं को साधना

सदन में अजय सिंह, रामनिवास रावत और बाला बच्चन जैसे सीनियर विधायक हैं। उनसे तालमेल बैठाना उमंग सिंघार के सामने बड़ी चुनौती होगी। विधानसभा में दिग्विजय और कमलनाथ गुट के विधायकों की संख्या ज्यादा है।

कार्यकर्ताओं को एक्टिव करना

जीतू पटवारी और उमंग सिंघार की पहली परीक्षा लोकसभा चुनाव है। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के प्रदर्शन को देखें तो वर्तमान में कांग्रेस ने केवल छिंदवाड़ा जिले की सातों सीटें जीती हैं। बाकी लोकसभा सीटों पर उसका प्रदर्शन मिला-जुला रहा है। 2019 के चुनाव में कांग्रेस को लोकसभा की 29 में से केवल एक सीट छिंदवाड़ा में ही जीत मिली थी।

जीतू के कमलनाथ से बिगड़े संबंध

जीतू पटवारी के कमलनाथ से संबध बेहतर नहीं थे। पिछले साल यानी 2022 में बजट सत्र के पहले दिन जीतू पटवारी ने राज्यपाल मंगुभाई पटेल के अभिभाषण का बहिष्कार कर दिया था। उस समय वे कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष थे लेकिन वे यह बयान देकर अलग-थलग पड़ गए थे क्योंकि कमलनाथ ने उनके बयान से किनारा कर लिया था। कमलनाथ ने कहा था कि पटवारी के बयान से कांग्रेस सहमत नहीं है। इसके बाद पटवारी को विधानसभा से पूरे सत्र के लिए निष्कासित कर दिया गया था। खास बात यह है कि उस दौरान दिग्विजय सिंह ने भी उनका साथ नहीं दिया था।

इसी तरह उमंग सिंघार के दिग्विजय सिंह से संबंध खराब थे। लेकिन नेता प्रतिपक्ष बनने के कुछ दिन पहले ही सिंघार ने सोशल मीडिया पर पोस्ट जारी कर दिग्विजय सिंह से सार्वजनिक तौर पर माफी मांगी थी। इसके बाद वे दिग्विजय सिंह से मिलने उनके निवास पर भी गए थे। दरअसल, दोनों नेताओं के बीच संबंध तब बिगड़े, जब कांग्रेस सत्ता में थी। उस दौरान वन मंत्री रहे उमंग सिंघार ने दिग्विजय सिंह के खिलाफ शराब और रेत माफिया के साथ गठजोड़ होने का आरोप लगाया था।

भाजपा और कांग्रेस दोनों में मालवा का बोलबाला

यह महज संयोग है कि मध्यप्रदेश की राजनीति में मालवा अंचल का बोलबाला है। सत्तारूढ़ दल भाजपा में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा मालवा से हैं। दूसरी ओर, कांग्रेस में प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार भी मालवा से आते हैं। मप्र में धार इकलौता जिला है, जहां से चार नेता प्रतिपक्ष बने हैं। जमुना देवी, विक्रम वर्मा, बसंतराव प्रधान के बाद अब उमंग सिंघार नेता प्रतिपक्ष बने हैं।

नए साल में आएगी जीतू पटवारी की नई कार्यकारिणी

नए साल में जीतू पटवारी की नई कार्यकारिणी सामने आएगी। सूत्रों के मुताबिक इनमें 15 साल से कांग्रेस में अहम पदों पर जमे राजीव सिंह, प्रकाश जैन समेत अन्य उम्रदराज पदाधिकारी हटेंगे। पटवारी की टीम में उपाध्यक्ष, महासचिव और सचिवों के पद पर युवाओं को स्थान दिया जाएगा। दरअसल, जीतू का प्रदेशभर में संपर्क है। युवा कांग्रेस अध्यक्ष रहते हुए उन्होंने नेटवर्क को मजबूत बनाया। जब वे कमलनाथ की सरकार में उच्च शिक्षा एवं युवा खेल कल्याण मंत्री रहे तो उनका सीधा सरोकार युवाओं से रहा।

भाजपा के सत्ता में आते ही प्रधानमंत्री उज्जवला योजना शुरू, कांग्रेस शासन काल में थी बंद

कबीरधाम, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। कबीरधाम जिले के ग्राम पंचायत मझगांव और रणवीरपुर में आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत प्रधानमंत्री उज्जवला योजना का स्टॉल लगाया गया।

कबीरधाम जिले के ग्राम पंचायत मझगांव और रणवीरपुर में आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत प्रधानमंत्री उज्जवला योजना का स्टॉल लगाया गया। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अन्तर्गत ग्राम पंचायत मझगाँव एवं रणवीरपुर में हितग्राहियों को भरा हुआ गैस सिलेंडर और चूल्हा वितरण किया। भाजपा की सत्ता आते ही प्रधानमंत्री उज्जवला योजना का लाभ मिला है।

दरअसल, कबीरधाम जिले में कांग्रेस शासन काल में यह योजना बंद थी। हालाकि, 2018 से पहले इस योजना के अंतर्गत करीब 20 हजार से अधिक महिलाओं को योजना का लाभ जरूर दिया गया था। 2018 के बाद राज्य में कांग्रेस की सरकार आ गई। फिर केंद्र सरकार की इस योजना को लेकर ध्यान नहीं दिया गया, जबकि पूर्व में दिए गए आवेदन पेंडिंग थे। अब इन्हीं आवेदन के फिर से कार्रवाई शुरू हो गई है।

छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम डॉ. रमन सिंह बनेंगे विधानसभा अध्यक्ष, किया नामंकन दाखिल

रायपुर , 7 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता रमन सिंह ने आज गुरुवार को छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए नामंकन दाखिल किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि मैं पक्ष और विपक्ष दोनों को धन्यवाद देता हूं। हम नई जिम्मेदारी की ओर बढ़ रहे हैं।

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता रमन सिंह ने आज गुरुवार को छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए नामंकन दाखिल किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि मैं पक्ष और विपक्ष दोनों को धन्यवाद देता हूं। हम नई जिम्मेदारी की ओर बढ़ रहे हैं। इस दौरान उपमुख्यमंत्री अरुण साव, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत समेत बीजेपी के कई विधायक उपस्थित थे।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि मुझे इस पवित्र सदन और पूरे छत्तीसगढ़ के 90 विधायकों के संरक्षण का दायित्व मिलने जा रहा है। मैं सभी को धन्यवाद दूंगा। मेरी कोशिश रहेगी की बेहतर ढंग से विधानसभा का संचालन हो और सारे मुद्दे राज्य के हित के लिए उठें।

कबीरधाम में डिप्टी सीएम विजय शर्मा बोले- पीएम मोदी की गारंटी को किया जाएगा पूरा; रायपुर के लिए हुए रवाना

कबीरधाम, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। कबीरधाम जिले के कवर्धा विधानसभा क्षेत्र से विधायक व राज्य के नए सीएम विजय शर्मा का शनिवार को कवर्धा में प्रथम आगमन पर भव्य स्वागत और अभिनंदन किया गया। शनिवार को देर रात 10 बजे तक उन्होंने विभिन्न जगहों पर आयोजित कार्यक्रमों में हिस्सा लिया।लोगों में उनके स्वागत को लेकर गजब का उत्साह था। कबीरधाम जिले के वनांचल से लेकर मैदानी क्षेत्र के ग्रामीणजन, समाजसेवी और आम जनता स्वागत के लिए पहुंचे थे।

सभा को संबोधित करते हुए डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ की जनता में हमें पूर्ण जनादेश दिया। राज्य में ऐतिहासिक जीत के बाद देश के प्रधामनंत्री नरेंद्र मोदी की विशेष उपस्थिति में छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव साय को मुख्यमंत्री बनाया गया है।

राज्य में अरुण साव और मुझे उपमुख्यमंत्री की जिमेदारी दी गई है। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ की यह नई सरकार मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जनता से किये गए सभी वायदा मोदी की गारंटी को पूरी ईमादारी से पूरा किया जाएगा। हमारी सरकार ने इन सभी गारंटी को पूरा करने की दिशा में कदम बढ़ा दिया है।

उन्होंने आज के ऐतिहासिक स्वागत अभिनंदन और ऐतिहासिक जीत के लिए कवर्धा की जनता के प्रति आभार व्यक्त किया। वहीं आज रविवार को सुबह आठ बजे रायपुर के लिए रवाना हुए हैं।

ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार दो युवकों की मौत

दुर्ग, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। दुर्ग जिले में सड़क हादसे में मौत का सिलसिला थम का नाम नहीं रहा है। इसी कड़ी में दुर्ग के अंजोरा चौकी क्षेत्र में एक ट्रक ने बाइक सवार को अपनी चपेट में ले लिया। इस घटना में दोनों युवकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना के बाद से ट्रक चालक फरार हो गया। पुलिस इस मामले में मामला दर्ज कर फरार ट्रक चालक को तलाश में जुटी है।

अंजोरा चौकी प्रभारी रामनारायण ध्रुव ने पुलिस ने बताया कि रसमडा और सिलोदा के बीच एक अज्ञात ट्रक ने बाइक सवार को अपनी चपेट में ले लिया, जिसमें बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने दोनों मृतकों के शव को पंचनामा कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवा दिया है। पुलिस ने दोनों मृतकों की पहचाना सचिन वर्मा और अभिषेक वर्मा सुमेरपुर यूपी के रूप में की है, जो यूपी से दुर्ग घूमने आए हुए थे। पुलिस के मुताबिक, दोनों चचेरे भाई हैं। मृतक के पिता रसमडा के एक कंपनी में कार्यरत हैं, जिनके पास आए हुए थे। दोनों युवक बाइक से घूमने निकले थे, तभी सिलोदा गांव के पास अज्ञात ट्रक ने अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में दोनो की मौत हो गई। इस पूरे मामले में अंजोरा चौकी पुलिस अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर तलाश में जुट गई है।

पूर्व मंत्री गागड़ा के बाद पूर्व युवा आयोग सदस्य अजय का बड़ा बयान, कहा- डीएसएसी के जरिए हुआ करोड़ों का आहरण

बीजापुर, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। राज्य युवा आयोग के पूर्व सदस्य अजय सिंह का कहना है कि डीएसएसी के जरिए करोड़ों रुपये का आहरण वो भी तब जब प्रदेश में आदर्श आचार संहिता प्रभावी थी। निश्चित ही यह बीजापुर ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश में भ्रष्टाचार का बड़ा और गंभीर मामला है। आदर्श आचार संहिता के बीच डीएसएसी के माध्यम से पंचायतों की आड़ में गुपचुप तरीके से चार करोड़ से अधिक राशि आहरण संबंधी पूर्व मंत्री महेश गागड़ा के आरोप के बाद अब कांग्रेस से निष्कासित एवं राज्य युवा आयोग के पूर्व सदस्य अजय सिंह का बड़ा बयान सामने आया है। अजय ने पूर्व मंत्री के आरोपों को न सिर्फ गंभीर बताया है, बल्कि प्रदेश सरकार से इसकी उच्च स्तर जांच की मांग भी उन्होंने की है। अजय के मुताबिक, डीएसएसी के जरिए करोड़ों रुपये का आहरण वो भी तब जब प्रदेश में आदर्श आचार संहिता प्रभावी थी। निश्चित ही यह बीजापुर ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश में भ्रष्टाचार का बड़ा और गंभीर मामला है। प्रदेश सरकार को देर ना करते पूरे मामले की तह तक जाने की आवश्यकता है, ताकि सच जनता का बीच आ सके और आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित अफसरों पर सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। अजय का आरोप है कि बीजापुर कलेक्टर, सीईओ जिला पंचायत ने विधानसभा चुनाव के दौरान न सिर्फ कांग्रेस के पक्ष में माहौल निर्मित किया बल्कि पंचायतों के विकास पर खर्च होने वाली राशि में डाका डालकर चुनावी चंदे के रूप में विधायक विक्रम को उपलब्ध कराया।

इसकी सूक्ष्मता में जांच होनी चाहिए। जांच भी स्थानीय अफसर के भरोसे ना कराकर सरकार अपनी निगरानी में एक जांच कमेटी तय कर इसकी जांच कराएं।

झारखंड की बंगाल से सटी सीमा पर प्राकृतिक खूबसूरती खींच रही लोगों का ध्यान, जुटने लगे सैलानी

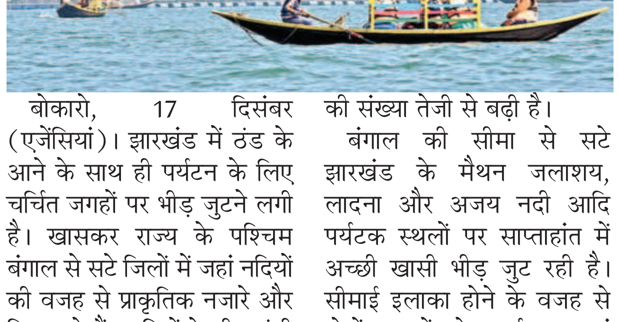

बोकारो, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड में ठंड के आने के साथ ही पर्यटन के लिए चर्चित जगहों पर भीड़ जुटने लगी है। खासकर राज्य के पश्चिम बंगाल से सटे जिलों में जहां नदियों की वजह से प्राकृतिक नजारे और खिल उठे हैं। वादियों के बीच ठंडी हवाओं और हल्की धूप के बीच नदी में सैर के लिए यहां सैलानियों की संख्या तेजी से बढ़ी है।

बंगाल की सीमा से सटे झारखंड के मैथन जलाशय, लादना और अजय नदी आदि पर्यटक स्थलों पर साप्ताहांत में अच्छी खासी भीड़ जुट रही है। सीमाई इलाका होने के वजह से दोनों राज्यों के पर्यटक यहां पिकनिक मनाने आते हैं। सरकार भी इन पर्यटन स्थलों की खूबसूरती बचाने के लिए गंभीर है और सरकार ने यहां प्रदूषण की रोकथाम के लिए कई तरह के प्रतिबंध लगाए हैं। जिनमें मैथन डैम पर 25 दिसंबर से अगले 12 दिनों तक वाहन ले जाने पर रोक लगा दी गई है। दरअसल क्रिसमस और नए साल पर यहां बड़ी संख्या में पर्यटक घूमने आते हैं।

पर्यटकों की सुरक्षा को लेकर पुलिस ने एहतियातन कई कदम उठाए हैं। दोनों राज्यों की पुलिस के जवान यहां तैनात रहेंगे ताकि भीड़ बढ़ने पर किसी भी तरह की अव्यवस्था ना होने पाए। साथ ही नाविकों को दिशा निर्देश दिए गए हैं कि नौकाओं में तय क्षमता से ज्यादा लोगों को ना बिठाएं।

सुकमा में नक्सली मुठभेड़ में एक एसआई का बलिदान

एक कांस्टेबल घायल; चार संदिग्ध गिरफ्तार

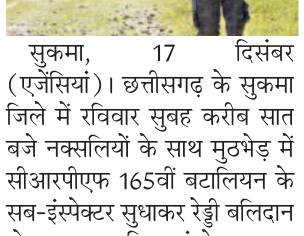

सुकमा, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में रविवार सुबह करीब सात बजे नक्सलियों के साथ मुठभेड़ में सीआरपीएफ 165वीं बटालियन के सब-इंस्पेक्टर सुधाकर रेड्डी बलिदान हो गए। जबकि कांस्टेबल रामू घायल हो गए। घायल जवान को प्राथमिक उपचार दिया जा रहा है और इलाज के लिए एयरलिफ्ट किया गया है। चार संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है और सीआरपीएफ, कोबरा और जिला बल द्वारा आसपास के इलाके की सघन सर्चिंग की जा रही है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सुकमा जिले के जगरगुंडा में सीआरपीएफ के 165वीं बटालियन की माओवादियों के साथ हुई मुठभेड़ में शहीद हुए सब इंस्पेक्टर सुधाकर रेड्डी की शहादत को नमन किया है। उन्होंने घटना पर गहन शोक व्यक्त किया है।मुख्यमंत्री ने पीड़ित परिवार जनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने घटना में घायल जवान रामू के समुचित इलाज के निर्देश दिए हैं। रामू को उपचार के लिए हेलीकॉप्टर से एयरलिफ्ट किया गया है।

लड़की से छेड़छाड़ के मामले में फंसा मशहूर सिंगर

पुलिस बोली- लोगों ने लाठी से पीट-पीटकर की हत्या

सुकमा, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड की राजधानी रांची में मशहूर आदिवासी सिंगर डेविज मिंज की हत्या कर दी गई है। आरोप है कि उन्हें गांववासियों ने लाठी से पीट-पीटकर मारा गया है। घटना गुरुवार शाम को रांची से करीब 30 किलोमीटर दूर तातकुंदो गांव में हुई। इस मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जांच शुरू कर दी है। गांववालों ने मिंज पर लड़की से छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया था।

पुलिस ने इस मामले में जानकारी देते हुए कहा कि पीड़िता मानसिक तौर पर बीमार थी। आरोप है कि मशहूर आदिवासी सिंगर डेविज मिंज ने उस बीमार लड़की से कथित तौर पर छेड़छाड़ की। जब यह खबर फैली तो गांववासी सह न पाए और गुस्से में गायक डेविड मिंज की पीट-पीटकर अधमरा कर दिया। मिंज को तुरंत इलाज के लिए मांडर रेफरल अस्पताल लाया गया, जहां उसकी हालत को नाजुक देखते हुए उन्हें रांची के राजेंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस (रिम्स) में रेफर कर दिया गया, जहां मिंज जिंदगी की जंग हार गए। इस सिलसिले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी एक ही परिवार से थे। पीड़ित की पत्नी की शिकायत पर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। तीनों आरोपियों को शुक्रवार को जेल भेज दिया गया।

डेविज मिंज नागपुरी भाषा में गाना गाते थे

तातकुंदो गांव के लोगों ने बताया कि डेविज मिंज नागपुरी भाषा में गाना गाते थे और सोशल मीडिया पर उनके कई गानें हिट हुए।

बांग्लादेश में सरकार विरोधी रैली में शामिल हुए हजारों लोग

प्रधानमंत्री शेख हसीना से मांगा इस्तीफा

ढाका, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश की मुख्य विपक्षी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के हजारों समर्थक राजधानी ढाका की सड़कों पर उतरे। अगले वर्ष देश में होने वाले आम चुनाव से पहले विपक्ष ने यह रैली आयोजित की। बीएनपी के अधिकांश शीर्ष नेता या तो जेल में हैं या निर्वासित हैं। 28 अक्टूबर को सरकार विरोधी रैली के दौरान एक पुलिस अधिकारी की मौत और सैकड़ों के घायल होने के बाद से बीएनपी के कई नेता और कार्यकर्ता गिरफ्तारी से बच रहे थे, लेकिन विजय दिवस रैली में वे भी शामिल हुए। पार्टी ने सात जनवरी को होने जा रहे आम चुनाव से पहले निष्पक्ष सरकार का रास्ता साफ करने के लिए प्रधानमंत्री शेख हसीना से पद छोड़ने की मांग की है। विपक्ष ने चुनाव का बहिष्कार किया है। पूर्व मंत्री और बीएनपी की शीर्ष नीति निर्धारण समिति के सदस्य अब्दुल मोईन ने कहा कि यदि सरकार में साहस है तो वह त्यागपत्र दे और कार्यवाहक सरकार की देखरेख में चुनाव कराए

'हमारे देश के खून में जहर मिला रहे हैं'

प्रवासियों के खिलाफ ट्रंप का भड़काऊ बयान

वॉशिंगटन, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर से अवैध प्रवासियों के खिलाफ जहर उगलते हुए भड़काऊ बयानबाजी की। न्यू हैंपशायर के डरहम में एक रैली को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा कि प्रवासी उनके देश के खून में जहर मिला रहे है। इससे पहले भी ट्रंप ने प्रवासियों को लेकर ऐसा ही बयान दिया था। ट्रंप के इस बयान की कड़ी आलोचना हो रही है और इसे श्वेच वर्चस्ववादी और नाजी मानसिकता बताया जा रहा है।

वामपंथियों को बताया था कीड़ा

डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि 'वो (प्रवासी) पूरी दुनिया की जेलों, सिर्फ दक्षिण अमेरिका ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में जहर फैला रहे हैं। वह अफ्रीका, एशिया और पूरी दुनिया से हमारे देश में आते हैं।' ट्रंप ने बीते अक्तूबर में भी ऐसा ही एक भड़काऊ बयान दिया था, जिसमें उन्होंने अमेरिकी समाज के एक वर्ग को कीड़ा बताया था। उन्होंने वामपंथियों, कट्टर विचारधारा वाले लोगों को कीड़ा बताया था और उन्हें जड़ से उखाड़ फेंकने की बात कही थी। राष्ट्रपति जो बाइडन ने भी ट्रंप के उस बयान की तीखी आलोचना की थी और कहा था कि ट्रंप जो भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं, वह नाजी विचारधारा की भाषा है।

राष्ट्रपति बनने पर ला सकते हैं अवैध प्रवासियों के खिलाफ कड़े कानून

डोनाल्ड ट्रंप ने 2020 में हुए राष्ट्रपति चुनाव में अपनी हार स्वीकार नहीं की थी और अब 2024 के चुनाव एक बार फिर वह रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से तगड़े उम्मीदवार हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में बताया जा रहा है कि डोनाल्ड ट्रंप अगर दोबारा अमेरिका के राष्ट्रपति बनते हैं तो वह इस बार अवैध प्रवासियों के लिए पहले से भी ज्यादा कड़े कानून ला सकते हैं। पिछले कार्यकाल में ट्रंप ने अवैध प्रवासियों को उनके बच्चों से अलग कर उन्हें अलग-अलग रखा था। इस बार चर्चा है कि ट्रंप अवैध प्रवासियों को पकड़कर उनके देश वापस भेजने जैसा कानून लेकर आएंगे। ट्रंप ने कई मुस्लिम देशों और अफ्रीकी देशों के नागरिकों के अमेरिका आने पर प्रतिबंध लगा दिया था। ट्रंप का कहना है कि सत्ता में आने के बाद एक बार फिर से वह इस प्रतिबंध को लागू करेंगे। साथ ही अवैध प्रवासियों के लिए सख्त वैचारिक स्क्रीनिंग भी लागू की जाएगी।

6 दिन, 42 चुनावी अभियानों में हिस्सा, विवेक रामास्वामी ने बताया अपनी एनर्जी का राज

वॉशिंगटन, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के भारतवंशी दावेदार विवेक रामास्वामी ने एक नया रिकॉर्ड बना लिया है। विवेक रामास्वामी ने 6 दिनों के भीतर 40 से अधिक चुनावी अभियानों में हिस्सा लिया है। जो राष्ट्रपति पद के किसी भी अन्य उम्मीदवार से अधिक है। रिपोर्ट के हवाले से बताया कि राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार विवेक रामास्वामी ने एक सप्ताह के दौरान 42 चुनावी अभियानों में हिस्सा लिया है। विवेक रामास्वामी ने अपनी कार्यशैली के बारे में बताया कि वह आयोवा में लोगों की ऊर्जा से प्रेरित रहते हैं। रामास्वामी ने कहा कि उनका शेड्यूल अगले सप्ताह तक काफी व्यस्त रहने वाला है, लेकिन वह अपने इस अभियान को जारी रखेंगे और 38 कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि निर्वाचित होने का यह सही तरीका होगा, जिन लोगों का हम प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, हम उनके प्रति उत्तरदायी होने के लिए उनका प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। रामास्वामी ने कहा कि यह सब उन्होंने अपने माता-पिता से सीखा है।

'यूरोपीय देशों में अवैध प्रवासियों की एंट्री पर लगे रोक

ब्रिटिश पीएम ऋषि सुनक ने जताई चिंता

लंदन, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने यूरोप में अवैध प्रवासियों की एंट्री को लेकर चिंता जताई है। पीएम ऋषि सुनक ने कहा कि कुछ दुश्मन लोगों के पलायन को हथियार के रूप में इस्तेमाल करना चाहते हैं, ताकि समाज को जानबूझकर अस्थिर कर सकें। पीएम सुनक ने चेतावनी दी है कि अगर इस मुद्दे के समाधान के लिए त्वरित कार्रवाई नहीं की गई तो प्रवासियों की बढ़ती संख्या यूरोपीय देशों पर भारी पड़ सकती है। ब्रिटिश पीएम सुनक ने इटली में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आपराधिक गिरोह मानवता का फायदा उठाने के सबसे बुरे तरीके ढूंढते हैं और वह लोगों की जान को खतरे में डालते हैं। उन्होंने कहा कि अगर हम इस समस्या से नहीं निपटते हैं तो यूरोप में प्रवासियों की संख्या केवल बढ़ेगी।

शरणार्थी नियमों में बदलाव की जरूरत- पीएम सुनक

प्रधानमंत्री सुनक ने यह भी कहा कि अवैध प्रवासन से निपटने के लिए वैश्विक शरणार्थी नियमों में बदलाव की आवश्यकता है। सुनक ने कहा कि अगर हमने अभी इस समस्या का समाधान नहीं किया तो नावें आती रहेंगी और समुद्र में और अधिक जानें जाएंगी। बता दें कि ब्रिटेन सरकार ने अवैध प्रवासियों को रोकने के लिए बड़ा कदम उठाया है। सुनक ने विधेयक को अब तक का सबसे कठोर आव्रजन विरोधी कानून बताया है। इसके मुताबिक, ब्रिटिश लोगों को यह अधिकार रहेगा कि उनके देश में कौन आएगा।

चीन के विदेश मंत्री किंन गैंग के लापता होने के पीछे पुतिन का हाथ?

जिनपिंग को दी थी बड़ी टिप, खोले थे कई गहरे राज

बीजिंग, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। चीन के विदेश मंत्री किन गैंग के लापता होने के पांच महीने बाद अब निक्केई एशिया ने एक बड़ा धमाकेदार रहस्योद्घाटन किया है। जिसमें कहा गया कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की टिप के कारण चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को अपने विदेश मंत्री को गायब करने लिए मजबूर होना पड़ा। 'निक्केई एशिया' की एक रिपोर्ट के मुताबिक आशंका है कि किन गैंग रूस के 'स्पाई वॉर' का शिकार हो गए हैं। किन गैंग चीन की विदेश नीति को रूस से दूर यूक्रेन के पक्ष में चला रहे थे, जिससे पुतिन काफी नाराज थे। यह सब मई में शुरू हुआ जब एक चीनी प्रतिनिधिमंडल ने यूक्रेन का दौरा किया और राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से मुलाकात की। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व रूस में पूर्व चीनी राजदूत ली हुई ने किया था। यह बैठक पहला संकेत थी कि बीजिंग रूस-यूक्रेन युद्ध में अपना रुख बदल रहा है। उस बैठक के ठीक बाद चीन ने जी-7 बैठक में जापान जाने के लिए जेलेंस्की को चीनी हवाई क्षेत्र का उपयोग करने की भी अनुमति दी। उस बैठक में जेलेंस्की ने रूस पर जमकर निशाना साधा और दुनिया से अधिक समर्थन और सहायता की अपील की। यह फिर से रूस को अच्छा नहीं लगा। यह वह समय था जब चीन ने रूस और यूक्रेन के बीच मध्यस्थता करने की इच्छा जताई थी। इस सबने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को परेशान कर दिया।

पुतिन का दांव

रूस ने बीजिंग को दी गुप्त सूचना दी कि किन गैंग का अमेरिका से करीबी संबंध हो सकता है। यह दावा संभवतः कुछ ठोस सबूत के साथ आया, जिसने शी जिनपिंग को ठोस कार्रवाई करने के लिए मजबूर किया। यह साफ नहीं है कि रूसी खुफिया विभाग ने चीन को क्या सबूत दिये थे। सबसे अधिक संभावना है कि यह एक हाई-प्रोफाइल चीनी टीवी एंकर के साथ किन के विवाहेतर संबंध के बारे में था। पश्चिमी मीडिया की रिपोर्टों के मुताबिक किन को अमेरिका में एक सरोगेट मां की मदद से टीवी एंकर से एक बच्चा हुआ था। यह महिला अमेरिका और ब्रिटेन में रह चुकी थी। रूस ने शायद यह कहा कि किन गैंग को एक ऐसी महिला ने भ्रष्ट कर दिया था, जो पश्चिमी देशों के बहुत करीब थी।

किन गैंग पर चला चाबुक

ऐसा माना जाता है कि शी जिनपिंग को यह संदेह हुआ कि किन गैंग की प्रेमिका ने घरेलू राजनीतिक मुद्दों के बारे में वाशिंगटन को खुफिया जानकारी दी होगी। इसके बाद न केवल किन गैंग को उनके पद से हटा दिया गया बल्कि उनका आज तक कोई अता-पता नहीं है। हालांकि चीन में बड़े पदों पर तैनात नेताओं के लिए विवाहेतर संबंध रखना दुर्लभ नहीं है। ऐसे बहुत से मामले नहीं हैं, जहां उन्हें ऐसे अपराधों के लिए पदों से बर्खास्त किया गया हो। जबकि किन गैंग वास्तव में शी जिनपिंग के करीबी थे। यहां तक कि वह शी के निजी जीवन के पहलुओं से भी परिचित थे।

जलालत के बाद भी नहीं सुधर रहा पाक

कश्मीर के मुद्दे पर यूएन समेत तीन जगह पहुंचा गिड़गिड़ाने,क्या है पूरा मामला

इस्लामाबाद, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान को कश्मीर के मुद्दे पर दुनियाभर में जलालत का सामना करना पड़ा है। एक-दुक्का मुल्कों को छोड़ दें, तो बाकी दुनिया कश्मीर के मुद्दे पर भारत के साथ खड़ी नजर आती है। मगर पाकिस्तान को ये बात समझ नहीं आ रही है, क्योंकि वह लगातार अंतरराष्ट्रीय मंचों पर जाकर भारत के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहा है। ऐसा ही उसने एक बार फिर किया है, जहां वह तीन जगह कश्मीर का मुद्दा उठाते हुए पहुंच गया है। जियो न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को हटाने को वैध ठहराया। इसका असर पाकिस्तान में भी देखने को मिला। इसी मुद्दे पर अब पाकिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री जलील अब्बास जिलानी ने अंतरराष्ट्रीय संगठनों के नेताओं को चिट्ठी लिखी है। इसमें उन्होंने जम्मू-कश्मीर को लेकर सुप्रीम कोर्ट की तरफ से सुनाए गए फैसले की ओर ध्यान आकर्षित करवाया है।

पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय की तरफ से जारी किए गए बयान के मुताबिक, विदेश मंत्री जलील अब्बास ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन), इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) और यूरोपियन यूनियन (ईयू) के नेतृत्व को चिट्ठी लिखी है। अपनी चिट्ठी में पाकिस्तानी विदेश मंत्री ने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय कानून, घरेलू कानून और न्यायिक फैसलों के जरिए जम्मू-कश्मीर के हालात को बदला नहीं जा सकता है। इस चिट्ठी में जम्मू-कश्मीर के लोगों के अधिकारों की भी बात की गई है।

लीबिया में भयानक हादसा, जहाज डूबने से बच्चों-महिलाओं समेत 61 प्रवासियों की मौत

लीबिया, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। लीबिया में भयानक हादसा हो गया है। जहाज डूबने से 61 प्रवासियों की मौत हो गई है। इसमें कई बच्चे और महिलाएं शामिल हैं। इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन फॉर माइग्रेशन (आईओएम) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी। आईओएम ने जिंदा बचे लोगों के हवाले से बताया कि जहाज पर कुल 86 लोग सवार थे। जहाज लीबिया के ज्वारा शहर से रवाना हुई थी। बता दें कि समुद्र के रास्ते यूरोप पहुंचने के इच्छुक लोगों के लिए लीबिया एक मेजर लॉन्चिंग पॉइंट है। अफ्रीका और मध्य पूर्व में स्थित मुल्कों के लोग अपने यहां हो रहे युद्ध और अशांति से बचने के लिए लीबिया के रास्ते यूरोप जाना चाहते हैं। इन रास्तों पर सैन्य गुटों द्वारा मानव तस्करी नेटवर्क चलाए जाते हैं, जो तटीय क्षेत्रों को नियंत्रित करते हैं। वे प्रवासियों को खतरनाक भूमध्य सागर के माध्यम से जोखिम भरी यात्रा कराते हैं। प्रवासियों के डूबने की यह कोई पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी इस तरह के मामले कई मामले सामने आए हैं। इसी तरह की एक घटना जून में हुई थी, जब 79 प्रवासी डूब गए थे और सैकड़ों अन्य लापता हो गए थे।

फरवरी में एक तूफान के दौरान इटली के कैलाब्रियन तट पर उनकी नाव चट्टानों से टकरा गई थी, जिससे 96 लोगों की मौत हो गई थी। इस तरह के और कई मामले हैं। 2011 में हुए नाटो समर्थित विद्रोह के बाद से लीबिया में काफी अस्थिरता है। तानाशाह मोअम्मर गद्दाफी के मारे जाने के बाद से ही लीबिया में उथल-पुथल का माहौल है। 2011 में हुई अरब क्रांति में गद्दाफी को मार दिया गया।

कहां छिपा है शातिर सिनवार? हमास का 'कसाई' इजराइल के लिए बना सिरदर्द, मोसाद भी फेल!

तेल अवीव, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। गाजा के हमास कमांडर याह्या सिनवार का नाम इस वक्त इजरायल की हिटलिस्ट में सबसे ऊपर है। 10 दिन पहले ही इजरायल ने ये दावा किया था कि खान यूनिस में याह्या सिनवार एक बंकर के अंदर छिपा है। सिनवार को पूरी तरह घेर लिया गया और जल्दी ही उसको ढेर कर दिया जाएगा, लेकिन इजरायल का ये दावा हकीकत नहीं बन सका। याह्या सिनवार अब भी जिंदा है। अब भी वह युद्ध की कमान संभाले हुए है और इजरायल के लिए मुसीबत बना हुआ है। सिनवार को जानने वाले इजरायली कमांडर ये भी मान रहे हैं कि वो गाजा या जॉर्डन में तेल अवीव में भी हो सकता है। याह्या सिनवार ही वो नाम है, जो गाजा में हमास का नेतृत्व कर रहा है। सिनवार का मतबल है हमास के युद्ध की रणनीति। सिनवार का मतलब है अल कस्साम ब्रिगेड का हौसला। सिनवार ही हमास और अल कस्साम को हथियारों की सप्लाई का काम संभालता है। युद्ध की रणनीति तैयार करना भी सिनवार का काम है। लड़ाकों के लिए रसद सप्लाई भी सिनवार के जरिए होती है। यानी सिनवार की मौत का मतलब होगा, एक गोली से हमास की कई विंग का ढेर हो जाना।

5 दिसंबर तक याह्या सिनवार गाजा में था। इजरायल का दावा था कि सेना उसके करीब पहुंच चुकी है। 6 दिसंबर को भी इजरायल ने ये दावा किया कि वो सिनवार के बहुत करीब है, लेकिन सिनवार अबतक इजरायल की पकड़ में नहीं आया है। इजरायल के पूर्व सैनिक और शिन बेट यूनिट के कई पूर्व कमांडर ये मानते हैं कि सिनवार गाजा से निकल चुका है। शिन बेट यूनिट के एक पूर्व कमांडर ने कहा है कि सिनवार इजरायल में छिपा हो सकता है।

अयोध्या में रामलला के प्राण-प्रतिष्ठा के लिए अमेरिका भी तैयार, वाशिंगटन में हिंदुओं ने निकाली भव्य रैली

वाशिंगटन, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। अयोध्या में 22 जनवरी को रामलला के प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम की तैयारियां जोरों शोरों से चल रही हैं। मंदिर का शेष निर्माण तेजी से पूरा कराया जा रहा है। भारत के साथ-साथ अब विदेशों में भी प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर उत्साह देखने को मिल रहा है। अमेरिका के वाशिंगटन डीसी में विश्व हिंदू परिषद् के नेतृत्व में एक रैली का आयोजन किया गया। इस आयोजन में लोगों ने बाद चढ़कर हिस्सा लिया। जानकारी के अनुसार, अयोध्या में राम मंदिर की आगामी प्राण प्रतिष्ठा का जश्न मनाने के लिए, विश्व हिंदू परिषद, अमेरिका के नेतृत्व में हिंदू अमेरिकियों ने मैरीलैंड में एक स्थानीय हिंदू मंदिर, श्री भक्त अंजनेय मंदिर में एक मिनी कार और बाइक रैली का आयोजन किया। यह कार्यक्रम 'अयोध्या वे' नामक सड़क पर हुआ, जहां कार सवार भव्य 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह का जश्न मनाने के लिए सड़कों पर उतर आये। कार्यक्रम के आयोजकों में से एक, विश्व हिंदू परिषद ऑफ अमेरिका डीसी चैप्टर के अध्यक्ष महेंद्र सापा ने कहा कि राम मंदिर के उद्घाटन के अवसर पर वाशिंगटन डीसी क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उत्सव का आयोजन कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हिंदुओं द्वारा 500 वर्षों के संघर्ष के बाद, भगवान श्री राम मंदिर का उद्घाटन किया जा रहा है। इसलिए हम 20 जनवरी, 2024 को वाशिंगटन डीसी क्षेत्र में लगभग 1000 अमेरिकी हिंदू परिवारों के साथ एक ऐतिहासिक उत्सव का आयोजन कर रहे हैं। उत्सव में रामलीला, श्री राम की कहानियां और भजनों का आयोजन किया जाएगा। एक अन्य सह-आयोजक अनिमेष शुक्ला ने कहा कि उत्सव में विभिन्न उम्र के बच्चों द्वारा अमेरिकी बच्चों की समझ के अनुसार भगवान राम के जीवन का 45 मिनट का मंचन किया जाएगा। उन्होंने सभी परिवारों को अमेरिका में 20 जनवरी के उत्सव के साथ-साथ 22 जनवरी को अयोध्या में वास्तविक उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया।

जानिए कौन हैं शेख मेशाल, जो शेख नवाफ अल अहमद के निधन के बाद बनेंगे कुवैत के अगले शासक

कुवैत, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। सिटीकुवैत के अमीर शेख नवाफ अल अहमद अल सबा का शनिवार को 86 साल की उम्र में निधन हो गया। शेख नवाफ तीन साल पहले ही कुवैत के अमीर बने थे। अब युवराज शेख मेशाल अल अहमद अल सबा (83 वर्षीय) कुवैत के अगले अमीर होंगे। शेख मेशाल का 2021 से ही कुवैत का अमीर बनना तय था। शेख नवाफ जब बीमार थे तो उन्होंने खुद ही अपनी अधिकतर जिम्मेदारियां शेख मेशाल को सौंप दी थी। बता दें कि कुवैत के संविधान के तहत युवराज ही अगला अमीर बनते हैं। शेख मेशाल कुवैत की संसद में शपथ लेने के बाद आधिकारिक रूप से कुवैत के नए अमीर हो जाएंगे। शेख मेशाल संभवतः दुनिया के सबसे बुजुर्ग युवराज थे। शेख मेशाल संभवतः दुनिया के सबसे बुजुर्ग युवराज थे। सत्ता संभालने के बाद शेख मेशाल की सबसे बड़ी चुनौती सरकार और संसद के बीच के संबंधों का प्रबंधन करना होगा। दरअसल राजसी परिवार अल सबा के बीच की प्रतिद्वंदिता अकसर संसद में दिखाई देती है। बता दें कि कुवैत में जनता द्वारा चुनी हुई सरकार भी काम करती है और अक्सर राजशाही और लोकतंत्र के बीच खींचतान देखी जाती है। वहीं शेख नवाफ के निधन पर कुवैत में 40 दिनों का शोक रहेगा, साथ ही तीन दिनों तक सभी सरकारी कार्यालय बंद रहेंगे। शेख नवाफ के निधन की वजह का खुलासा नहीं किया गया है। पिछले महीने स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के चलते उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। शेख नवाफ के निधन पर दुनियाभर के नेताओं ने दुख जताया है। कुवैत को पश्चिम एशिया में अमेरिका का करीबी सहयोगी माना जाता है। कुवैत के पास दुनिया के छठे सबसे बड़े तेल रिजर्व हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने शेख नवाफ के निधन पर दुख जताते हुए उन्हें अमेरिका का सच्चा दोस्त बताया और कहा कि दोनों देश आगे भी अपने संबंधों को मजबूत बनाते रहेंगे। शेख नवाफ की साल 2020 में ही अमीर पद पर ताजपोशी हुई थी। शेख नवाफ के भाई शेख सबा के निधन के बाद ही शेख नवाफ सत्ता पर काबिज हुए थे। शेख सबा ने एक दशक से भी ज्यादा समय तक कुवैत पर शासन किया था। कुवैत की सीमा सऊदी अरब और इराक से मिलती है। कुवैत पर साल 1990 में इराक ने कब्जा कर लिया था, जिससे पहले खाड़ी के युद्ध की शुरुआत हुई। साल 1991 में अमेरिका और अन्य सहयोगी देशों ने इराक को जंग में हराकर कुवैत को आजाद कराया।

किसी ने पी लिया फिनाइल तो किसी ने खाया जहर, अफगानिस्तान में महिलाएं क्यों करने लगीं सुसाइड? क्या है इसका 'तालिबान कनेक्शन'

काबुल, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी के बाद से ही अगर किसी के हालात बहुत ज्यादा बिगड़े हैं, तो वे महिलाएं और लड़कियां हैं। सत्ता मिलते ही तालिबान ने धीरे-धीरे अपने अपनी दमनकारी नीतियां लागू करना शुरू कर दिया। इसका नतीजा ये हुआ है कि महिलाओं को दफ्तरों, यूनिवर्सिटी, नेशनल पार्क, जिम जैसी सार्वजनिक जगहों से पूरी तरह से दूर कर दिया गया है। बच्चियां छठी क्लास से ज्यादा पढ़ाई नहीं कर सकती हैं। यही वजह है कि अब धीरे-धीरे इसका असर भी देखने को मिल रहा है। अफगानिस्तान में महिलाओं के बीच आत्महत्या के मामले बढ़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसकी मुख्य वजह अकेलापन, घर से बाहर निकलने की आजादी नहीं होना, कमरो के भीतर कैद होना, पढ़ाई से रोक दिया जाना है। हालात इस कदर खराब हो चुके हैं कि महिलाएं अब डिप्रेशन, तनाव और मानसिक बीमारियों का शिकार होती जा रही हैं। एक तरह से महिलाओं की स्थिति दिनों-दिन खराब हो रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, एक्सपर्ट्स का कहना है कि अफगानिस्तान में आत्महत्या और आत्महत्या की कोशिस पर विश्वसनीय आंकड़े इकट्ठा नहीं किए गए हैं। लेकिन राइट्स ग्रुप्स और डॉक्टरों का कहना है कि उन्होंने तालिबान शासन के दौरान आत्महत्या के मामले बढ़ते हुए देखे हैं। अफगानिस्तान के हेरात प्रांत में मेंटल हेल्थ क्लिनिक चलाने वाले डॉ शिकीब अहमदी ने देश में बढ़ रहे आत्महत्या के मामलों पर एक स्पष्ट जानकारी दी है। डॉ अहमदी ने बताया कि पिछले दो साल से तालिबान की वापसी के बाद उनके क्लिनिक पर आने वाली महिला मरीजों की संख्या में 40 से 50 फीसदी का इजाफा हुआ है। इसमें से 10 फीसदी महिलाओं ने आगे चलकर सुसाइड कर लिया। उनका कहना है कि वह देश में महिलाओं के लिए अच्छे भविष्य की उम्मीद नहीं करते हैं। उन्होंने बताया कि महिलाओं को यहां कोई भविष्य नजर नहीं आ रहा है, जिसकी वजह से वे अब अपनी जान लेना शुरू कर रही हैं। यहां हैरानी वाली बात ये है कि महिलाओं और बच्चियों ने आत्महत्या के लिए घर में मौजूद चीजों का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। घर से बाहर जाने की इजाजत नहीं होने की वजह से महिलाएं बाहर जाकर या कहीं से कूदकर आत्महत्या नहीं कर रही हैं। उन्होंने घर में मौजूद चूहे मारने का जहर, लिक्विड केमिकल, फिनाइल और फर्टिलाइजर खाकर अपनी जान लेना शुरू कर दिया है।

जलशक्ति मंत्री शेखावत बोले अगले 5 साल में देश में अग्रणी बनेगा राजस्थान

जोधपुर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्रसिंह शेखावत ने एक कार्यक्रम में मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने से डबल इंजन सरकार के तहत राज्य विकास और प्रगति कर नई दिशा प्राप्त करेगा।

जोधपुर के एक कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचे केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्रसिंह शेखावत ने कहा कि 'भाजपा की बल इंजन सरकार के तहत राज्य विकास और प्रगति की नई ऊंचाइयों पर पहुंचेगा। आने वाले वर्षों में राजस्थान हर मामले में देश का अग्रणी राज्य होगा।'

उन्होंने कहा कि आने वाले पांच सालों में राजस्थान देश का अग्रणी राज्य बनेगा और प्रदेश के प्रत्येक व्यक्ति के लिए वह दिन दिवाली के समान होगा। शेखावत एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जोधपुर पहुंचे थे।

भजन लाल सरकार के बड़े फैसले, पेपरलीक की जांच के लिए एसआईटी गठित, एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स का भी गठन

जयपुर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा शपथ लेने के बाद से एक्शन मोड में हैं। शुक्रवार को उन्होंने पेपरलीक केस की जांच के लिए के लिए एसआईटी बनाने के निर्देश दिए थे। इसके आदेश जारी कर दिए गए।

राजस्थान में पेपरलीक मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया है। साथ ही संगठित अपराधों पर रोक लगाने और अपराधियों पर कार्रवाई करने के लिए एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स का गठन किया गया है। एसआईटी और एंटी टास्क फोर्स

वीके सिंह एसआईटी और दिनेश एमएन एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स के इंचार्ज बनाए गए।

बनाने के संकेत मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने पहले ही दे दिए थे।

महानिदेशक पुलिस उमेश मिश्रा ने इसे लेकर दो अलग-अलग आदेश जारी किए। इसके तहत पेपरलीक से संबंध घटनाओं की रोकथाम और मामलों की जांच के लिए एडिशनल डीजीपी तकनीकी सेवा वीके सिंह के नेतृत्व में एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) का गठन किया है। एसआईटी पेपर लीक मामले की जांच कर अपराधियों पर सख्त कार्रवाई करेगी। टीम के पास अपराधियों की संपत्ति जब्त और कुर्की करने का भी पावर रहेगा। टीम में एक एडीजी, एक-एक आईजी/ डीआईजी/एसपी, चार एडिशनल एसपी, आठ डीएसपी, 10 इंस्पेक्टर/ एसआई, 10 एएसआई/ हेड कांस्टेबल, 15 कांस्टेबल और कांस्टेबल कंप्यूटर ऑपरेटर समेत 50 सदस्य होंगे।

65 सदस्यों के साथ काम करेगी एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स

इसी तरह एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स का गठन एडिशनल डीजीपी क्राइम दिनेश एमएन के नेतृत्व में किया गया है। टास्क फोर्स प्रदेश की गैंग्स की पहचान करेगा और उनका डाटाबेस तैयार कर उन पर कार्रवाई करेगा। साथ ही कोर्ट में चल रहे मामलों की मॉनिटरिंग कर गैंगस्टर को सख्त सजा दिलवाने का प्रयास करेगा।

टास्क फोर्स में एक एडीजी, एक-एक आईजी/ डीआईजी/एसपी, दो एडिशनल एसपी, चार डीएसपी, चार इंस्पेक्टर, 12 एसआई व एएसआई , 40 हेड कांस्टेबल/ कांस्टेबल और कांस्टेबल कंप्यूटर ऑपरेटर समेत 65 सदस्यों को जगह दी गई है।

सचिन के करीबी अभिमन्यू पूनिया को मिली यूथ कांग्रेस की कमान, दो अन्य की भी नियुक्ति

जयपुर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद अब कांग्रेस फिर से अपने संगठन को मजबूत करने में जुट गई है। इसी के चलते राजस्थान यूथ कांग्रेस में बदलाव के साथ कुछ नई नियुक्तियां की गई हैं।

तीन राज्यों के विधानसभा चुनावों में मिली करारी हार के बाद कांग्रेस संगठनात्मक स्तर पर बदलाव करने में जुट गई है। इस बदलाव में सबसे पहला नंबर यूथ कांग्रेस का आया है जहां एक अध्यक्ष और दो कार्यकारी अध्यक्ष बनाए गए हैं।

पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के करीबी माने जा रहे

अभिमन्यु पूनिया को राजस्थान यूथ कांग्रेस का अध्यक्ष बनाया गया है। साथ ही सुधींद्र मूंड और यशवीर सूरा कार्यकारी अध्यक्ष बनाए गए हैं। इस संबंध में यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बी.वी. ने आदेश जारी किए हैं।

अध्यक्ष बनने के बाद अभिमन्यु पूनिया ने सचिन पायलट से मुलाकात की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, "युवा कांग्रेस राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचित होने पर युवा हृदय सम्राट, युवाओं के मार्गदर्शक और लोकप्रिय जननेता आदरणीय सचिन पायलटजी से मुलाक़ात कर आशीर्वाद लिया। राज्य में भाजपा के कुशासन के खिलाफ युवा कांग्रेस का हर एक साथी मजबूती से लड़ेगा।"

अध्यक्ष पद पर अभिमन्यू पूनिया को सबसे ज्यादा 2.30 लाख वोट मिले थे। दूसरे नंबर पर सुधींद्र मूंड और तीसरे नंबर पर यशवीर सूरा रहे। गौरतलब है कि यूथ कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष, प्रदेश महासचिव और सचिव से लेकर जिलाध्यक्ष के पदों पर पहले ही नियुक्तियां हो चुकी हैं।

सड़क पर चलते हुए आग का गोला बनी कार 3 लोग जिंदा जले, दो की हालत गंभीर

अजमेर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के अजमेर में एक बड़ा सड़क हादसा हो गया है, यहां डिवाइडर से टकराने के बाद एक तेज रफ्तार कार में आग लगने से तीन लोग जिंदा जल गए, जबकि दो की हालत गंभीर बनी हुई है। वहीं, मौके पर मौजूद लोगों ने कार का शीशा तोड़कर घायलों को बाहर निकाला। हादसे के वक्त कार में कुल पांच लोग सवार थे।

यह दुर्घटना लोहागल रोड पर पेट्रोल पंप के पास हुई। कार में आग लगने के बाद जलने से दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायलों को अस्पताल लेकर जाया गया। इस दौरान रास्ते में एक और व्यक्ति

की मौत हो गई। वहीं, दो अन्य घायलों का इलाज जारी है तथा दोनों की हालत गंभीर बनी हुई है।

मिली जानकारी के मुताबिक, प्रतापनगर के रहने वाला कृष्ण अपने दोस्त उमेश व तीन अन्य लोगों के साथ रिट्ज कार से पुष्कर गया था। इस दौरान पुष्कर से लौटते वक्त अजमेर में लोहागल रोड पर उनकी कार डिवाइडर से टकरा गई। गाड़ी की रफ्तार इतनी तेज थी कि वह विपरीत दिशा में मुड़ गई और उसमें आग लग गई। वहीं, गाड़ी में आग लगने के कारण टायर फट गया। इस दौरान मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने जलती हुई कार के शीशे को तोड़कर उन्हें बाहर निकाला। इस हादसे को लेकर क्रिश्चियनगंज थाना प्रभारी रवींद्र सिंह खींची ने बताया कि मृतकों की पहचान सोहेल खान, जय सांखला, शक्ति सिंह के रूप में की गई है। हादसे में कबीर सिंह और जय सांखला कार में ही जिंदा जल गए, जबकि सोहेल खान ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। वहीं, झुलसे दोनों लोग कृष्ण मुरारी और गुर्जर धरती का इलाज हॉस्पिटल में चल रहा है।

सीएमओ के 4 अफसर एपीओ, लेकिन जिस मुख्य सचिव को हटाने के लिए भाजपा चुनाव आयोग तक गई वह अब तक पद पर

जयपुर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रदेश में राज बदलने के साथ ही ब्यूरोक्रेसी के चेहरे बदलने की शुरुआत हो चुकी है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर पिछली सरकार के समय से सीएमओ में तैनात 4 आईएएस अफसरों को एपीओ कर दिया गया।

इनमें गहलोत के प्रमुख सचिव कुलदीप रांका के अलावा आईएएस आरती डोगरा, गोरव गोयल और राजन विशाल को अगले आदेशों तक एपीओ करने का आदेश जारी कर दिए गए। लेकिन, जिस मुख्य सचिव उषा शर्मा को हटाने के लिए भाजपा ने चुनाव आयोग में जाकर एडी-चोटी का जोर लगा दिया था वह अब तक अपने पद पर काम कर रही हैं।

अब तक का चलन यही रहा है कि नई सरकार सत्ता में आने के साथ ही मुख्य सचिव या तो छुट्टी पर चले गए या फिर उन्हें किसी बोर्ड-आयोग में लगा दिया गया। लेकिन, उषा शर्मा अब तक न तो छुट्टी पर गईं और न ही सरकार उनका तबादला कर सकी। हालांकि, भाजपा के नेता उनके खासे नाराज जरूर हैं। इसकी 2 बड़ी वजह है।

पहली वजह यह कि विधानसभा चुनाव के बीच बीजेपी ने मुख्य सचिव उषा शर्मा पर कई गंभीर आरोप लगाए थे और चुनाव आयोग से उषा शर्मा को तुरंत कार्यमुक्त करने की मांग की थी। इसके लिए राजस्थान विधानसभा में तत्कालीन नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य निर्वाचन

अधिकारी को ज्ञापन भी सौंपा था। राठौड़ ने कहा था कि मुख्य सचिव उषा शर्मा सेवाकाल बढ़ाए जाने के कारण सरकार से उपकृत अधिकारी है, इसलिए चुनाव में निष्पक्ष रूप से काम नहीं कर सकतीं।

दूसरी वजह मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में अव्यवस्थाएं हुईं हैं। इसमें उद्घोषक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मुख्यमंत्री बोल दिया जिस पर पीएम काफी नाराज भी नजर आए। वहीं मंच से राष्ट्रगान के समय भी काफी गड़बड़ी हुई जिसे लेकर भाजपा नेता काफी नाराज हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक उषा शर्मा का कार्यकाल पूरा होने से पहले ही सरकार उन्हें रवाना कर सकती है। हालांकि, सेवा काल के विस्तार के बाद ही उषा शर्मा की सेवानिवृत्ति इसी साल 31 दिसंबर को ही है। लेकिन, भाजपा सरकार इससे पहले ही उन्हें मुख्य सचिव की जिम्मेदारी से मुक्त कर सकती है। राजस्थान में राज बदलने के साथ ब्यूरोक्रेसी का चेहरा बदलने का रिवाज हमेशा से ही रहा है।

जब भी यहां सत्ता परिविर्तन हुआ मुख्य सचिव का चेहरा हाथों-हाथ बदला गया। जब 2013 में भाजपा सरकार सत्ता में आई तब तत्कालीन मुख्य सचिव सीके मैथ्यू छुट्टी पर चले गए और सरकार ने काम संभालते ही उन्हें मुख्य सचिव के पद से हटाकर रोजडवेज चेयरमैन बना दिया। इसी तरह भाजपा के राज में मुख्य सचिव रहे डीबी गुप्ता को भी शपथ लेने के कुछ समय बाद ही गहलोत सरकार ने मुख्य सचिव के पद से हटा दिया था।

भाजपा के वरिष्ठ नेता राजेंद्र राठौड़ ने कहा- हां चुनाव के दौरान हमने मुख्य सचिव ऊषा शर्मा को हटाने के लिए ज्ञापन दिया था। अब सरकार भाजपा की आ गई है, जो इस पर फैसला लेगी।

नागौर में एक ही परिवार के 4 सदस्यों ने खाया जहर, अजमेर रेफर, मचा हड़कम्प

नागौर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। नागौर से बड़ी ख़बर। एक ही परिवार के चार सदस्यों ने जहर खाया। पति-पत्नी और दो बच्चियों ने जान देने की कोशिश की। गंभीर हालात में चारों को अजमेर रेफर किया गया है।

राजस्थान के नागौर से बड़ी ख़बर। मेड़ता के सिरियो के मोहल्ले में एक ही परिवार के चार सदस्यों ने जहर खाया। पति-पत्नी और दो बच्चियों ने जान देने की कोशिश की। गंभीर हालात में चारों को अजमेर रेफर किया गया है। बताया जा रहा है कि पारिवारिक कलह के चलते चारों ने जहर खाया। सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। गंभीर हालात में चारों को अजमेर रेफर किया गया। इधर पुलिस जांच में जुट गई है। मामला रविवार सुबह करीब 8.30 बजे का है। जब मेड़ता में एक ही परिवार के 4 सदस्यों ने विषाक्त पदार्थ का सेवन कर आत्महत्या की कोशिश की। परिवार में पति-पत्नी और दो पुत्रियों को सुबह 9 बजे मेड़ता सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार के बाद गंभीर अवस्था में अजमेर रेफर किया गया। परिवार के चारों सदस्यों ने लिक्विड पॉइजन का सेवन किया था।

बताया जा रहा है कि प्रारम्भिक तौर पर भाईयों के जमीन के बंटवारे के विवाद को लेकर अवसाद में आकर परिवार के चारों सदस्यों ने यह बड़ा कदम उठाया है। बताया जा रहा है कि खेतों में छिड़काव करने वाली विषाक्त आर्गोनो फॉस्फोरस की दो शीशियां घटनास्थल पर मिली हैं।

मेड़ता के सिरियो के दामावतों के मोहल्ले में रहने वाले कैलाशचंद (45 वर्ष) पुत्र मांगीलाल, उसकी पत्नी उर्मिला (42 वर्ष), विशाका (21 वर्ष) पुत्री कैलाशचंद, कृष्णा (18 वर्ष) पुत्र कैलाशचंद ने विषाक्त पदार्थ का सेवन किया है।

इस बड़ी घटना की सूचना के बाद पुलिस उप अधीक्षक नूर मोहम्मद सहित जाप्ता मौके पर पहुंच गए। एक हेड कांस्टेबल और कांस्टेबल बयान के लिए अजमेर रवाना किए गए हैं। चिकित्सकों के अनुसार इस विषाक्त का असर कुछ घंटों बाद दिखाई देता हैं, इसलिए जहर का प्रभाव अधिक होने से पहले उपचार करने के लिए अजमेर रेफर किया गया। परिजन दो शीशी साथ लेकर आए थे, जिसके आधार पर विषाक्त का पता लगा है।

कड़ाके की सर्दी से आबू में जमाव बिंदु पर पहुंचा पारा

बाकी राजस्थान भी सर्दी की गिरफ्त में

जयपुर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। दिसंबर बीतते-बीतते राजस्थान में सर्दी का असर बढ़ता जा रहा है। दिन में धूप निकलने से सर्दी से थोड़ी राहत जरूर मिलती है लेकिन शाम होते ही सर्दी फिर से अपना असर दिखाना शुरू कर देती है।

राजस्थान में सर्दी का मौसम लगातार तीखे तेवर दिखा रहा है। पूरे प्रदेश में सर्दी का असर माउंट आबू में नजर आ रहा है जहां पारा जमाव बिंदु के पर पहुंच चुका है। आबू में कड़ाके की सर्दी के चलते अब लोग अलाव का सहारा लेने लगे हैं।

माउंट आबू में इन दिनों सर्दी का असर सबसे ज्यादा है। यहां का न्यूनतम तापमान -1 किया गया। सीजन में यह तीसरी बार है जब पारा जमाव बिंदु पर पहुंच गया है। बताया जा रहा है कि आने वाले दिनों में सर्दी का असर और देखने को मिलेगा।

शेष प्रदेश की बात करें तो हनुमानगढ़, सीकर, धौलपुर, पाली, बांसवाड़ा, उदयपुर में इस वक्त तेज सर्दी के हालात हैं। धौलपुर में मावठ हुई है। वहीं हनुमानगढ़ सबसे ठंडा इलाका रहा। यहां न्यूनतम तापमान 6.3 डिग्री रहा है। इसके अलावा सीकर में 6.4 डिग्री न्यूनतम तापमान रहा। वहीं प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में न्यूनतम तापमान लगभग 10 डिग्री या इससे ज्यादा ही रहा।

पुलिस समय पर कार्रवाई करती तो महिला पर जानलेवा हमला नहीं होता

टिपटा, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। पुलिस ससुराल पक्ष से पीड़ित एक महिला ने पुलिस में मारपीट, बच्चे का अपहरण कर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई। लेकिन पुलिस ने एक भी रिपोर्ट पर कार्रवाई नहीं की उल्टे उसे ही पाबंद करवा दिया गया। इसका नतीजा यह हुआ कि रविवार को पीडिता के साथ चाकू व डंडों से हमला कर गम्भीर घायल कर दिया। पीड़िता ने कुन्हाड़ी थाने में मारपीट की रिपोर्ट दी है।

टिपटा निवासी संयम शर्मा ने बताया कि बहन शालिनी शर्मा (31) की शादी 2021 में कुन्हाड़ी रिद्धि सिद्धि नगर प्रथम निवासी दिव्यांश शर्मा के साथ हुई थी। जनवरी 2023 में ससुराल वालों ने मारपीट कर बहन व दो साल के बेटे सिद्धांत को घर से निकाल दिया था। तब पर बहन अपने बेटे के साथ पीहर ही रह रही थी। 12 दिसम्बर को पति दिव्यांश व सास शोभा टिपटा घर आए और बेटे सिद्धांत का अपहरण कर ले गए। बेटे के अपहरण की रिपोर्ट कैथूनीपोल थाने में दर्ज कराई। पुलिस यह कहती रही की बेटे का अभी कोई पता नहीं चल पाया है। जबकि बेटा कुन्हाड़ी पति के साथ ही रह रहा है। उन्होंने बताया कि बहन को बेटे की याद आ रही थी तो रविवार सुबह अकेले ही कुन्हाड़ी ससुराल पहुंच गई। वहां जाकर बेटे को आवाज दी तो उसके देवर ने चाकू से हमला कर दिया। इसके बाद सास व पति ने लोहे के डंडे से मारपीट कर घायल कर दिया। सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे और गम्भीर घायल शालिनी को एमबीएस में भर्ती कराया। मारपीट में सिर में गम्भीर घाव हो गया, जबड़ा टूट गया और हाथ व पैर में फैक्चर हो गया। भाई ने बताया कि मारपीट की पहले भी कुन्हाड़ी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी, पुलिस ने ससुराल पक्ष पर कार्रवाई करने के बजाय उल्टे उसे ही पाबंद करवा दिया।

संसद घुसपैठ केस के आरोपियों के फोन बरामद

दिल्ली पुलिस को राजस्थान से जले हुए टुकड़े मिले, मास्टरमाइंड ललित लेकर भागा था

नागौर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की इन्वेस्टिगेशन टीम ने फोन के टुकड़ों को राजस्थान से बरामद किया। इसके साथ ही वो जगह भी ढूंढ निकाली, जहां सभी फोन जलाए गए थे। संसद घुसपैठ केस की जांच कर रही दिल्ली पुलिस ने रविवार को सभी आरोपियों के फोन बरामद कर लिए। हालांकि ये फोन पूरी तरह से जले हुए हैं। दिल्ली पुलिस की इन्वेस्टिगेशन टीम ने फोन के टुकड़ों को राजस्थान से बरामद किया। हालांकि पुलिस ने राजस्थान में उस जगह का नाम नहीं बताया, जहां फोन जलाए गए।

ये सभी फोन संसद घुसपैठ घटना में शामिल आरोपियों के हैं। 13 दिसंबर को घटना वाले दिन के बाद मुख्य आरोपी ललित झा सभी के फोन लेकर राजस्थान के नागौर भाग गया था। बाद में ललित ने 14 दिसंबर को पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया। पूछताछ में फोन को जलाने की बात कबूली थी।

मामले में अब तक छह लोग पकड़े गए हैं। 13 दिसंबर को 4 आरोपी पकड़े गए थे। ललित झा ने 14 दिसंबर को सरेंडर किया था। मामले में विकी शर्मा और उसकी पत्नी राखी को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई थी, बाद में उन्हें छोड़ दिया गया। विकी के गुड़गांव स्थित घर पर ही चार आरोपी रुके थे।

किशोर की हत्या, हाथ पैर बांध कर कुएं में लटका गए शव

टोंक, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। मेहंदवास पुलिस थानांतर्गत नवाबपुरा गांव में 13 साल एक किशोर की किसी ने हत्या कर दी। आरोपी किशोर के रस्सी से हाथ पैर बांधकर कुएं में लटका गए।

मेहंदवास पुलिस थानांतर्गत नवाबपुरा गांव में आठवीं कक्षा के 13 साल एक किशोर की किसी ने हत्या कर दी। आरोपी किशोर के रस्सी से हाथ पैर बांधकर कुएं में लटका गए।

इससे गांव में सनसनी फैल गई। परिजनों के मुताबिक किशोर के हाथ-पांव बंधे हुए थे। उसके गले मे फंदा लगा हुआ था। पुलिस अधीक्षक राजर्षिराज वर्मा भी घटनास्थल पहुंचे तथा वहां से पुलिस ने साक्ष्य जुटाए है। डॉग स्क्वॉयड टीम बुलाई गई है।

हत्या से गुस्साएं ग्रामीणों की भीड़ रविवार सुबह सआदत अस्पताल पहुंची तथा परिजनों सहित ग्रामीणों ने मृतक के परिजनों को मुआवजा राशि, एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी, हत्या आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की। इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष हरिप्रसाद बैरवा, पूर्व प्रधान खेमराज मीणा, हंसराज फागना समेत अन्य लोगों ने मांगे नहीं माने जाने तक शव का पोस्टमार्टम नहीं होने दिया। बाद में पुलिस अधीक्षक राजर्षिराज की समझाईश के बाद पोस्टमार्टम कराया गया।

मेहंदवास पुलिस ने बताया कि नवाबपुरा निवासी 13 साल का अमरीश मीणा पुत्र पप्पू लाल मीणा स्कूल से घर लौटने के बाद साइकिल से अपने खेत की तरफ जा रहा था। उसके पिता पप्पू लाल खेत से आते मिले तो वह बेर खाने की कहते हुए खेत की तरफ चला गया बताया।

देर शाम को अमरीश घर नहीं पहुंचा तो उसकी तलाश की गई। जब परिजन खेत पर गए तो वहां कुएं में वह लटका मिला। परिजनों के मुताबिक अमरीश के गले में कुएं में पानी खींचने की रबर की रस्सी से गले में फंदा लगा हुआ था। साथ ही खाट की निवार से हाथ-पांव बंधे हुए थे। सूचना मिलते ही मृतक अमरीश के परिजन सहित ग्रामीणों की भीड़ पहुंच गई। जिन्होंने पुलिस को सूचना दी।

देवी भागवत कथा के समापन उपरांत पूर्णाहुति यज्ञ का आयोजन

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा गोशामहल पुलिस ग्राउंड, हैदराबाद में सात दिवसीय श्रीमद् देवी भागवत कथा के समापन उपरांत पूर्णाहुति यज्ञ का आयोजन किया गया। यज्ञ में श्री आशुतोष महाराज जी की शिष्या विदुषी साध्वी अदिति भारती जी व अन्य साध्वियों सहित क्षेत्र-निवासियों ने पूर्णाहुति देकर इस महान आयोजन को विधिवत संपन्न किया। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान के स्वामी नरेन्द्रानन्द जी ने परम पूजनीय गुरुदेव श्री आशुतोष महाराज जी के चरणों में आभार प्रकट करते हुए क्षेत्र-निवासियों समेत सभी सहयोगी बंधुओं व संस्थाओं का सप्रेम धन्यवाद किया।

भारतीय संस्कृति के प्रसार में हिंदी की भूमिका अहम: टी. मुत्तुकुमार

मिधानि में पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मिधानि में आयोजित हिंदी प्रतियोगिताओं के पुरस्कार वितरण समारोह के अध्यक्ष टी. मुत्तुकुमार, निदेशक (उत्पादन एवं विपणन) ने कहा कि भारत की सामासिक संस्कृति के प्रसार में हिंदी भाषा की महत्वपूर्ण भूमिका है। भारत की वैविध्यता को एकता की डोर में बांधने में भारत की राजभाषा हिंदी ने बहुत बड़ा योगदान दिया है। सांस्कृतिक विविधता की तरह ही भारत बहुल भाषी देश है। ऐसे में हिंदी भाषा भारतीय संस्कृति की साम्यता को बनाए रखने के लिए आवश्यक संस्कार प्रसारित करती है। हिंदी के माध्यम से देशभर में संचार स्थापित करना आसान है, विशेषकर अन्यभाषी समुदाय के लोगों के लिए तो यह एक वरदान है। हिंदी भाषा के कारण कश्मीर से कन्याकुमारी और असम से गुजरात तक की यात्रा आसान हो जाती है।

लोगों में संचार स्थापित करने में आसानी होती है। इसीलिए तमिल भाषी होते हुए भी मैंने अपने बच्चों को हिंदी प्रथम भाषा के रूप में सिखवाई। तमिलनाडु में भी हिंदी के लिए महौल बन रहा है। वहाँ की जनता हिंदी की आवश्यकता और महत्व को समझने लगी है। इस अवसर पर भारतीय संस्कृति के प्रसार में हिंदी की भूमिका विषय पर व्याख्यान देते हुए समारोह के मुख्य अतिथि, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के क्षेत्रीय निदेशक (हैदराबाद) डॉ. गंगाधर वानोडे ने कहा कि भारत की संस्कृति लोक संस्कृति है। उसकी आत्मा गाँव में बसती है और गाँवों में ही उसकी संस्कृति की जड़ है।

शहरों में तो धुआँ हैं, शोर है, दिखावट की चकाचैंध है। भारत की सांस्कृतिक ऊर्जा और उर्वरता का आधार उसके मानस में रचे-बसे लोकतत्व हैं। लोकजनीन जीवन के अभाव में उसकी संस्कृति नष्ट हो सकती है। किंतु भारत के जनमानस की आत्मा में घुले-मिले लोकतत्व उसकी सांस्कृतिक चेतना को जागृत बनाए रखने में सक्षम है। समारोह में हिंदी दिवस 2023 के दौरान आयोजित शब्दावली-टिप्पण एवं आलेखन, मिधानि की स्वर्ण जयंती रू मेरी अपनी मिधानि विषय पर संस्मरण लेखन, राजभाषा के कार्यान्वयन में प्रौद्योगिकी की भूमिका विषय पर पीपीटी, हिंदी टंकण तथा प्रश्नमंच प्रतियोगिताओं के विजेताओं को नकद पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान मिधानि के कर्मचारी रोहित और अविनाश साहू द्वारा गीत गायन तथा डॉ. बी. बालाजी, प्रबंधक (हिंदी अनुभाग एवं निगम संचार) द्वारा कविता पाठ किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में रत्नकुमारी, अवर कार्यपालक (हिंदी), उदयाश्री, सहायक (मा.संसा.) तथा कोमल टंडन, प्रबंधन प्रशिक्षु (मा.सा.) का सक्रिय योगदान रहा।

अग्रवाल समाज मैरेज डेटा कमेटी ने की बैठक

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की मैरेज डेटा कमेटी की वर्ष 2023-25 के कार्यकाल की 14 वीं बैठक समाज के कार्यालय राघव रत्ना टॉवर, चिरागअली कार्यालय में आयोजित की गई। एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा कमेटी के चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल ने बताया कि बैठक में बालक एवं बालिकाओं के करीब 10 अभिभावक गण उपस्थित होकर नए बायोडेटा एवं उनके द्वारा दिए गये पहले के बायोडेटा के बारे में जानकारी प्राप्त की गई। कमेटी द्वारा 2023-25 के इस कार्यकाल में 45 रिश्ते पक्के हुए। समाज की सभी शाखाओं के सदस्यों से आग्रह है कि समाज द्वारा जो निःशुल्क सेवा प्रदान की जा रही है उसका पूर्ण रूप से लाभ प्राप्त करें।

विशेषकर महिला शाखाओं से आग्रह है वे इस कार्य में अपना सहयोग प्रदान करें। बैठक में चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल, वाइस चेयरमेन सतीश कुमार अग्रवाल, दीनबंधु अग्रवाल, अशोक कुमार दादरीवाला, गोविंद अग्रवाल तथा अग्रवाल समाज के फिजियो थेरेपी डॉक्टर बालकृष्ण सुरेखा आदि उपस्थित थे।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने बैठक की

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय पेंशनर दिवस के अवसर पर हमारे सूचना एवं नागरिक संबंध विभाग के सेवानिवृत्त कर्मचारियों की एक आध्यात्मिक सभा तेलंगाना टूरिज्म प्लाजा, हैदराबाद में आयोजित की गई। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त पूर्व आयुक्त बी.पी. आचार्य, पूर्व निदेशक किस्मत कारू, प्रमोदा राव, सत्या राव, पूर्व सीआईई श्री रमेश कुमार ने भाग लिया और मशाल जलाकर 75 वर्ष पूरे करने वाले सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सम्मानित किया। इस कार्यक्रम को पूर्व सीआईई रमेश कुमार यूएसए द्वारा पूर्ण समर्थन प्राप्त था।

इस कार्यक्रम में आंध्र प्रदेश के सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने संयुक्त रूप से भाग लिया और दोहरी जीत हासिल की। और श्री लालकोटा वीरप्पा की पुस्तक अमृतवक्कुलु - नित्य सत्यलु का विमोचन किया गया।

एएसपी कांतिलाल पाटिल ने कुबीर थाने का दौरा किया

निर्मल, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। निर्मल जिले के कुबीर पुलिस स्टेशन का वार्षिक निरीक्षण के तहत भैंसा डिविजनल एएसपी कांतिलाल पाटिल ने दौरा किया और अभिलेख व थाने के आसपास का निरीक्षण किया। पुलिस कर्मियों को धन का प्रबंधन जिम्मेदारी से करना चाहिए यह सुनिश्चित करने की सलाह दी जाती है। कर्मचारियों को समस्या होने पर अलग से संपर्क करने को कहा गया। गांवों में समिति की बैठकें होनी चाहिए। उन्होंने लोगों से उनकी समस्याओं का तुरंत समाधान करने को कहा। इसके बाद परिसर में पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीण सीआई नील, एसआई एमडी शरीफ सहित स्टाफ ने भाग लिया।

गैस सिलेंडर फटने से महिला की मृत्यु

निर्मल, 17 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार रात भैंसा मंडल के कामोल गांव में गैस सिलेंडर फटने से एक महिला की मृत्यु हो गई। ग्रामीणों के विवरण अनुसार, गांव के एक जोड़े, लिंगन्ना-दूरपतबाई, फूस की छत और शीर्ष पर पत्तियों वाले एक शेड में रहते है। लिंगन्ना गांव के एक मंदिर में भजन कार्यक्रम में गया। दूरपत्बाई (49) के घर में सोते समय सिलेंडर फटने और दुर्घटनावश आग लग जाने से वह जिंदा जल गईं। इस शोर से आसपास के लोग डर गये। घटना की जानकारी मिलने के बाद बाद स्थानीय विधायक पवार रामा राव पटेल ने पीड़ित परिवार से मुलाकात की। इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने आश्वासन दिया कि मैं इसे सरकार के ध्यान में लाऊंगा और यह सुनिश्चित करूंगा कि पीड़ित परिवार को मुआवजा मिले।

हिंदी अधयापकों के प्रशिक्षण के लिए आयोजित नवीकरण पाठ्यक्रम का समापन

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद केंद्र पर महाराष्ट्र राज्य के हिंगोली जिले के हिंदी अध्यापकों के प्रशिक्षण के लिए 466वाँ नवीकरण पाठ्यक्रम क्षेत्रीय निदेशक डॉ. गंगाधर वानोडे के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस पाठ्यक्रम के समापन समारोह की अध्यक्षता केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के निदेशक प्रो. सुनील बाबुराव कुलकर्णी ने आभासी पटल से की। मुख्य अतिथि के रूप में हिंदी महाविद्यालय, हैदराबाद की पूर्व उपप्राचार्य डॉ. सुरभि दत्त उपस्थिति थीं। इस अवसर पर उस्मानिया विश्वविद्याल की पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. शुभदा वांजपे तथा डॉ. राजीव कुमार सिंह, सहायक प्राध्यापक पंकज सिंह यादव और अंग्रेजी व विदेशी भाषा विश्वविद्यालय, हैदराबाद के शोध छात्र मोहम्मद फहीम (अफगानिस्तान) तथा अलिना (अर्मेनिया) आदि उपस्थित रहे। केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद केंद्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. गंगाधर वानोडे इस नवीकरण पाठ्यक्रम के संयोजक हैं। उन्होंने पूर्व परीक्षण के द्वारा अध्यापकों के स्तर की जाँच की। इस पाठ्यक्रम में कुल 43 प्रशिक्षणार्थी जिसमें 06 महिला और 37 पुरुष प्रतिभागियों ने नियमित कक्षा में उपस्थित होकर भाग लिया। अतिथियों के रूप में डॉ. राजीव कुमार सिंह, पंकज यादव, मो. फहीम और एलीना आदि ने भी अपने-अपने विचार रखें। अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के निदेशक प्रो. सुनील बाबुराव कुलकर्णी ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें ज्ञान के विभिन्न अनुशासनों से परिचित रहना चाहिए। कार्यक्रम का सफल संचालन हिंदी अध्यापक नितीन इंगले और धन्यवाद ज्ञापन आडकेकर ने प्रस्तुत किया। इस दौरान केंद्र के सभी प्रशासनिक सदस्य डॉ. एस. राधा, शेख मस्तान वली, सजग तिवारी, डॉ. संदीप कुमार एवं अन्य उपस्थित रहे।

अग्रसेन बायोडाटा कमेटी की बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रसेन बायोडाटा कमेटी की बैठक संस्था के चेयरमैन दुर्गा प्रसाद बंसलजी की अध्यक्षता में उनके प्रतिष्ठान पर संपन्न हुई। पंकज संघी की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार करीब 20-30 लोगों ने अपने पुत्र-पुत्री के बायोडाटा आदान प्रदान किए और इस विषय में चर्चा कर अपने रिश्ते को आगे बढ़ाने की कामना की। इस अवसर पर दुर्गा प्रसाद बंसल, पंकज संघी, सुरेश अग्रवाल, राजेंद्र, उमाशंकर गोयनका, अरविंद गोयल,सत्यनारायण मोदी,अशोक अग्रवाल,प्रदीप,संतोष देवी बंसल,संगीता गोयल एवं अन्य लोग उपस्थित थे.।

अग्रणी विवाह बंधन की बैठक हिमायत नगर कार्यालय में हुई। बैठक में कई सारे रिश्ते तय किए गए। इस अवसर पर अध्यक्ष सुनयना नरसरिया, सुमन भुवानिया, बबिता गर्ग, संगीता जाजोदिया, प्रन्नय एवं पवन भुवानिया आदि उपस्थित थे।

एकम सनातन भारत दल तेलंगाना का गठन

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एकम सनातन भारत दल तेलंगाना पार्टी की कार्यकारिणी बैठक शनिवार रात तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष राजीव शाह के नेतृत्व में हुई। बैठक का संचालन पार्टी के प्रदेश महासचिव नरेंद्र कुमार चतुर्वेदी ने किया। बैठक में पार्टी के कार्यक्रम की रूपरेखा पर गहन चर्चा हुई और सबसे अहम फैसला दिल्ली के केंद्रीय नेतृत्व ने लिया। इस सिलसिले में 27 दिसंबर को प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करने जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में पार्टी उपाध्यक्ष नंद किशोर अग्रवाल, मीडिया प्रभारी विनय शर्मा, रामनजानुलु, भगत सिंह और दिनेश, गीतेश खाते और अन्य उपस्थित थे।

गुरु तेग बहादुर साहिब की 348 वीं शहादत मनाई

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भक्ति और उल्लास के साथ रविवार को हैदराबाद में नौवें सिख गुरु तेग बहादुर साहिब की 348वीं शहादत मनाई गई। गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, सीताफलमंडी की प्रबंधक कमेटी के तत्वावधान में आयोजित विशाल कीर्तन दरबार में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और सिखों के पवित्र ग्रंथ गुरु ग्रंथ साहिब की पूजा-अर्चना की।

प्रबंधक समिति के अध्यक्ष, एस प्रताप सिंह ओसाहन और सचिव एस जसविंदर ओसाहन ने कहा कि मंडली को शबद कीर्तन और कथा के पाठ से चिह्नित किया गया था। दमदमा टकसाल तलवंडी बख्ता वाले के भाई लेहना सिंह, ज्ञानी सतवंत सिंह खालसा, मंजी साहिब, अमृतसर, विनोद सिंह और देश के विभिन्न हिस्सों से विशेष रूप से आमंत्रित अन्य प्रतिष्ठित रागी जत्थों ने शबद कीर्तन का पाठ किया, जिसमें जीवन के उच्च मूल्यों और सांप्रदायिक सद्भाव को अपनाने पर जोर दिया गया। समागम के समापन के बाद, सभी भक्तों को पारंपरिक गुरु-का-लंगर परोसा गया। बाद में, रविवार शाम को गुरुद्वारा सीताफलमंडी से एक रंगारंग 'नगर कीर्तन' निकाला गया। जुलूस के दौरान निशान साहेबान, पंज प्यारों, गतका कौशल जिसमें तलवारबाजी और अन्य कौशल शामिल थे, का प्रदर्शन किया गया।

रेजोनेंस शैक्षणिक संस्थान संस्थान के वार्षिक सांस्कृतिक और खेल उत्सव 'रिसोफेस्ट' के दौरान का दृश्य।

झारखंड के राज्यपाल राधाकृष्णन ने 'विधानसभा में बदरी विशाल पित्ती' पुस्तक का विमोचन राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश जी ने किया। इस पुस्तक का संकलन टी. गोपाल सिंह एवं अभिषेक रंजन सिंह ने किया है।

जियागुड़ा स्थित केसरी हनुमान मंदिर, हैदराबाद में आयोजित अन्नकूट प्रसादी कार्यक्रम में उपस्थित जाट एकता मंच प्रदेश अध्यक्ष धर्माराम ढाका, कमल जाजू, रंजीता जायसवाल, शालू सिंह व अन्य।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

सेवक के रूप ...

पीएम ने कहा-अगर पीएम आवास योजना है, जो जिसकी झुग्गी है,उसको मिलना चाहिए। जब से आपने मुझे काम दिया है, अब तक चार करोड़ परिवारों को उनका घर मिला चुका है। तब उसको लगता है कि मैंने कितना बड़ा काम किया है। बहुत कम लोग हैं जो इसकी ताकत समझते हैं।''

प्रधानमंत्री बनने के बाद पीएम मोदी का 9 साल में यह 43वां दौरा है। इस बार वह 55 घंटे यानी आज भी काशी में रहेंगे।

योगी बोले-दक्षिण का उत्तर से अद्भुत संगम हो रहा

मैं तमिलनाडु के सभी सम्मानित अतिथियों का स्वागत करता हूं। कार्तिक माह में काशी तमिल संगमम् का आयोजन पीएण के विजन का परिणाम है। दक्षिण का उत्तर से अद्भुत संगम हो रहा है।

तमिल श्रद्धालुओं का पहला दल 'गंगा' बनारस पहुंचा

इधर, संगमम् में शामिल होने के लिए तमिल श्रद्धालुओं का पहला दल 'गंगा' रविवार सुबह बनारस रेलवे स्टेशन पहुंचे। इसमें कुछ छात्र भी हैं। स्टेशन पर डमरू के वादन संग उनका भव्य स्वागत किया गया। यहां से तमिल श्रद्धालु सीधे काशी विश्वनाथ मंदिर गए। यहां सभी ने काशी विश्वनाथ धाम में दर्शन-पूजन किया।

काशी तमिल संगमम् के राजनीतिक मायने

काशी तमिल संगमम् का उद्देश्य दक्षिण और उत्तर भारत के संबंधों को और मजबूती प्रदान करना है। पीएण का काशी दौरा इसलिए अहम माना जा रहा है, क्योंकि 2024 में लोकसभा चुनाव होने हैं। काशी तमिल संगमम् में बड़ी संख्या में दक्षिण के लोग पहुंचेंगे। इसके जरिए मोदी अपनी बात दक्षिण के लोगों तक आसानी से पहुंचाएंगे।

20 साल में बनकर तैयार हुए स्वर्वेद मंदिर का करेंगे लोकार्पण

18 सितंबर को प्रधानमंत्री स्वर्वेद महामंदिर के उद्घाटन समारोह में शामिल होंगे। इसका लोकार्पण करके लोगों से संवाद करेंगे। इस दौरान 25000 कुंडी स्वर्वेद ज्ञान महायज्ञ होगा। इसमें मंदिर से जुड़े तीन लाख श्रद्धालु शिरकत करेंगे। कार्यक्रम में बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, राजस्थान, बंगाल, असम, ओडिशा, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश प्रांतों के अलावा इटली, जर्मनी, कनाडा, सिंगापुर, मलेशिया, इंडोनेशिया अमेरिका देशों से शामिल होंगे।

7 परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास करेंगे पीएम

पीएम मोदी आज काशी में 19 हजार 155 करोड़ रुपए की 37 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। इनमें 12578.91 करोड़ की 23 परियोजनाओं का लोकार्पण, जबकि 65%5.61 करोड़ के 14 प्रोजेक्ट का शुभारंभ शामिल है।

एक्सप्लोसिव ...

सोलर ग्रुप द्वारा संचालित इकोनॉमिक एक्सप्लोसिव लिमिटेड, रक्षा क्षेत्र के लिए देश के बड़े हथियार निर्माताओं में से एक है। वर्तमान में यहां भारतीय सेना और नौसेना के लिए विभिन्न हथियारों का निर्माण किया जाता है। साथ ही इस कंपनी के जरिए भारत के बाहर तीस से ज्यादा देशों में हथियार निर्यात किए जाते हैं।

खुद को पीएमओ ...

इसके अलावा चार मोबाइल फोन , कई आईडी कार्ड, ब्लैंक चेक, विजिटिंग कार्ड, साइन किए हुए ब्लैंक एफिडेविट भी जब्त किए गए हैं। आरोपी के मोबाइल में मिले चैट और लिंक्स के बारे में जानकारी इकट्ठा करने के लिए जांच के लिए भेजा जाएगा।

आईजी ने कहा कि हमें ईशान बुखारी के खिलाफ धोखाधड़ी के पर्याप्त सबूत मिले हैं। वह धोखाधड़ी और जालसाजी के एक मामले में कश्मीर पुलिस का वांटेड क्रिमिनल है। उसके खिलाफ एक गैर-जमानती वारंट लंबित है।

चिदंबरम बोले...

गठबंधन के नेताओं के प्रति लोगों की प्रतिक्रिया से पीएम का चेहरा तलाशने में मदद मिलेगी। फिलहाल इंडिया गठबंधन के लिए इससे भी ज्यादा जरूरी काम लोकसभा चुनाव जीतना है। मुझे गठबंधन की बैठक के दौरान होने वाली चर्चाओं के बारे में जानकारी नहीं है। मुझे यकीन है कि उन्हें एहसास होगा कि चुनाव से पहले केवल तीन महीने बचे हैं।

चिदंबरम ने कहा कि मैं भाजपा के ध्रुवीकरण, एंटी मुस्लिम-ईसाई और अति-राष्ट्रवाद प्रचार के बारे में ज्यादा चिंतित हूं। कांग्रेस को इसका तोड़ ढूंढना होगा। भाजपा एक ताकतवर पार्टी है।

चुनाव में कांग्रेस की तरफ से जातिगत जनगणना (कास्ट सेंसस) को चुनावी एजेंडा बनाने पर चिदंबरम ने कहा- यह एक जरूरी मुद्दा है, लेकिन बेरोजगारी और महंगाई इससे ज्यादा गंभीर मुद्दे हैं। ये दो मुद्दे लोगों को सबसे ज्यादा अपील करते हैं।

चिदंबरम ने कहा कि राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का वोट शेयर 40% रहा। लोकसभा चुनाव से पहले पार्टी का वोट शेयर 45% तक बढ़ सकता है। इसके लिए कांग्रेस को प्रचार, बूथ मैनेजमेंट और चुनाव में निष्क्रिय मतदाताओं को मतदान केंद्र तक लाने पर ध्यान देना होगा।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

भारत ने साउथ अफ्रीका को 8 विकेट से हराया

पहले वनडे में श्रेयस और सुदर्शन की फिफ्टी; अर्शदीप-आवेश ने मिलकर 9 विकेट झटके

क्वालालंपुर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मैच आज जोहानसबर्ग में खेला गया। इस मैच को भारतीय टीम ने 8 विकेट से जीतकर सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। भारत की तरफ से साईं सुदर्शन और श्रेयस अय्यर ने कमाल की बल्लेबाजी की। इन दोनों बल्लेबाजों ने इस मैच में अर्धशतक लगाया।

भारत की तरफ से साईं सुदर्शन ने नाबाद 55 रनों की पारी खेली। अपनी पारी के दौरान साईं सुदर्शन ने 9 शानदार चौके लगाए। इसके अलावा श्रेयस अय्यर ने 45 गेंदों पर 52 रनों की पारी खेली।

साउथ अफ्रीका से मिले 117 रनों के लक्ष्य को टीम इंडिया ने 16.4 ओवर में महज 2 विकेट खोकर हासिल कर लिया। साईं सुदर्शन ने इस मैच में टीम इंडिया के लिए अपना वनडे इंटरनेशनल डेब्यू किया और डेब्यू मैच में ही उन्होंने शानदार अर्धशतकीय पारी खेली।

116 पर ऑलआउट हुई थी साउथ अफ्रीका

मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए साउथ अफ्रीका की टीम 27.3 ओवर में महज 116 रनों पर ढेर हो गई थी। साउथ अफ्रीका की तरफ से बल्लेबाजी करते हुए फेहलुकवायो ने सबसे ज्यादा 33 रन बनाए। इसके अलावा जॉर्डी ने 28 रनों की पारी खेली थी। इसके अलावा कोई भी साउथ अफ्रीका का बल्लेबाज ज्यादा रन नहीं बना सका। यहां तक की तीन बल्लेबाज तो अपना खाता तक नहीं खोल पाए।

भारतीय गेंदबाजों का शानदार प्रदर्शन

पहले वनडे मैच में भारतीय टीम की जीत में तेज गेंदबाजों ने अहम भूमिका निभाई है। टीम इंडिया के दो तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और आवेश खान ने मिलकर इस मैच में 9 विकेट हासिल किए। अर्शदीप सिंह ने 10 ओवर में 37 रन देकर 5 विकेट हासिल किए। इसके अलावा आवेश खान ने गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट अपने नाम किए। अब इस सीरीज का दूसरा मैच 19 दिसंबर को खेला जाएगा।

टेस्ट क्रिकेट में कीपिंग करने में मुझे खुशी होगी- केएल राहुल

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत के खिलाड़ी केएल राहुल ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी श्रृंखला के दौरान टेस्ट में विकेटकीपिंग करने पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि उन्हें यह भूमिका निभाने में खुशी होगी और टीम प्रबंधन और कप्तान उनसे जो भी करने को कहेंगे वह करने के लिए हमेशा तैयार हैं।

विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में केएल राहुल का विकास असाधारण से कम नहीं है। एक सलामी बल्लेबाज से लेकर, उन्होंने खुद को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ मध्यक्रम बल्लेबाजों में से एक के रूप में विकसित किया है। यह हाल ही में संपन्न ICC विश्व कप 2023 के दौरान काफी स्पष्ट था।

हालांकि बल्ले के साथ उनकी क्लास पर कभी सवाल नहीं उठाया गया, लेकिन उनकी कीपिंग स्किल ने कई लोगों को प्रभावित किया। केएल राहुल ने स्टंप के पीछे शानदार कौशल दिखाया, चारों ओर गोता लगाना, अच्छे टेक लेना और भी बहुत कुछ। स्टंप के पीछे उनका शानदार काम भारत की सफलता के मुख्य कारणों में से एक था।

उनके कीपिंग कौशल से प्रभावित होकर, बीसीसीआई ने उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के लिए टीम में कीपरों में से एक नामित किया। यह कुछ ऐसा है जो केएल राहुल ने अपने करियर में सबसे लंबे प्रारूप में नहीं किया है। हालाँकि, टेस्ट में बल्लेबाज के रूप में उन्हें जिस तरह की सफलता मिली है और शीर्ष क्रम में ट्रैफिक जाम है, अगर वह प्रोटियाज के खिलाफ आगामी टेस्ट में विकेटकीपिंग करते हैं और मध्य क्रम में बल्लेबाजी करते हैं तो यह कोई आश्चर्य की बात नहीं होगी।

केएल राहुल ने कहा कि उन्हें यकीन नहीं है कि वह तीनों प्रारूपों में विकेटकीपिंग करेंगे या नहीं, लेकिन वह यह भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि फिलहाल उनका ध्यान वनडे सीरीज पर है और उन्होंने यह भी बताया कि वह देश के लिए ज्यादा से ज्यादा मैच खेलना चाहते हैं। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने बताया: "मैं सभी प्रारूपों के बारे में नहीं जानता, अभी मेरा ध्यान इस वनडे सीरीज पर है। हां, मैं वही भूमिका निभाऊंगा। मैं विकेटकीपिंग और मध्यक्रम में बल्लेबाजी करूंगा। उसके बाद, हाँ, मुझे टेस्ट मैचों में भी वह भूमिका निभाने में ख़ुशी होगी। मैं हमेशा नई भूमिकाएँ करने के लिए तैयार रहा हूँ और टीम मुझसे जो भी भूमिका निभाना चाहती है उसे स्वीकार करता हूँ। इसलिए प्रबंधन, कोच और कप्तान मुझसे जो भी कहेंगे, मैं वह करने में खुश हूं।

जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप के कांस्य पदक के मैच में हारा भारत; सीनियर टीम बेल्जियम से हारी

क्वालालंपुर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। जूनियर पुरुष हॉकी विश्वकप में भारतीय टीम को कांस्य पदक के मुकाबले में स्पेन के हाथों 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। स्पेन की ओर से निकोलस अल्वारेज (25वां और 51वां मिनट) ने दो गोल किए। अन्य गोल पेटचैम (40वां मिनट) ने किया।

दो बार चैंपियन रह चुकी भारतीय टीम के लिए एकमाात्र गोल सुनील जोजो ने 28वें मिनट में पेनॉल्टी कॉर्नर पर किया। यह इस बार स्पेन के खिलाफ भारत की दूसरी हार रही। पूल चरण में यूरोप की इस टीम से भारत को 1-4 से हार मिली थी। पिछली बार 2021 में भुवनेश्वर में हुए टूर्नामेंट में भी भारत चौथे स्थान पर रहा था।

वहीं, दूसरी तरफ सीनियर भारतीय पुरुष हॉकी टीम को स्पेन के वेलेंसिया में चल रहे पांच देशों के टूर्नामेंट के अपने दूसरे मैच में ओलंपिक चैंपियन बेल्जियम के खिलाफ 7-2 से हार का सामना करना पड़ा। भारत की ओर से अभिषेक और जुगराज सिंह ने दो गोल किए।

पहले क्वार्टर में बेल्जियम ने सेड्रिक चार्लियर (पहले मिनट), एलेक्जेंडर हेंड्रिक्स (10वें मिनट) और थिब्यू स्टॉकब्रोक्स (13वें मिनट) के गोल की बदौलत भारत को बैकफुट पर ला दिया। बेल्जियम ने दूसरे क्वार्टर की शुरुआत में थिब्यू स्टॉकब्रोक्स (16वें मिनट) के एक और गोल की मदद से बढ़त को और मजबूत कर दिया। अभिषेक (18वें मिनट) ने भारत के लिए मैदानी गोल किया लेकिन इसके बाद टॉम बून (26वें मिनट) ने एक और गोल किया जिससे भारत 5-1 से पिछड़ गया।

दूसरे क्वार्टर की समाप्ति के करीब जुगराज सिंह (27वें मिनट) ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल दागकर स्कोर 5-2 कर दिया। तीसरे क्वार्टर में दोनों टीमों के एक-दूसरे पर लगातार दबाव बनाने के बावजूद कोई गोल नहीं हुआ। बून (46वें मिनट) ने चौथे क्वार्टर के शुरू में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके बेल्जियम को चार गोल से आगे कर दिया, लेकिन हेंड्रिक्स (53वें मिनट) ने इसके बाद एक और गोल दागा। भारतीय टीम अंतिम क्वार्टर में मिले दो पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलने में नाकाम रही और मैच 7-2 से गंवा दिया। भारत का अगला मुकाबला 19 दिसंबर को जर्मनी से होगा।

बिना भुजाओं वालीं तीरंदाज शीतल का शानदार फॉर्म जारी

ओपन श्रेणी में सोने पर साधा निशाना

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। बिना भुजाओं वालीं तीरंदाज शीतल देवी ने अपनी शानदार लय जारी रखते हुए प्रथम खेलो इंडिया पैरा गेम्स के कंपाउंड वर्ग की ओपन श्रेणी में स्वर्ण पदक हासिल किया। शीतल ने 141 का स्कोर किया। उत्तर प्रदेश की ज्योति बालियान दूसरे स्थान पर रहीं जिन्होंने 138 का स्कोर किया।

हरियाणा की सरिता (137) को कांस्य पदक मिला। हाल ही में शीतल ने हांगझोऊ पैरा एशियाई खेलों में एक स्वर्ण सहित दो पदक जीते थे। रिकर्व तीरंदाजी में हरियाणा के हरविंदर सिंह, उत्तर प्रदेश के विवेक चिकारा और हरियाणा के ही साहिल को क्रमशः स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक मिला।

महिलाओं की टेबल टेनिस-4 में टोक्यो पैरालंपिक की रजत पदक विजेता गुजरात की भाविना पटेल ने फाइनल में उषा राठौड़ को 3-0 (11-7, 11-1, 11-8) से हराया।

पाकिस्तान की पर्थ टेस्ट में शर्मनाक हार

ऑस्ट्रेलिया ने 360 रन से रौंदा

पर्थ, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला चौथे दिन ही अपने नाम कर लिया है। इस मुकाबले में पाकिस्तान क्रिकेट टीम को 360 रनों से शर्मनाक हार झेलनी पड़ी है। पाकिस्तान के नए टेस्ट कप्तान शान मसूद के लिए यह कप्तान का अच्छा आगाज नहीं रहा। बल्लेबाजी में भी वह फ्लॉप रहे। दूसरी पारी में तो पाकिस्तान की टीम 100 रन भी नहीं बना पाई और महज 89 रन पर ढेर हो गई।

पर्थ टेस्ट में कंगारू टीम का कमाल

पर्थ टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के लिए पहले बल्लेबाजी में डेविड वॉर्नर ने कमाल का प्रदर्शन किया था। उन्होंने 164 रनों की बेहतरीन पारी खेली थी। उसके बाद होम टीम ने पहली पारी में 487 का स्कोर खड़ा किया। जवाब में पाकिस्तान की पूरी टीम 271 रन पर सिमट गई। गेंदबाजी में नाथन लियोन ने 3 विकेट लिए। वहीं कप्तान पैट कमिंस को दो और मिचेल स्टार्क को भी 2 सफलताएं मिलीं। 216 रन की लीड लेने के बाद दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया ने 5 विकेट खोकर 233 रन बनाए और पारी घोषित कर दी। पाकिस्तान को जीत के लिए मिला 450 रनों का लक्ष्य जवाब में पूरी टीम 89 रन पर ढेर हो गई।

नाथन लियोन का चला जादू

पहली पारी में तीन और दूसरी पारी में नाथन लियोन ने दो विकेट अपने नाम किए। वहीं मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड को भी दूसरी पारी में 3-3 सफलताएं मिलीं। पर लियोन के इन पांच विकेटों ने उन्हें टेस्ट क्रिकेट में 500 विकेटों के आंकड़े के पार पहुंचा दिया। वह टेस्ट क्रिकेट में यह आंकड़ा छूने वाले 8वें गेंदबाज बन गए। उनके नाम अब तक 123 मैचों में 501 विकेट दर्ज हो गए हैं। उन्होंने 23 बार टेस्ट क्रिकेट में फाइव विकेट हॉल लिया है।

हरियाणा ने पहली बार जीता विजय हजारे ट्रॉफी का खिताब

फाइनल में राजस्थान को 30 रन से हराया

राजकोट, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा की टीम पहली बार विजय हजारे ट्रॉफी के फाइनल में पहुंची थी और पहली बार में ही उसने खिताब पर कब्जा जमाया। वहीं, राजस्थान की टीम इससे पहले 2006-07 में फाइनल में पहुंची थी, जहां उसे मुंबई के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। अब एक बार फिर राजस्थान की टीम फाइनल में हार गई।

हरियाणा की टीम ने विजय हजारे ट्रॉफी 2023 का खिताब जीत लिया है। राजकोट के सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेले गए फाइनल में हरियाणा ने राजस्थान को 30 रन से हरा दिया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए हरियाणा ने 50 ओवर में आठ विकेट गंवाकर 287 रन बनाए। अंकित कुमार ने सबसे ज्यादा 88 रन की पारी खेली।

जवाब में राजस्थान की टीम 257 रन पर सिमट गई। एक वक्त टीम का स्कोर 201 रन पर चार विकेट था और लग रहा था कि राजस्थान की टीम मैच जीत जाएगी। हालांकि, ऐसा नहीं हुआ। 201 पर पांचवां विकेट गिरते ही पूरी टीम 257 रन पर लुढ़क गई। राजस्थान के लिए अभिजीत तोमर ने सबसे ज्यादा 106 रन बनाए।

हरियाणा की टीम बनी चैंपियन

हरियाणा की टीम पहली बार विजय हजारे ट्रॉफी के फाइनल में पहुंची थी और पहली बार में ही उसने खिताब पर कब्जा जमाया। वहीं, राजस्थान की टीम इससे पहले 2006-07 में फाइनल में पहुंची थी, जहां उसे मुंबई के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। अब एक बार फिर राजस्थान की टीम फाइनल में हार गई।

हरियाणा की पारी

पहले बल्लेबाजी करते हुए हरियाणा की शुरुआत खराब रही थी। युवराज सिंह एक रन बनाकर आउट हुए थे। इसके बाद अंकित ने हिमांशु राणा के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 40 रन की साझेदारी निभाई। हिमांशु 10 रन बनाकर चलते बने।

कप्तान अशोक मनेरिया ने फिर अंकित के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए 124 रन की साझेदारी निभाई। अंकित 91 गेंद में 12 चौके और एक छक्के की मदद से 88 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, मनेरिया ने कप्तानी पारी खेली। वह 96 गेंद पर आठ चौके की मदद से 70 रन बनाकर आउट हुए।

इसके बाद नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे और टीम 287 के स्कोर तक पहुंचने में कामयाब रही। रोहित प्रमोद शर्मा ने 20 रन, निशांत सिंधु ने 29 रन, राहुल तेवतिया ने 24 रन और हर्षल पटेल ने दो रन बनाए। सुमित कुमार 16 गेंद में 28 रन बनाकर नाबाद रहे। राजस्थान की ओर से अनिकेत चौधरी ने सबसे ज्यादा चार विकेट लिए। वहीं, अराफात खान को दो विकेट मिले। राहुल चाहर को एक विकेट मिला।

राजस्थान की पारी

288 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान की टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। राम मोहन चौहान एक रन और महिपाल लोमरोर दो रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद कप्तान दीपक हुड्डा खाता खोले बिना पवेलियन लौटे। करन लांबा 20 रन बनाकर आउट हुए। 12 रन पर राजस्थान के तीन विकेट गिर चुके थे और 80 पर चौथा झटका लगा था। इसके बाद अभिजीत ने कुणाल सिंह राठौड़ के साथ मिलकर पांचवें विकेट के लिए 121 रन की साझेदारी निभाई।

इस बीच अभिजीत ने शानदार शतक जड़ा। इस साझेदारी को हर्षल पटेल ने तोड़ा। उन्होंने अभिजीत को कैच आउट कराया। अभिजीत ने 129 गेंद पर 10 चौके और दो छक्के की मदद से 106 रन बनाए। वहीं, हर्षल ने फिर कुणाल सिंह को भी पवेलियन भेजा। वह 65 गेंद पर चार चौके और पांच छक्के की मदद से 79 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद कुकना अजय सिंह आठ रन, अनिकेत चौधरी चार रन और अराफात खान एक रन बनाकर आउट हुए। खलील अहमद खाता नहीं खोल सके। राहुल चाहर 18 रन बनाकर नाबाद रहे। हरियाणा की ओर से सुमित कुमार और हर्षल पटेल ने तीन-तीन विकेट लिए। वहीं, अंशुल कंबोज और राहुल तेवतिया को दो-दो विकेट मिले।

हैरी ब्रूक ने आंद्रे रसेल को दिन में दिखाए तारे

आखिरी ओवर में छक्कों की बरसात करते हुए दिलाई जीत

ग्रेनेडा, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज और इंग्लैंड क्रिकेट टीम के बीच जारी पांच मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज का तीसरा मुकाबला 16 दिसंबर को सेंट जॉर्ज में खेला गया। इस मुकाबले में इंग्लिश टीम को एक गेंद शेष रहते सात विकेट से बड़ी जीत मिली। मैच के दौरान एक समय वेस्टइंडीज की टीम इस मुकाबले में आसानी से जीत हासिल करते हुए नजर आ रही थी। इंग्लैंड को आखिरी ओवरों में 21 रन की दरकार थी। मैदान में हैरी ब्रूक के साथ फिल साल्ट मौजूद थे। वहीं वेस्टइंडीज के लिए आखिरी ओवर अनुभवी ऑलराउंडर आंद्रे रसेल डाल रहे थे। रसेल के इस ओवर की पहली गेंद पर ब्रूक ने लेग साइड में शानदार चौका लगाया। वह यहीं नहीं रुके। उन्होंने अगली दोनों गेंदों को छक्के के लिए सीमारेखा के बाहर का रास्ता दिखाया। चौथी गेंद पर वह दो रन लेने में कामयाब रहे, जबकि पांचवीं गेंद पर छक्का जड़ते हुए अपनी टीम को एक गेंद शेष रहते जीत दिला दिया। आखिरी ओवरों में ब्रूक द्वारा रसेल के खिलाफ खेली गई इस उम्दा पारी की हर कोई सराहना कर रहा है। मध्यक्रम के बल्लेबाज ने मैच के दौरान अपनी टीम के लिए पांचवें क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए महज सात गेंदों का सामना किया। इस बीच 442.85 की रेट से नाबाद 31 रन बनाने में कामयाब रहे। इस दौरान उनके बल्ले से एक चौका एवं चार बेहतरीन छक्के निकले।

ब्रूक से पहले सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट ने पारी को संवारने का काम किया। वह आखिरी समय तक मैदान में डंटे रहे। इस दौरान उन्होंने इंग्लिश टीम के लिए कुल 56 गेंदों का सामना किया। इस बीच वह 194.64 की स्ट्राइक रेट से 109 रन की नाबाद शतकीय पारी खेलने में कामयाब रहे। इस बीच उनके बल्ले से चार चौके एवं नौ बेहतरीन छक्के निकले।

बाबर आजम ने रचा इतिहास, पाकिस्तान में उनसे आगे अब कोई नहीं

इस्लामाबाद, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। बाबर आजम पाकिस्तान के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे तेज 13000 रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। उनसे पहले यह खास उपलब्धि पूर्व कप्तान जावेद मियांदाद के नाम दर्ज थी। ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के बीच जारी तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला 14 दिसंबर से पर्थ में खेला जा रहा है। इस मुकाबले की पहली पारी में पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम कुछ खास जलवा बिखरने में नाकामयाब रहे, इसके बावजूद उनके नाम एक बड़ा रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। वह पाकिस्तान के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे तेज 13000 रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज गए हैं। 29 वर्षीय बाबर आजम से पहले यह खास रिकॉर्ड पाकिस्तान के पूर्व दिग्गज कप्तान जावेद मियांदाद के नाम दर्ज था। मियांदाद ने 304 पारियों में 13000 रन के जादुई आंकड़े को छुआ था। वहीं बाबर आजम ने 301 पारियों में यह खास उपलब्धि हासिल करते हुए चार पारियों से उन्हें पीछे छोड़ दिया है। इन दोनों बल्लेबाजों के बाद तीसरे स्थान पर पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद यूसुफ का नाम आता है। यूसुफ ने इस खास उपलब्धि को 322 पारियों में प्राप्त किया था। चौथे स्थान पर इंजमाम उल हक और पांचवें स्थान पर यूनिस खान का नाम आता है। इन दोनों पूर्व कप्तानों ने पाकिस्तान के लिए 13000 रन के आंकड़े को क्रमशः 352 एवं 372 पारियों में प्राप्त किए हैं।

पाकिस्तान के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे तेज 13000 रन बनाने वाले 5 बल्लेबाजः

- बाबर आजम – 301 इनिंग्स
- जावेद मियांदाद – 304 इनिंग्स
- मोहम्मद यूसुफ – 322 इनिंग्स
- इंजमाम उल हक – 352 इनिंग्स
- यूनिस खान – 372 इनिंग्स

बाबर आजम ने पाकिस्तान के लिए अबतक कुल 271 इंटरनेशनल मुकाबले खेले हैं। इस बीच उनके बल्ले से 307 पारियों में 13007 रन निकले हैं। बाबर के नाम इंटरनेशनल क्रिकेट में 31 शतक और 88 अर्धशतक दर्ज है।

बदलते समय के साथ कुछ नया करने की जरूरत : राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री ने वायु सेना अकादमी में संयुक्त स्नातक परेड की समीक्षा की

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) की उड़ान और ग्राउंड ड्यूटी शाखाओं के 213 फ्लाइट कैडेटों के प्रशिक्षण के सफल समापन को चिह्नित करने के लिए रविवार को तेलंगाना के डुंडीगल वायु सेना अकादमी में एक संयुक्त स्नातक परेड (सीजीपी) आयोजित की गई थी। परेड की समीक्षा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की, जिन्होंने स्नातक उड़ान कैडेटों को राष्ट्रपति कमीशन भी प्रदान किया। स्नातक अधिकारियों में 25 महिलाएं शामिल थीं जिन्हें भारतीय वायुसेना की विभिन्न शाखाओं में नियुक्त किया गया था। भारतीय नौसेना के आठ अधिकारियों, भारतीय तटरक्षक बल के नौ और मित्र देशों के दो अधिकारियों को भी उनके उड़ान प्रशिक्षण के पूरा होने के बाद 'विंग्स' से सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में, राजनाथ सिंह ने नवनियुक्त अधिकारियों को बधाई दी और उनके बेदाग प्रदर्शन, सटीक ड्रिल चाल और परेड के उच्च मानकों के लिए उनकी सराहना की। उन्होंने उनसे किसी भी परिस्थिति में नए विचारों, नवीन सोच और आदर्शवाद के प्रति अपना खुलापन नहीं खोने का आग्रह किया।

रक्षा मंत्री ने अधिकारियों से सशस्त्र बलों में परंपरा को उचित महत्व देने का आह्वान किया और इसे समय-परीक्षित बताया; लेकिन बताया कि यदि बिना सोचे-समझे लंबे समय तक परंपरा का पालन किया जाता है, तो प्रणाली में 'जड़ता या अस्थिकरण' की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस स्थिति से बचने के लिए, लगातार बदलते समय के साथ तालमेल बिठाने के लिए कुछ नया करने की जरूरत है। राजनाथ सिंह ने परंपरा और नवीनता के बीच संतुलन बनाने को बेहद महत्वपूर्ण बताते हुए इसका आह्वान किया। अगर हम केवल परंपरा का पालन करेंगे तो हम एक मृत झील की तरह होंगे। हमें बहती नदी की तरह बनना होगा। इसके लिए हमें परंपरा के साथ-साथ नवीनता भी लानी होगी। उड़ते रहो और अधिक से अधिक ऊंचाइयों को छूओ, लेकिन जमीन से अपना जुड़ाव बनाए रखो,'' इससे पहले, रक्षा मंत्री का स्वागत वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने किया। परेड द्वारा उन्हें सामान्य सलामी दी गई और उसके बाद एक प्रभावशाली मार्च पास्ट किया गया। परेड का मुख्य आकर्षण 'कमीशनिंग समारोह' था जिसमें स्नातक फ्लाइट कैडेटों को राजनाथ सिंह द्वारा उनकी 'स्ट्राइप्स' से सम्मानित किया गया। इसके बाद अकादमी के कमांडेंट द्वारा स्नातक अधिकारियों को 'शपथ' दिलाई गई। सीजीपी को ट्रेनर विमान द्वारा एक सिंक्रनाइज़ फ्लाई-पास्ट द्वारा इंटरसेप्ट किया गया था जिसमें चेतक हेलीकॉप्टरों के साथ पिलाटस पीसी-7 एमके II, हॉक और किरण शामिल थे। रक्षा मंत्री ने प्रशिक्षण के विभिन्न विषयों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रशिक्षुओं को विभिन्न पुरस्कार भी प्रदान किये। उड़ान शाखा के फ्लाइंग ऑफिसर अतुल प्रकाश को पायलट पाठ्यक्रम में समग्र योग्यता क्रम में प्रथम स्थान पाने के लिए राष्ट्रपति पट्टिका और वायु सेना प्रमुख स्वोर्ड ऑफ ऑनर से सम्मानित किया गया। फ्लाइंग ऑफिसर अमरिंदर जीत सिंह को ग्राउंड ड्यूटी शाखाओं के बीच योग्यता के समग्र क्रम में प्रथम स्थान पाने के लिए राष्ट्रपति पट्टिका से सम्मानित किया गया। परेड का समापन नए कमीशन प्राप्त अधिकारियों द्वारा रवीन्द्रनाथ टैगोर के 'आनन्दलोके' के स्वरों के साथ धीमी गति से दो स्तम्भों में मार्च करने के साथ हुआ।

सीएम की तबादला एक्सप्रेस ने पकड़ी रफ्तार

कई वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों का ट्रांसफर

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के नए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने राज्य की प्रशासनिक व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त करने के लिए अधिकारियों के तबादला जारी रखा है। सीएम की तबादला एक्सप्रेस की रफ्तार बढ़ती ही जा रही है। राज्य सरकार एक बड़े नौकरशाही फेरबदल में रविवार को तेलंगाना में 11 आईएएस अधिकारियों का तबादला कर दिया और उन्हें नई पोस्टिंग दी। फेरबदल के तहत जिन लोगों को नई जिम्मेदारी दी गई उनमें नगरीय प्रशासन विभाग के विशेष मुख्य सचिव अरविंद कुमार और प्रमुख सचिव बी वेंकटेशम और ए वाणी प्रसाद शामिल हैं। वर्ष 1991 बैच के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अरविंद कुमार विशेष मुख्य सचिव एमए और यूडी विभाग, मेट्रोपॉलिटन कमिश्नर, एचएमडीए (एफएसी) और नगर निगम प्रशासन (एफएसी) के आयुक्त और निदेशक का कार्यभार संभाल रहे थे। उनको विशेष मुख्य सचिव शासन, राजस्व (आपदा प्रबंधन) विभाग के रूप में तैनात किया गया है। वे राहुल बोइज्जा को आपदा प्रबंधन विभाग के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त करेंगे। बी. वेंकटेशम, आईएएस (1995), प्रा.ल. सरकार के सचिव और आयुक्त, बीसी कल्याण विभाग को स्थानांतरित कर वकाति करुणा, आईएएस (2004) के स्थान पर शिक्षा विभाग का सचिव बनाया गया है। राज्य मंत्री को आयुक्त, कॉलेजिएट और तकनीकी शिक्षा के पद के एफएसी में भी रखा गया है, जिससे वकाती करुणा, आईएएस (2004) को उक्त पद के एफएसी से विधिवत मुक्त कर दिया गया है। इसी प्रकार, ए वाणी प्रसाद, आईएएस (1995), प्रा.ल. परिवहन विभाग के शासन सचिव को प्रधान सचिव के पद पर स्थानांतरित किया गया है। सचिव, पर्यावरण, वन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ने शांति कुमारी, आईएएस (1989) को उक्त पद के एफएसी से विधिवत कार्यमुक्त किया। एम.दाना किशोर, आईएएस (1996), प्रबंध निदेशक, एचएमडब्ल्यूएसएसबी का तबादला कर प्रधान मुख्य सचिव, एमए और यूडी विभाग, अरविंद कुमार, आईएएस (1991) के स्थान पर स्थानांतरित किया गया है। के. एस. श्रीनिवास राजू, आईएएस (1999), सरकार के सचिव, आर एंड बी विभाग को सरकार के सचिव, टीआर एंड बी विभाग के रूप में तैनात किया गया है, ए. वाणी प्रसाद, आईएएस (1995) को परिवहन विभाग से विधिवत कार्यमुक्त किया गया है। राहुल बोज्जा, आईएएस (2000), मुख्यमंत्री के सचिव को स्थानांतरित कर सचिव, जीएडी के पद पर तैनात किया गया है, जिससे वी. शेषाद्री, आईएएस (1999) को उक्त पद के एफएसी से विधिवत मुक्त कर दिया गया है। डॉ. क्रिस्टीना जेड.चोंगथु, आईएएस (2001), आयुक्त, वाणिज्यिक कर को स्थानांतरित कर सरकार, एचएम और एफडब्ल्यू विभाग के सचिव के रूप में तैनात किया गया है। सी. सुदर्शन रेड्डी, आईएएस (2002), सरकार के सचिव, एमए और यूडी विभाग को स्थानांतरित कर प्रबंध निदेशक, एचएमडब्ल्यूएसएसबी के पद पर तैनात किया गया है, जबकि एम. दाना किशोर, आईएएस (1996) को स्थानांतरित किया गया है। डॉ. टी.के.श्रीदेवी, आईएएस (2004), शासन सचिव, वित्त विभाग को स्थानांतरित कर आयुक्त, वाणिज्यिक कर के पद पर तैनात किया गया है, उनके स्थान पर डॉ. क्रिस्टीना ज़ेड चोंग्थू, आईएएस (2001) का तबादला किया गया है। स्थानांतरण पर, वकाती करुणा, आईएएस (2004), को महिला, बाल, विकलांग और वरिष्ठ नागरिक विभाग के सचिव और आयुक्त के रूप में तैनात किया गया है, श्रुति ओझा, आईएएस (2013) को उक्त पद के एफएसी से विधिवत मुक्त कर दिया गया है। आर.वी.कर्णन, आईएएस (2012), कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, नलगोंडा को स्थानांतरित कर निदेशक, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के पद पर तैनात किया गया है।

पीवी नरसिम्हा राव कांग्रेस के थे : जीवन रेड्डी

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और बीआरएस विधायक हरीश राव के पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव के प्रति प्रेम पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए कांग्रेस एमएलसी जीवन रेड्डी ने कहा कि पीवी कांग्रेस के आदमी थे और बीआरएस नेताओं को इसका कोई अधिकार नहीं है। रविवार को यहां तेलंगाना विधानसभा के परिसर में मीडिया पॉइंट पर पत्रकारों से बात करते हुए, जीवन रेड्डी ने कहा कि पीवी नरसिम्हा राव ने कांग्रेस पार्टी के लिए मुख्यमंत्री और प्रधान मंत्री के रूप में काम किया था और उन्होंने इन पदों को चमकाया था। 'पीवी नरसिम्हा राव के परिवार के सदस्यों ने अनुरोध किया कि उनकी अंतिम यात्रा हैदराबाद में की जानी चाहिए और उनकी इच्छा के अनुसार, अंतिम संस्कार पूरे सम्मान के साथ किया गया। दुर्भाग्य से, बीआरएस नेता अब पीवी नरसिम्हा राव की विरासत का श्रेय लेने की कोशिश कर रहे हैं और कांग्रेस पार्टी की आलोचना कर रहे हैं,' विधानसभा सत्रों के बारे में बात करते हुए, उन्होंने कहा कि बीआरएस नेता, जो खुद को एक आंदोलनकारी पार्टी से संबंधित होने का दावा करते हैं, कृष्णा नदी से आंध्र प्रदेश में पानी के अवैध मोड़ पर चुप हैं और तेलंगाना ने भद्राचलम में सात मंडल खो दिए हैं। 'तेलंगाना ने सिलेरू पावर प्रोजेक्ट में अपना हिस्सा खो दिया है और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव को इस संबंध में नैतिक रूप से जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। तेलंगाना को नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन (एनटीपीसी) के माध्यम से 4,000 मेगावाट बिजली प्राप्त करने का अधिकार है, लेकिन अक्षमता के कारण जीवन रेड्डी ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव, तेलंगाना 2,600 मेगावाट बिजली संयंत्र स्थापित करने के लिए केंद्र पर दबाव नहीं बना सके।

जोगुलम्बा मंदिर के पुजारी सीएम रेवंत रेड्डी से मिले

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आलमपुर जोगुलाम्बा समेता बाला ब्रह्मेश्वर स्वामी मंदिर के मुख्य पुजारी और पुजारियों की एक टीम ने रविवार को मुख्यमंत्री आवास पर मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को देवी जोगुलाम्बा का आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर पुजारियों ने मुख्यमंत्री को देवता जोगुलम्बा का स्मृति चिन्ह भेंट किया। पुजारियों ने रेवंत रेड्डी को एक ज्ञापन सौंपकर उनसे मंदिर के विकास के लिए पहल करने का अनुरोध किया।

कालेश्वरम परियोजना की होगी गहन जांच : श्रीधर बाबू

करीमनगर, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री डी श्रीधर बाबू ने कहा कि मेदिगड्डा और अन्नाराम परियोजनाओं में हुई खामियों की गहन जांच की जाएगी, जो कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना (केएलआईपी) योजना का हिस्सा हैं। रविवार को यहां मीडिया से बात करते हुए, श्रीधर बाबू ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने अपने चुनावी घोषणापत्र में कालेश्वरम परियोजना का मुद्दा रखा था और अपने आश्वासन के तहत, राज्य सरकार ने परियोजना की जांच के आदेश दिए थे। उन्होंने सवाल किया, 'भाजपा और बीआरएस दोनों पार्टियां एक हैं और उन्होंने नौ साल तक एक साथ काम किया है। भाजपा नेता अब बीआरएस की आलोचना क्यों कर रहे हैं? केंद्र की भाजपा सरकार ने कालेश्वरम परियोजना में खामियों पर कोई कार्रवाई क्यों नहीं की।' श्रीधर बाबू ने कहा कि कांग्रेस सरकार सभी क्षेत्रों में वह बदलाव दिखाएगी जो लोग चाहते हैं।

पेद्दा जीयर स्वामी मठ और अस्थान मंडपम में तिरुप्पावई प्राणायाम आयोजित

तिरुमाला, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार तड़के 12.34 बजे पवित्र धनुर्मासम की शुरुआत के साथ, श्रीवारी मंदिर में सुप्रभातम की जगह शुभ तिरुप्पवई प्रवचनम ने ले ली। दिव्य धनुर्मास पारायणम 14 जनवरी तक जारी रहेगा। श्री गोदा देवी उन 12 आलवारों में से एक हैं जिनकी तमिल में स्तुति की गई है। महीने भर चलने वाले धनुर्मास उत्सव के दौरान श्रीवारी मंदिर में प्रत्येक दिन एक पाशुराम का पाठ किया जाएगा। तिरुप्पवई पथनम एकांतम में आयोजित किया जाएगा और भोग श्रीनिवास मूर्ति के बजाय, श्री कृष्ण स्वामी उत्सव मूर्ति की पूजा की जाएगी। तिरुप्पवई पथनम की शुरुआत रविवार को सुबह 7 से 8 बजे के बीच पेद्दा जीयारस्वामी मठ और अस्थाना मंडपम में की गई और इसका एसवीबीसी चैनल द्वारा सीधा प्रसारण किया गया। तिरुमाला के पुजारी श्री पेद्दा जीयरस्वामी, श्री चिन्ना जीयरस्वामी ने प्रवचनम में भाग लिया और भक्तों को मंगला शासनम से आशीर्वाद दिया। श्रीवारी मंदिर के केई लक्ष्मी नरसिम्हन ने पहले दिन तिरुप्पवई पथनम के दो पाशुर प्रस्तुत किए। धनुर्मास उत्सव के हिस्से के रूप में, एसवी कॉलेज ऑफ म्यूजिक एंड डांस की व्याख्याता डॉ. वंदना ने नाद नीरजनम मंच पर गोदा देवी संकीर्तन प्रस्तुत किया। हैदराबाद के वैदिक विद्वान डॉ. गोवर्धन स्वामीनाथाचार्युलु ने ईओ एवी धर्म रेड्डी और अन्य टीटीडी अधिकारियों की उपस्थिति में अस्थाना मंडपम में तिरुप्पावई प्रवचनम का प्रदर्शन किया।

जीवन रेड्डी मंत्री पद के लिए हरीश राव की आलोचना कर रहे हैं : देशपति श्रीनिवास

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी देशपति श्रीनिवास ने पूर्व मंत्री और विधायक टी हरीश राव के खिलाफ कांग्रेस एमएलसी टी जीवन रेड्डी के आरोपों की निंदा करते हुए इसे महज कांग्रेस नेतृत्व का ध्यान आकर्षित करने और कैबिनेट पद पाने का प्रयास बताया। उन्होंने कहा कि जीवन रेड्डी वास्तव में मंत्री पद के योग्य हैं, लेकिन उन्हें इस पद के लिए इतना नीचे नहीं गिरना चाहिए। जीवन रेड्डी की टिप्पणियों का कड़ा विरोध करते हुए, श्रीनिवास ने मीडियाकर्मियों से कहा कि कोई भी इस तथ्य से असहमत नहीं है कि पूर्व प्रधान मंत्री पीवी नरसिम्हा राव एक कांग्रेस राजनेता थे। हालांकि, लोगों को इस बात पर कड़ी आपत्ति है कि कैसे कांग्रेस आलाकमान ने उन्हें अपमानित किया, खासकर उनके निधन के बाद। दिल्ली में उनका अंतिम संस्कार और स्मारक न बनाकर कांग्रेस नेतृत्व ने न केवल उनका अपमान किया, बल्कि तेलंगाना के करोड़ों लोगों के स्वाभिमान को भी ठेस पहुंचाई। हरीश राव ने केवल उस पर प्रकाश डाला है। बीआरएस विधायक ने कहा कि कांग्रेस नेताओं को बीआरएस विधायकों की आलोचना करने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। उन्होंने बताया कि पिछले 10 वर्षों में, कांग्रेस के निर्वाचित प्रतिनिधियों ने तेलंगाना में सिलेरू जल विद्युत संयंत्र सहित सात मंडलों को आंध्र प्रदेश में विलय करने के केंद्र के फैसले के खिलाफ कभी आवाज नहीं उठाई। राज्यसभा में 70-80 से अधिक सदस्यों के साथ, कांग्रेस ने इस मुद्दे को उठाने से परहेज किया। बीआरएस के एकमात्र सदस्य के केशव राव ने तेलंगाना के साथ हुए अन्याय पर केंद्र से सवाल किया। उन्होंने कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना और अन्य मुद्दों में भ्रष्टाचार पर संसद में सवाल उठाने के लिए तेलंगाना के कांग्रेस सांसदों की आलोचना की, लेकिन रेलवे कोच फैक्ट्री सहित आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम के तहत आश्वासनों को पूरा करने में विफलता पर केंद्र से सवाल पूछने में विफल रहे।

रघुराम राजन ने सीएम से की मुलाकात

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने रविवार को यहां जुबली हिल्स स्थित अपने आवास पर आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन से बातचीत की। पिछली केंद्र सरकार में मुख्य वित्तीय सलाहकार के रूप में कार्य कर चुके रघुराम राजन ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के साथ अर्थशास्त्र के क्षेत्र में अपने अनुभव साझा किए, उन्होंने तेलंगाना राज्य की वर्तमान आर्थिक स्थिति पर चर्चा की और आर्थिक विकास के लिए अपनाई जाने वाली रणनीतियों पर चर्चा की। राज्य का विकास भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर ने तेलंगाना राज्य की आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए कुछ मूल्यवान सुझाव दिए। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, आईटी और विधायी मामलों के मंत्री डी श्रीधर बाबू, मुख्य सचिव शांति कुमारी, वित्त सचिव रामकृष्ण राव और सीएमओ सचिव शेषाद्री भी उपस्थित थे।

कांग्रेस को अब आंध्र प्रदेश से उम्मीद

वायएसआरसीपी और टीडीपी को लेकर पार्टी ने बनाई रणनीति

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अप्रैल-मई 2024 में आंध्र प्रदेश में एक साथ होने वाले लोकसभा और विधानसभा चुनावों के कुछ दिनों बाद, हैदराबाद तेलंगाना और आंध्र प्रदेश की संयुक्त राजधानी नहीं रहेगी। आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम 2014 के अनुसार, हैदराबाद को जून 2014 से 2 जून 2024 तक 10 वर्षों के लिए संयुक्त राजधानी रहना है। अमरावती, आंध्र प्रदेश की नई राजधानी है जिसे तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू ने अपने 2014-19 शासन के दौरान बनाना शुरू किया था, लेकिन पूरा नहीं कर सके, क्योंकि वह 2019 विधानसभा चुनाव वाईएस जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वायएसआरसीपी) से हार गए थे।

अमरावती को राजधानी बनाने पर असमंजस

हालांकि अमरावती को इसकी कार्यकारी और विधायी राजधानी माना जाता है, लेकिन आंध्र प्रदेश के पास अभी तक एक उचित राजधानी नहीं है। मई 2019 में सत्ता में आने के बाद, जगन ने अमरावती को अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी नायडू द्वारा प्रस्तावित राजधानी बनाने से बचने के लिए विकेंद्रीकृत विकास का विचार पेश किया। हालांकि, विशाखापत्तनम को प्रशासनिक राजधानी, कुरनूल को न्यायिक राजधानी और अमरावती को विधायी राजधानी के रूप में पेश करने के बावजूद, जगन सरकार इस प्रस्ताव पर भी आगे नहीं बढ़ी है। सीएम ने मार्च में कहा था कि वह विशाखापत्तनम में शिफ्ट होने जा रहे हैं, लेकिन तब से वह इस योजना को टाल रहे हैं।

कांग्रेस पार्टी 2014 से आंध्र प्रदेश की राजनीति में हाशिये पर है, जब अविभाजित राज्य को विभाजित करके नया तेलंगाना राज्य बनाया गया था। 2014 और 2019 के चुनावों में यह आंध्र प्रदेश में एक भी विधानसभा या लोकसभा सीट नहीं जीत सकी, जिसमें 175 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र और 25 लोकसभा सीटें हैं। हालांकि इस साल मई और नवंबर में दक्षिण भारत में क्रमशः कर्नाटक और तेलंगाना में दो विधानसभा चुनावों में अपनी शानदार जीत से उत्साहित कांग्रेस अब आंध्र प्रदेश में यह देखने के लिए स्थिति का परीक्षण कर रही है कि क्या उसके लोग, राज्य को विभाजित करने के लिए पार्टी की व्यवस्था से नाराज थे, 10 साल में शांत हुए हैं कि नहीं?

तेलंगाना में जीत से उत्साह में उछाल

तेलंगाना में कांग्रेस की जीत ने विशेष रूप से आंध्र प्रदेश में पार्टी कार्यकर्ताओं को बढ़ावा दिया है, जो पहले से ही राज्य में परिवर्तन की बयार का दावा कर रहे हैं। पार्टी नेताओं का कहना है कि तेलंगाना और कर्नाटक में इसके संसाधनों का इस्तेमाल आंध्र प्रदेश चुनावों में मजबूत अभियान चलाने के लिए किया जाएगा। आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गिदुगु रुद्र राजू का कहना है कि पार्टी 20 जनवरी से अपना चुनावी अभियान शुरू करेगी, उनका दावा है कि इससे चुनाव में पार्टी के पक्ष में लहर पैदा होगी। वाईएसआरसीपी सरकार के खिलाफ सत्ता-विरोधी लहर पर भरोसा करते हुए राज्य कांग्रेस के नेता टीडीपी और जन सेना पार्टी (जेएसपी), और बीजेपी और जेएसपी के बीच बदलते समीकरणों पर भी बारीकी से नजर रख रहे हैं।

राजू ने कहा कि 20 जनवरी से पार्टी नेता राज्यव्यापी डोर-टू-डोर कहा जाएगा। राज्य पार्टी इकाई को ताकत देने के लिए एआईसीसी शताब्दी समारोह 29 दिसंबर को काकीनाडा में आयोजित किया जाएगा। ज़मीन पर अपनी पार्टी, ख़ासकर मौजूदा विधायकों के लिए कुछ समस्याओं को महसूस करते हुए, जगन ने पहले ही इसमें सुधार करना शुरू कर दिया है।

इस सप्ताह की शुरुआत में उन्होंने 11 विधानसभा सीटों पर पार्टी प्रभारियों को बदल दिया, जो मौजूदा विधायकों की जगह चुनाव में उम्मीदवार बन सकते हैं। इस कदम के परिणामस्वरूप मंगलगिरि विधायक ए रामकृष्ण रेड्डी को इस्तीफा देना पड़ा।

वाईएसआरसीपी के सूत्रों का कहना है कि अधिकतर मंत्रियों को कड़े विरोध का सामना करना पड़ रहा है, और सीएम ने पहले ही नगरपालिका प्रशासन और शहरी विकास मंत्री ऑडिमुलापु सुरेश के निर्वाचन क्षेत्रों को येरागोंडापलेम से कोंडेपी, समाज कल्याण मंत्री मेरुगु नागार्जुन को वेमुरु से संथानुथलापाडु और स्वास्थ्य मंत्री वी रजनी के चिलकलुरिपेटा से गुंटूर पश्चिम तक निर्वाचन क्षेत्रों को बदल दिया है।

पार्टी ने बनाया सभी सीटों को जीतने का लक्ष्य

उन्होंने कहा, हम इस चुनाव में सभी 175 विधानसभा सीटें जीतने का लक्ष्य रख रहे हैं। यह टीडीपी को खत्म करने का समय है। शिक्षा मंत्री बोत्सा सत्यनारायण ने कहा, हम "175 क्यों नहीं?' और "आंध्र प्रदेश को जगन की जरूरत है' के नारे के साथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने इस बात से इनकार किया कि पार्टी में सत्ता विरोधी लहर को लेकर खतरे की घंटी बज रही है और चुनाव से पहले पार्टी के कई नेताओं और विधायकों के इस्तीफे की उम्मीद है।

वाईएसआरसीपी के राष्ट्रीय महासचिव वी विजय साई रेड्डी ने कहा कि मौजूदा विधायकों और संभावित उम्मीदवारों की जीत की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए फेरबदल किया जा रहा है। रेड्डी ने कहा, ये बदलाव ग्राउंड रिपोर्ट के आधार पर किए जा रहे हैं कि उम्मीदवार या मौजूदा विधायक जीत सकते हैं या नहीं। इसी के तहत उनमें फेरबदल किया जा रहा है। और भी बदलाव हो सकते हैं, कुछ उम्मीदवारों को अन्य निर्वाचन क्षेत्रों में स्थानांतरित किया जा सकता है या पूरी तरह से हटा दिया जा सकता है।

अपनी ओर से टीडीपी भी उत्साहित है और उसके नेता कह रहे हैं कि पार्टी महासचिव एन लोकेश नायडू की युवा गलम यात्रा अत्यधिक सफल रही है। शनिवार को उनकी 4,000 किलोमीटर लंबी पदयात्रा का 224वां दिन है, जो 27 जनवरी को चित्तूर जिले के कुप्पम से शुरू हुई और श्रीकाकुलम में समाप्त होगी। लोकेश अब तक लगभग 3,000 किलोमीटर की दूरी तय कर चुके हैं। एक टीडीपी नेता ने दावा किया, सभी वर्गों के लोगों के साथ उनकी बातचीत टीडीपी के लिए बहुत अधिक समर्थन पैदा कर रही है। लोग वाईएसआरसीपी, खासकर उनके मौजूदा विधायकों से खुश नहीं हैं।

चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी से पार्टी के प्रति कुछ सहानुभूति भी पैदा हुई है। टीडीपी नेता भी उम्मीद कर रहे हैं कि जेएसपी के साथ गठबंधन से उनकी संभावनाएं और बढ़ेंगी। टीडीपी-जेएसपी नेता भी उम्मीद कर रहे हैं कि बीजेपी गठबंधन में शामिल होगी। एक नेता ने कहा, तेलंगाना में जेएसपी और बीजेपी के बीच गठबंधन था। हालांकि, तेलंगाना चुनाव में जेएसपी के सभी उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.